सांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज नया मिजाज

सांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-72 | कोलकाता, गुरुवार 09 मई 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

लिव इन रिलेशनशिप में नहीं रह सकते हैं मुसलमान

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा-अनुच्छेद 21 नहीं देता इसकी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हाल ही में अपने एक अहम फैसले में कहा है कि इस्लाम धर्म को मानने वाला कोई भी शख्स लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का दावा नहीं कर सकता है। खासकर तब, जब पहले से उसकी कोई जीवित जीवनसंगिनी हो। कोर्ट ने कहा कि मुसलमान जिस रीति-रिवाज को मानते हैं, वह उन्हें लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का अधिकार नहीं देता है। जस्टिस अताउर्रहमान मसूदी और जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने कहा कि जब किसी नागरिक के वैवाहिक स्थिति की व्याख्या पर्सनल लॉ और संवैधानिक अधिकारों यानी दोनों कानूनों के तहत की जाती है, तब धार्मिक रीति-रिवाजों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि सामाजिक और धार्मिक रीति-रिवाज एवं प्रथाएं और संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त कानून जिन्हें सक्षम विधानमंडल द्वारा बनाया गया है, दोनों के स्रोत समान रहे हैं। अदालत ने कहा, एक बार जब हमारे संविधान के ढांचे के भीतर रीति-रिवाजों और प्रथाओं को वैध कानून के रूप में मान्यता मिल जाती है, तब ऐसे कानून भी उचित मामले में लागू होते हैं। अपने आदेश में अदालत ने कहा कि अनुच्छेद 21 के तहत लिव-इन रिलेशनशिप का मिला संवैधानिक अधिकार तब लागू नहीं होता, जब रीति-रिवाज और प्रथाएं दो व्यक्तियों के बीच ऐसे संबंधों को प्रतिबंधित करती हैं। हाई कोर्ट ने कहा, इस्लाम में आस्था रखने वाला कोई भी व्यक्ति लिव-इन रिलेशनशिप के अधिकार का दावा नहीं कर सकता, खासकर तब जब उसका कोई जीवनसाथी जीवित हो। हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान किया, जिसमें एक व्यक्ति के खिलाफ अपहरण के मामले को खारिज करने की गुहार लगाई गई थी। याचिका में एक हिंदू-मुस्लिम जोड़े के लिव-इन रिलेशनशिप में हस्तक्षेप न करने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। कोर्ट ने सुनवाई और साक्ष्यों की जांच के दौरान पाया कि याचिकाकर्ता मुस्लिम शख्स पहले से ही एक मुस्लिम महिला से शादीशुदा है।

कहा-

- **मुस्लिम जिस रीति-रिवाज को मानते हैं, वहां यह अधिकार नहीं**

दुखी हैं पर नहीं चलेगी उनकी बिना इंजन की गाड़ी

- 3 निर्दलीय विधायकों के पाला बदलने पर बोले अनिल विज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में तीन निर्दलीय विधायकों के भाजपा से अपना समर्थन वापस लेने के बाद राज्य में सियासत गर्मा गई है। विपक्ष की ओर से अब फ्लोर टेस्ट की मांग उठ रही है। हालांकि ताजा हालातों को देखते हुए सैनी सरकार अल्पमत में है लेकिन, इसके बावजूद भाजपा नेता दावा कर रहे हैं कि उनकी सरकार को कोई खतरा नहीं है। वहीं, इस मामले में हरियाणा के पूर्व मंत्री अनिल विज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हम उन विधायकों के जाने से दुखी जरूर हैं लेकिन, विपक्षी गठबंधन की गाड़ी इस बार भी बिना इंजन के ऐसे ही

खड़े रहने वाली है। हरियाणा में लगातार बदल रहे राजनीतिक हालातों पर हरियाणा के पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने कहा कि हम तीन निर्दलीय विधायकों के कांग्रेस को समर्थन देने से दुखी हैं लेकिन, हमारे पास ट्रिपल इंजन वाली सरकार है। तीन नेता हमारे राज्य की देखभाल कर रहे हैं- सीएम नायब सिंह सैनी, पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर और पीएम नरेंद्र मोदी। लोगों ने मन बना लिया है कि वे पीएम नरेंद्र मोदी को ही अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं और तीसरी बार इंडी गठबंधन की बिना की गाड़ी ऐसे ही खड़ी रहेगी। गौरतलब है कि हरियाणा में तीन निर्दलीय विधायकों ने मंगलवार को भाजपा सरकार से समर्थन वापस ले लिया और घोषणा की कि वे कांग्रेस का समर्थन करेंगे। इसके साथ ही सरकार अल्पमत में आ गई है।

चुनाव के लिए बीजेपी कुछ भी कर सकती है

- एक और कांग्रेसी ने पुंछ आतंकी हमले पर उठाया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बाद एक और कांग्रेस नेता और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने हाल ही में पुंछ आतंकी हमले को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि भगवा पार्टी चुनाव के दौरान कुछ भी कर सकती है। मंगलवार को उन्होंने कहा, पुलवामा हमला अभी भी एक रहस्य बना हुआ है, जिसको लेकर तत्कालीन उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक भी सवाल उठा चुके हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं है। भाजपा चुनाव के दौरान कुछ भी कर सकती है। आपको बता दें कि वारिंग

लुधियाना सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। फरवरी 2019 में जैश-ए-मोहम्मद द्वारा किया गया पुलवामा हमला लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ था। इसके कुछ दिनों के बाद भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के अंदर बालाकोट में जवाबी हमले किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने चुनाव में लगातार दूसरी बार बहुमत हासिल किया। विपक्षी दलों ने बार-बार आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने चुनावी लाभ लिए आतंकवादी हमले की इजाजत दी, हालांकि सत्तारूढ़ दल ने इस आरोप को खारिज कर दिया। पिछले शनिवार को पुंछ में हमला हुआ। आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के वाहनों के एक काफिले को निशाना बनाया।

ईस्ट वाले चीनी और साउथ वाले अफ्रीकन दिखते हैं

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने फिर दिया विवादित बयान, बैकफुट पर पार्टी

- पीएम मोदी ने किया हमला, कहा-शहजादे के फिलॉसफर ने चमड़ी के आधार पर गाली दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने विरासत टैक्स के बाद भारत की विविधता को लेकर बयान दिया। पित्रोदा ने कहा कि भारत में ईस्ट के लोग चाइनीज और साउथ वाले अफ्रीकन दिखते हैं। बयान देने के कुछ ही देर बाद कांग्रेस ने इससे किनारा कर लिया। कांग्रेस ने कहा कि भारत की विविधता की ये परिभाषा मंजूर नहीं है। यह गलत है। जब बयान सामने आया, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के वारंगल में सभा कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा, शहजादे के फिलॉसफर ने चमड़ी के आधार पर देशवासियों का अपमान किया। गाली दी। सैम पित्रोदा ने अंग्रेजी अखबार द स्टेट्समैन को दिए एक इंटरव्यू में विविधता पर बयान दिया। उन्होंने कहा, हम 75 साल बहुत खुशहाल माहौल में रहे हैं। लोग इधर-उधर के झगड़ों को छोड़कर एक साथ रहते थे। हम भारत जैसे विविधता वाले देश को एक साथ रख सकते हैं। यहां हम सभी भाई-बहन हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा- हम सभी अलग-अलग भाषाओं, धर्मों, रीति-रिवाजों और खाने का सम्मान करते हैं।

प्रधानमंत्री बोले- मेरा मन गुस्से से भर गया है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मैं बहुत गुस्से में हूं। लोग मुझे गाली दें तो मैं गाली सह लेता हूं; लेकिन शहजादे के फिलॉसफर ने इतनी बड़ी गाली दी है कि मेरे मन में गुस्सा भर गया है। मोदी ने कहा, क्या मेरे देश में चमड़ी का रंग देखकर लोगों की योग्यता तय होगी। चमड़ी के रंग का खेल खेलने का हक शहजादे को किसने दिया है।

बैकफुट पर कांग्रेस 'नस्लवादी' टिप्पणी से किया किनारा

मौजूदा लोकसभा चुनावों के बीच मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस अपने ओवरसीज चीफ सैम पित्रोदा के बयान से दूसरी बार मुश्किलों में घिर गई है। पित्रोदा के बयान पर विवाद बढ़ता देख कांग्रेस ने उनकी कथित नस्लवादी टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा, सैम पित्रोदा ने पॉडकास्ट में भारत की विविधता को दर्शाने के लिए जो उदाहरण दिए हैं, वे सबसे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उदाहरणों से खुद को पूरी तरह से अलग करती है। सैम पित्रोदा ने भारत की विविधता का उदाहरण देते हुए पूर्वोत्तर के लोगों की चीनी नागरिकों के समान, पश्चिम के लोगों को अरब लोगों के समान और दक्षिण भारत के लोगों को अफ्रीकी लोगों के समान बताया था। भाजपा नेताओं ने चुनावी माहौल में पित्रोदा की टिप्पणी की तीखी आलोचना की है और इसे 'अस्वीकार्य और दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया है।

कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों का फिर एनकाउंटर शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में रेडवानी पाईन इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फिर मुठभेड़ शुरू हो गई है। इससे पहले मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया था। मरने वालों में आतंकी लश्कर का टॉप कमांडर बासित डार भी था, जिस पर 10 लाख रुपए का इनाम था। वह कश्मीर में कई

लोगों की हत्या में शामिल रहा है। वहीं, मारा गया दूसरा आतंकी फहीम अहमद था, जो आतंकियों की मदद करता था। वहीं, दूसरी तरफ पुंछ में वायुसेना के काफिले पर हमला करने वाले आतंकियों को पकड़ने के लिए बुधवार को लगातार पांचवें दिन तलाशी अभियान जारी है। 4 मई को हुए इस हमले में वायुसेना का एक जवान शहीद हो गया था और चार घायल हो गए थे। सेना ने हमले में शामिल आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। साथ ही उन पर 20 लाख के इनाम का ऐलान भी किया है।

कांग्रेस में पार्टी का विलय कर सकते हैं शरद पवार

- एनसीपी चीफ ने दे दिया बड़ा हिंट, एक भविष्यावाणी भी की

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार ने लोकसभा चुनाव 2024 के बाद की राजनीतिक तस्वीर को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि आम चुनाव के बाद कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस के करीब आएंगे। इसके अलावा कुछ दल तो कांग्रेस में विलय भी कर सकते हैं।

विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं में से एक शरद पवार ने कहा कि अगले कुछ सालों में कई दल कांग्रेस के करीब आएंगे। यही नहीं इनमें से कुछ तो कांग्रेस में विलय के विकल्प पर भी विचार कर सकते हैं। यदि उन्हें लगा कि उनके दल के लिए यह बेहतर होगा। बातचीत में शरद पवार ने इसके साथ ही एक हिंट भी दे दिया। उनसे जब पूछा गया कि क्या यह बात उनकी अपनी पार्टी एनसीपी-शरद चंद्र पवार पर भी लागू होती है। इस पर पवार ने कहा, मैं कांग्रेस और अपनी पार्टी में कोई अंतर नहीं देखता। वैचारिक रूप से हम गांधी और नेहरू की लाइन को ही मानते हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी से कुछ नहीं कह रहा हूं। बिना अपने साथियों से बात के कुछ नहीं कहना चाहिए। वैचारिक रूप से हम कांग्रेस के करीब हैं। आगे की रणनीति पर बातचीत जारी है।

मोदी के नफरती भाषणों पर ऐक्शन नहीं लेता ईसी

नोटिस भी पार्टी को भेजा, अब हाईकोर्ट पहुंची कांग्रेस

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) ने मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग को लेकर एक याचिका दायर की है। याचिका में हाईकोर्ट से आग्रह किया गया है कि वह भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को मौजूदा चुनावी मौसम के दौरान कथित तौर पर नफरत भरे भाषण देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दे। याचिका में कहा गया है कि मोदी के नफरत भरे भाषणों के खिलाफ चुनाव आयोग में कई शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन उसने सीधे नरेंद्र मोदी से सवाल करने के बजाय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को केवल एक कारण बताओ नोटिस जारी किया है। याचिका में कहा गया है कि नफरत फैलाने वाले भाषणों के लिए मोदी खुद अपराधी हैं। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका में कहा गया है,मोदी इन भड़काऊ टिप्पणियों, अपमानजनक और विभाजनकारी भाषणों के लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं। ईसीआई की यह उदारता नागरिकों को गलत संकेत भेजती है और हमारे देश की पूरी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को कमजोर करती है।

इस मामले का उल्लेख आज न्यायमूर्ति एडी जगदीश चंदीरा और आर कलाईमथी की अवकाश पीठ के समक्ष किया गया। हालांकि, बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह पहले इस मामले को पहले रजिस्ट्री के पास ले जाकर रजिस्टर कराए। यह याचिका टीएनसीसी ने अपने अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागई के माध्यम से दायर की है।

पतंजलि केस में आईएमए की भी बढ़ गई मुश्किलें

बालकृष्ण की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने थमाया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में चल रही कार्यवाही को लेकर टिप्पणी करने को लेकर इंडियन

मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) प्रमुख डॉ. आरवी अशोकन की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को डॉ. अशोकन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण की ओर से आईएमए प्रमुख डॉ. अशोकन के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दाखिल अर्जी पर विचार करते हुए यह नोटिस जारी किया है।

मामले की सुनवाई के दौरान पीठ ने मामला लंबित रहने के दौरान आईएमए अध्यक्ष डॉ. अशोकन द्वारा दिए गए साक्षात्कार पर कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस कोहली ने कहा कि जब मामला अदालत में लंबित है, ऐसे में आपका (आईएमए के वकील) मुवक्किल इस बारे में साक्षात्कार कैसे दे सकता है।

उत्तराखंड जंगलों की आग पर नजर आई 'सुप्रीम' सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग मामले में बुधवार 8 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार और याचिकाकर्ताओं से कहा कि मामले की रिपोर्ट सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी से शेयर करें और उनसे ओपिनियन लें। इस मामले में अब 15 मई को सुनवाई होगी। उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नवंबर 2023 से अब तक जंगलों में आग लगने की 398 घटनाएं हो चुकी हैं। हर बार ये आग इंसानों द्वारा लगाई गई। उत्तराखंड में अप्रैल के पहले हफ्ते से लगी आग से अब तक 11 जिले प्रभावित हैं। इसमें गढ़वाल मंडल के पौड़ी रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी ज्यादा प्रभावित हैं और देहरादून का कुछ हिस्सा शामिल है।

अब खरगे-प्रियंका संभालेंगे प्रचार की कमान

राहुल रायबरेली में देंगे ध्यान, आधा चुनाव बीतने के बाद कांग्रेस पार्टी ने बदला प्लान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पिछले दो चरणों में शेष 24 सीटों में से कांग्रेस केवल छह सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसलिए राहुल गांधी के महाराष्ट्र में प्रचार करने की संभावना नहीं के बराबर है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए रैलियां करेंगी। 13 मई को होने वाले चौथे चरण में कांग्रेस पुणे, जालना और नंदुरबार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राहुल गांधी पहले ही पुणे में एक रैली कर चुके हैं। प्रियंका गांधी 10 मई को नंदुरबार में प्रचार करेंगी। पांचवें चरण में पार्टी उत्तर महाराष्ट्र की धुले और मुंबई की दो सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यहां प्रचार के लिए पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे 15 मई को एक रैली कर सकते हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं जहां 20 मई को चुनाव होगा। वह वहां और देश के अन्य हिस्सों में भी प्रचार करेंगे। हमारे यहां कई नेता प्रचार कर रहे हैं, जिनमें खरगे और प्रियंका भी शामिल हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 मई को नासिक, भिवंडी और मुंबई में रैलियों को संबोधित करने वाले हैं।

कैफे से लेकर सड़क तक चाकू घोंपता रहा पति

जान बचाने के लिए चीखती-चिल्लाती रही पत्नी और फिर...

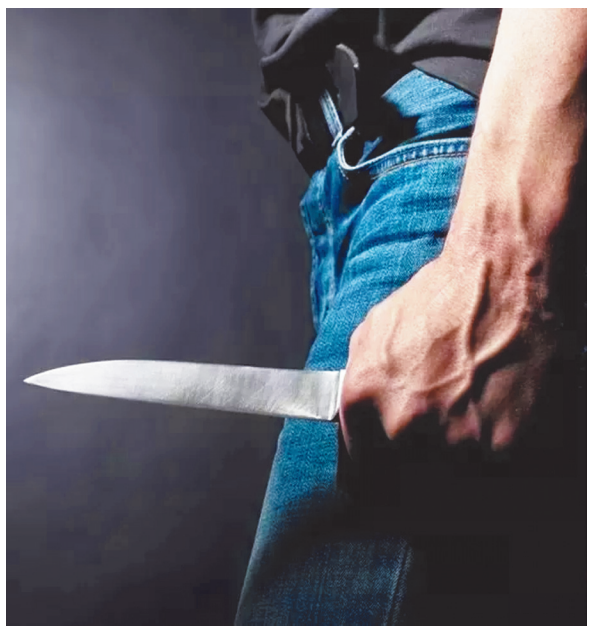

कोलकाता। महानगर के करया थाना अंतर्गत बेक बागान इलाके में एक युवक द्वारा कैफे के भीतर और फिर बाहर सड़क पर चाकू घोंपकर पत्नी की हत्या करने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पुलिस ने आरोपित पति इर्तिकाब शकीब (29) को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना सोमवार शाम की है। मृतका का नाम अरिबा इकबाल (22) है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था और दोनों अलग रह रहे थे। खबर है कि शकीब को पत्नी की शिकायत पर पहले गिरफ्तार भी किया गया था और वह जमानत पर बाहर था। इस बीच शकीब व अरिबा सोमवार शाम बेक बागान के नसीरुद्दीन रोड स्थित एक कैफे में मिलने व बातचीत के लिए पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक दोनों के बीच कैफे के अंदर तीखी बहस शुरू हो गई, तभी शकीब ने अचानक अरिबा पर चाकू से हमला कर दिया। लहूलुहान अवस्था में अरिबा मदद के लिए चिल्लाते हुए बाहर भागी, लेकिन शकीब ने पीछा करते हुए सड़क पर दौड़ाकर पीछे से बार-बार उसपर चाकू से वार किया। इसके बाद आसपास के लोगों ने घायल अरीबा को उससे बचाकर गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना से गुस्साए स्थानीय लोग आरोपित पति को पकड़कर उसपर टूट पड़े और जमकर धुनाई की। फिर मौके पर पहुंची करया थाने की पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पत्नी अरिबा कोलकाता के तपसिया के कोहिनूर मार्केट इलाके की निवासी थी। वहीं, शकीब का घर बेक बागान में ही है। रिपोर्ट के अनुसार, शकीब और अरिबा की कुछ समय पहले शादी हुई थी लेकिन दोनों के बीच झगड़ा रहता था। शकीब पहले भी अरीबा को मारता पीटता था और इसको लेकर अरिबा ने उसके खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला भी दर्ज करवाया था। शकीब को इस मामले में गिरफ्तार करके भेज दिया गया था। उसे बाद में जमानत मिल गई थी। बताया गया कि शकीब इस कैफे में अरिबा से समझौते व बातचीत करने आया था, तभी वह अचानक हमला करने लगा और अरिबा की जान ले ली। प्रारंभिक पूछताछ में शकीब ने पुलिस को बताया कि उसने उसकी बात सुनने से इनकार कर दिया। इसलिए उसने हमला किया। पुलिस जांच में जुटी है।

मोदी, रामनवमी जुलूस...

नजरूल इस्लाम के गढ़ में बदल गई राजनीति जानिए आसनसोल के चुरुलिया में क्या मिजाज है?

चुरुलिया (पश्चिम बंगाल)। आसनसोल के चुरुलिया में विद्रोही कवि कहे जाने वाले नजरुल इस्लाम के घर के बाहर दीवारों पर उनके वो गीत और छंद से पटे पड़े है, जिनमें सांप्रदायिक सद्भाव का दर्शन है, जिस पर वह जीवन भर चले और विद्रोही कवि कहलाए। तीन हजार से ज्यादा गीत और संगीत की रचना करने वाले नजरूल गीति ना सिर्फ बंगाल बल्कि बांग्लादेश के जनमानस का हिस्सा बना। दोनों देशों की सरकारों से सम्मान पाने वाले साहित्यकार ने आसनसोल के इसी छोटे से गांव में धार्मिक सद्भाव से जुड़ा साम्यता का गान का पाठ सीखा था। उनके घर से महज चार कदम की दूरी पर सब्जी बेच रहे मंसूर अली के अनुसार आज भी सद्भाव के साथ रहते हैं। हालांकि कुछ लोग कहते हैं कि दूसरे इलाकों में राजनीतिक पार्टियां ध्रुवीकरण की सीढ़ी चढ़ वोट हासिल करने की कोशिश करती रहती हैं। चुरुलिया में राम के साथ मोदी और अहलूवालिया के पोस्टर लगे हैं यहां ऐसा माहौल नहीं चलता, यहां हिंदू और मुस्लिम साथ-साथ में रहते हैं। जब शादी होती है, तो सब साथ ही खाते हैं।

मंसूर अली, सब्जी विक्रेता, चुरुलिया

टीएमसी और बीजेपी ने सीपीएम के खिलाफ सेटिंग कर रखी है चुरुलिया के काजीबड़ा मुहल्ले में कुछ लोग धूप से बचते हुए गपशप कर रहे हैं। इनमें से एक शेख फकरूद्दीन एक बदलाव का जिक्र करते हैं। उनका कहना है कि केंद्र में बीजेपी सरकार के आने के बाद से ही यहां रामनवमी को लेकर ज्यादा जुलूस वगैरह देखने को मिल रहा है। इससे पहले यहां हिंदू यहां कालीपूजा, दुर्गापूजा और सरस्वती पूजा करते थे। हाल के वर्षों में रामनवमी का जुलूस भी देखने को मिल रहा है। इसी इलाके में रहने वाले सीमांतों काजी कहते हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी के वक्त भी ऐसा कुछ नहीं था। लेकिन अब धर्म की पॉलिटिक्स दिख रही है। उनके साथ बैठे तन्मय काज़ी कहते हैं कि ऐसा लगता है कि ममता बनर्जी और पीएम मोदी के बीच चुनावी सेटिंग है। ये लोग अब सीपीएम को राज्य में घुसने नहीं देंगे। गांव के हिंदू मोहल्लों में राम के पोस्टर और होर्डिंग्स की मौजूदगी गवाही देती है कि रामनवमी को लेकर काफी तैयारी की गई। इसी मुहल्ले के शख्स ने कहा कि पिछले पांच साल से रामनवमी को पहले के मुकाबले भव्य तरीके से मनाया जा रहा है।

मोदी और राम का प्रभाव भी पड़ रहा है चुनाव पर

दरअसल बंगाल में रामनवमी और उसे लेकर होने वाली हिंसा को लेकर टीएमसी और बीजेपी के बीच बीते कई सालों से तनातनी देखने को मिली है। इस राजनीति ने साल 2016 के दौरान जोर पकड़ा जब बीजेपी का राज्य में उभार हो रहा था। यहां के रानीगंज और आसनसोल में रामनवमी के जुलूस को लेकर 2017, 2018 और 2023 में भी हिंसा हुई। रानीगंज के रोनाई में जहां हिंसा 2016 में हिंसा देखी गई। राम मंदिर का असर भी चुरुलिया में काफी है। नाई की दुकान चलाने वाले दिलीप कहते हैं कि मोदी जी का काम अच्छा है, राममंदिर भी बनवाया है। इस बार जुलूस बहुत अच्छे से निकला। धूम धड़ाका से निकला। वहीं साथ लगी दुकान के अमन पंडित भी कहते हैं कि पीएम मोदी यहां लोकप्रिय है। इस इलाके में यहां के उम्मीदवार एस एस आहलुवालिया के पोस्टर में पीएम मोदी के साथ राम मंदिर की भी झलक दिख जाती है।

गैर बंगाली आबादी को रिझाने में जुटी पार्टियां

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि टीएमसी के पास हिंदुत्व की राजनीति के इस उभार का कोई काट नहीं है क्योंकि धर्मनिरपेक्षता को लेकर उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठते रहे हैं। माना जाता है कि टीएमसी भी सॉफ्ट हिंदुत्व की रणनीति पर चलती रही है। उसकी वजह यहां की गैर बंगाली आबादी है और बहुसंख्यकों की तादाद 80 फीसदी से ज्यादा है। इसके साथ ही मुस्लिम यहां 10 फीसदी ही हैं। हालांकि यहां एससी और एसटी समुदाय का ब्लॉक वोटिंग का पैटर्न भी रहा है। बर्दवान दुर्गापुर से शिफ्ट किए गए एस एस अहलूवालिया के सामने बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा हैं, जिन्हें गैर बंगाली आबादी के वोटों को ध्यान में रखकर उतारा गया है। चुरुलिया से निकलते वक्त जहन काज़ी नजरुल इस्लाम के चुरुलिया वाले संग्रहालय की एक तस्वीर पर अटक गया। जिसमें हिंदू और मुसलमान एक दूसरे को गले लगा रहे थे। लेकिन राजनीति का मिजाज़ अलग होता है। ये मौजूदा चुनाव के लिए लगे चुनावी पोस्टरों में अलिखित तौर पर पढ़ा जा सकता है।

बच गई 25,753 शिक्षकों की नौकरी! पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती बहाल, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सिस्टमैटिक फॉड

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें उसने पश्चिम बंगाल में 25,753 टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध करार दे दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को इजाजत दे दी कि वह स्टेट कैबिनेट के मेंबरों के खिलाफ छानबीन जारी रख सकती है। कोर्ट ने सीबीआई से कहा कि वह छानबीन के दौरान संदिग्ध की गिरफ्तारी जैसे कदम न उठाए।

यह सिस्टमेटिक फॉड का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्ती में कथित घोटाले की सुनवाई के दौरान कहा कि यह सिस्टमेटिक फ्रॉड का मामला है। अधिकारियों की जिम्मेदारी थी कि वे नियुक्ति से संबंधित डिजिटल रेकॉर्ड को संभाल कर रखते। सुप्रीम कोर्ट कोलकाता हाई कोर्ट के 22 अप्रैल के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा है। हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के सरकारी और गैर सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्ती को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारी नौकरियां बेहद कम हैं। अगर नियुक्तियों पर सवाल उठने लगे तो सिस्टम में क्या बचेगा? लोगों का विश्वास ही खत्म हो जाएगा। यह सिस्टमेटिक फ्रॉड का मामला है।

नजर रखी थी: कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार इसे कैसे स्वीकार कर सकती है? उसे मॉनिटरिंग करनी चाहिए थी। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के स्कूल सेवा आयोग द्वारा 25,753 टीचरों और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध ठहराने के कोलकाता हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और कहा है कि हाई कोर्ट ने मनमाने तरीके से ये नियुक्तियां रद्द की हैं।

ममता सरकार से पूछे सवाल

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से कुछ सवाल भी पूछे। जिसमें एक सवाल यह भी था कि जब भर्ती प्रक्रिया पर पहले से ही सवाल उठ रहे थे तो शिक्षकों की भर्ती क्यों की गई? इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने पूछा कि वेटिंग लिस्ट में रहने वाले कैंडिडेट तक को नियुक्ति क्यों नहीं मिली। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में अपनी जांच जारी रखने की अनुमति दी। हालांकि, यह किसी भी अधिकारी या उम्मीदवार के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाएगा।

पांचवें चरण की सात सीटों पर लड़ रहे हैं 88 प्रत्याशी, अंतिम चरण के लिए श्रष्ट ने जारी की अधिसूचना

कोलकाता। बंगाल में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सात सीटों पर 88 प्रत्याशी मैदान में हैं। इन में तृणमूल कांग्रेस, भाजपा, कांग्रेस, माकपा, बहुजन समाज पार्टी और इंडियन सेक्युलर फ्रंट समेत कई और पार्टियों के अलावे 39 निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल हैं। इस चरण में उत्तर 24 परगना जिले की बनगांव और बैरकपुर लोकसभा सीटों के साथ-साथ हावड़ा की उलुबेड़िया, हावड़ा और हुगली की आरामबाग, श्रीरामपुर और हुगली सीट पर मतदान होना है।

कहां से कितने उम्मीदवार हैं मैदान में?

बनगांव से तीन महिलाओं समेत 15 प्रत्याशी चुनावी रण में हैं, जिसमें सात निर्दलीय हैं। बैरकपुर से दो महिलाओं समेत 14 उम्मीदवार उतरे हैं जिसमें सात निर्दलीय हैं। इसी तरह से आरामबाग में एक महिला और पांच निर्दलीय समेत 10 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। श्रीरामपुर से दो महिलाओं और चार निर्दलीय समेत 11 उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं। हुगली सीट पर चार महिला व पांच निर्दलीय समेत 12 उम्मीदवार ताल ठोक रहे हैं। हावड़ा से 14 प्रत्याशी मैदान में हैं जिसमें सात निर्दलीय और एक महिला है। वहीं उलुबेड़िया सीट पर 12 प्रत्याशी चुनावी महासमर में है जिसमें चार निर्दलीय और एक महिला है।

अंतिम चरण के लिए आयोग ने जारी की अधिसूचना

वहीं, दूसरी ओर मंगलवार को सातवें और अंतिम चरण के लिए आयोग ने अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके साथ ही बंगाल की नौ सीटों पर नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। इस चरण में कोलकाता की दो, उत्तर 24 परगना जिले की तीन और दक्षिण 24 परगना जिले की चार लोकसभा सीटों के लिए नामांकन होना शुरू हुआ है जो 14 मई को समाप्त होगा। इन सीटों पर सातवां व अंतिम चरण में एक जून को वोट डाले जाएंगे।

कोलकाता में पानी को लेकर विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। महानगर के फूलबागान इलाके में पानी को लेकर विवाद में 18 वर्षीय एक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार कर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम नीतीश रविदास बताया गया है। पुलिस ने आरोपित आकाश हरि (30) को गिरफ्तार कर लिया है। घटना फूलबागान थाना क्षेत्र के यूसी बनर्जी रोड में स्थित कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के स्वीपर क्वार्टर में रविवार देर रात घटी। आरोप है कि हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि उसने पानी की बोतल देने से इनकार कर दिया था। मृतक के पिता केएमसी में सफाई कर्मी हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित और अन्य फ्लैटमेट छत पर पार्टी मना रहे थे और नशीली दवाओं का सेवन कर रहे थे तभी उन्होंने मृतक लड़के से पानी की बोतल मांगी थी, लेकिन अपनी बोतल देने से इन्कार कर दिया था। तभी हरि ने अचानक उसकी पानी की बोतल छह से नीचे फेंक दी। इसको लेकर दोनों में झगड़ा शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान हरि ने गांजा काटने वाले चाकू से नीतीश पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। उसे गंभीर हाल में एनआरएस अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है।

सच्चाई दबाने का प्रयास कर रही TMC

संदेशखाली स्टिंग ऑपरेशन पर क्या बोले बंगाल भाजपा अध्यक्ष मजूमदार?

कोलकाता। बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि संदेशखाली पर स्टिंग आपरेशन का वीडियो तृणमूल कांग्रेस द्वारा सच्चाई को दबाने का प्रयास है। मजूमदार ने वीडियो जारी करने के समय पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस अपने निलंबित नेता शाहजहां शेख को क्लीन चिट देने के लिए इसका इस्तेमाल करेगी।

वीडियो में किया गया है ये दावा?

कथित वीडियो में भाजपा मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना गया है कि बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी पूरी साजिश के पीछे हैं। महिलाओं को पैसे देकर टीएमसी नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं।

मजूमदार ने वीडियो को बताया फर्जी

मजूमदार ने कहा कि स्टिंग आपरेशन उस समय क्यों किया गया जब चुनाव चल रहा है? बंगाल के लोगों को बेवकूफ बनाना इतना आसान नहीं होगा। वे यह समझने के लिए राजनीतिक रूप से काफी परिपक्व हैं कि इस समय वीडियो क्यों जारी किया गया है। मजूमदार ने कहा कि वीडियो फर्जी है और संदेह है कि इसे बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल किया गया है।

600-700 लोगों ने दर्ज कराई है शिकायत- मजूमदार

बालुरघाट के सांसद मजूमदार ने कहा कि संदेशखाली के 600-700 लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के दावों को छोड़कर केवल एक व्यक्ति के कथित आरोप को क्यों स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब भी दुष्कर्म की कोई घटना होती है तो टीएमसी नेता पीड़िता के चरित्र का हनन करना शुरू कर देते हैं। मुख्यमंत्री संदेशखाली क्यों नहीं गईं? मैं उन्हें वहां जाने की चुनौती देता हूं और हम उन्हें दिखाएंगे कि शाहजहां के नेतृत्व में भूखंडों को मछली फार्म में कैसे बदल दिया गया। हमने केंद्रीय एजेंसियों को वहां एक घर से हथियार और गोला-बारूद का पता लगाते हुए भी देखा है।

पश्चिम बंगाल कक्षा 12वीं के नतीजे घोषित

पश्चिम बंगाल कक्षा 12वीं का रिजल्ट आज घोषित कर दिया गया है, पश्चिम बंगाल काउंसिल ऑफ हायर सेकेंडरी एजुकेशन ने 8 मई, 2024 को दोपहर 1 बजे पश्चिम बंगाल 12वीं रिजल्ट 2024 जारी कर दिया है. डब्ल्यूबीएचएस रिजल्ट 2024 की घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई. पश्चिम बंगाल बोर्ड कक्षा 12वीं में कुल 90त्न छात्र और छात्राएं पास हुए हैं. इस साल डब्ल्यूबीएचएस हायर सेकेंडरी परीक्षा में कुल 7,55,324 रेगुलर स्टूडेंट उपस्थित रहे हैं. डब्ल्यूबीएचएस 12वीं रिजल्ट लिंक 2024 बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट wbresults.nic.in पर दोपहर 3 बजे सक्रिय हो जाएगा, तब छात्र अपनी प्रोविजनल डब्ल्यूबीएचएस मार्कशीट डाउनलोड कर सकेंगे. छात्रों को अपने डब्ल्यूबी एचएस 2024 रिजल्ट डाउनलोड करने के लिए अपने रोल नंबर का प्रयोग करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

गांव में पक्की सड़क नहीं होने से नाराज गांव वाले, मिर्चायगंज गांव के लोग बोले- रोड नहीं तो वोट नही

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के नूरसराय प्रखंड अंतर्गत मामूराबाद पंचायत के मिर्चायगंज गांव में बुधवार को ग्रामीणों ने गांव में रोड नहीं रहने के कारण नाराजगी वक्त की है। ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव में वोट नहीं करने का निर्णय लिया है। गांव के राहुल कुमार, रविंद्र पासवान वालक यादव, आनंद साव, सुबोध राम, दीपक कुमार, नंदू पंडित, धर्मेंद्र मिस्त्री समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि गांव में अब तक मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। नाली का निर्माण बेहतर तरीके से नहीं होने के कारण उसका पानी कच्ची सड़क पर आ जाता है। जिसके कारण लोगों को पैदल चलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गर्मी के दिनों में भी सड़क पर जल जमाव की स्थिति बनी रहती है बरसात में तो कहना ही क्या है। स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर क्षेत्र के विधायक तक रोड बनवाने को लेकर अर्जी लगा चुके हैं। लेकिन अब तक 15 वर्षों से भी अधिक का समय बीत गया है। लेकिन गांव में पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो सका है। अब हम लोगों ने यह निर्णय लिया है कि अगर रोड नहीं बनता है तो हम लोग आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं करेंगे। 15 सौ की आबादी वाला मिर्चायगंज गांव आज भी पक्की सड़क से वंचित है। जबकि मिर्चायगंज गांव में ही लोकल बाजार होने के कारण करीब 1 दर्जन गांव के लोग मुकरामपुर, मोहम्मदपुर, चंद्र बीघा, दयालपुर, मामूराबाद, गोविंदपुर, ककैला, रामगढ़, खरजम्मा सरबलपुर, साकरौढा, गजराज बीघा, विशुनपुर के ग्रामीणों को बाजार आने में कच्ची सड़क के कारण परेशानी होती है।

तीसरे फेज में सुधरा बिहार का वोटिंग प्रतिशत, 2019 के चुनाव से 1.22 फीसदी कम रहा

पटना, एजेंसी। बिहार में तीसरे चरण का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से खत्म हो गया है। पिछले दो चरणों की तुलना में इस बार वोटिंग पर्सेंट का ग्राफ बढ़ा है। हालांकि, थर्ड फेज की सभी पांच सीटों पर पिछले चुनाव की तुलना में कम वोटिंग हुई है। ओवर ऑल देखें तो इस बार इन 5 सीटों पर 60 फीसदी की वोटिंग हुई है। जबकि, 2019 में यहां 61.22 फीसदी वोटिंग हुई थी। वहीं, अगर सीटवार बात करें तो सबसे ज्यादा वोटिंग अररिया में हुई है। चुनाव आयोग के मुताबिक, अररिया में 62.80 फीसदी वोटिंग हुई है। जबकि, 2019 में यहां 64.78 फीसदी वोटिंग हुई थी। वहीं, सबसे कम वोटिंग झंझारपुर में 55.50 फीसदी हुई है। पिछले चुनाव में यहां 57.24 फीसदी वोटिंग हुई थी। सुपौल में इस बार 62.40 फीसदी वोटिंग हुई है, जबकि 2019 में यहां 65.70 की वोटिंग हुई थी। मधेपुरा में 61 फीसदी वोटिंग हुई है। 2019 में यहां 60.86 फीसदी वोटिंग हुई थी। खगड़िया में इस बार 58.20 फीसदी वोटिंग हुई है, जबकि पिछले चुनाव में यहां 57.68 फीसदी की वोटिंग हुई थी।

गिरिराज सिंह के पक्ष में करेंगे जनसभा को करेंगे संबोधित, निशाने पर होगा महागठबंधन

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में 13 मई को होने वाले लोकसभा के चुनाव को लेकर बड़े नेताओं का दौरा काफी तेज हो गया है। आज एनडीए प्रत्याशी गिरिराज सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आ रहे हैं। नितिन गडकरी दोपहर 2:00 बजे मटिहानी विधानसभा क्षेत्र के बागडोव उच्च विद्यालय के मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। सभा को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं प्रत्याशी गिरिराज सिंह सहित एनडीए के कई अन्य प्रदेश स्तरीय नेता भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। अधिक से अधिक भीड़ जुटाने के लिए भाजपा सहित एनडीए के सभी घटक दलों ने व्यापक तैयारी की है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिला प्रशासन के अधिकारी भी लगातार नजर बनाए हुए हैं।

साइबर फ्रॉड : हिमाचल प्रदेश में स्टेशन डायरी पर ही रिफंड हो जा रही ठगी की रकम, बिहार में वही मॉडल अपनाने की तैयारी

पटना, एजेंसी। बिहार में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जब पुलिस खाते से निकाली गई रकम को होल्ड करा भी देती है तो पीड़ितों को रिफंड के लिए थाने से कोर्ट-कचहरी तक का चक्कर लगाना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश में स्टेशन डायरी या एनसीआपी पोर्टल पर शिकायत के बाद पुलिस की कार्रवाई की रिपोर्ट कोर्ट में जमा होने के बाद रकम रिफंड की जा रही है।

हिमाचलप्रदेश हाईकोर्ट ने इसी साल मार्च में आदेश दिया है कि राज्य के सभी सिविल और सेशन जज थाने में दर्ज केस डायरी या एनसीआरपी में की गई शिकायत और पुलिस की कार्रवाई की रिपोर्ट मिलने के बाद बैंक को रकम रिफंड करने का निर्देश दें। बिहार में ऐसा क्यों नहीं

हो रहा है इधर सूत्रों के अनुसार, ईओयू ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए उसी मॉडल को अपनाने की अनुमति विधि विभाग से मांगी है। विधि विभाग से अनुमति मिलने के बाद पटना हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की भी मुहर लगनी जरूरी है।

साइबर ठगी होने के बाद पीड़ित 1930 पर कॉल करते हैं या एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हैं। इस अवधि में साइबर अपराधी के खाते में जितना पैसा बचा रहता है उसे होल्ड कर दिया जाता है। आंकड़ों की मानें तो 44 साइबर थानों के क्षेत्राधिकार वाले मामलों में पिछले तीन माह में 10 करोड़ 50 लाख 16 हजार रुपए होल्ड कराए गए। लेकिन नौ थानों ने ही कुल मिलाकर 11 लाख 59 हजार 502 रुपए रिफंड कराए। पिछले तीन माह में पटना साइबर थाना की पुलिस ने 2 करोड़ 67 लाख 83 हजार रुपए होल्ड कराए पर केवल 99 हजार 550 रुपए ही पीड़ितों को रिफंड हुए।

अभी बिहार में एक तो ठगी की अपेक्षा होल्ड रकम कम होती है, वहीं उसमें से बहुत कम रिफंड होता है। पीड़ित रिफंड के लिए परेशान रहते हैं। खास बात यह है कि जिन लोगों के 5 -10 हजार निकल गए हैं, रिफंड के लिए कोर्ट का चक्कर लगाना पड़ता है। इसी में 5 हजार से अधिक खर्च हो जाते हैं।

बेतिया, मोतिहारी में तेज आंधी के साथ बारिश, पूरे बिहार में अलर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार के कई जिलों में मंगलवार को हुई बारिश के बाद लोगों की गर्मी से राहत मिली है। बेतिया, मोतिहारी में तेज आंधी के साथ बुधवार को झमाझम बारिश हुई। यहां कल से ही बादल छाए हुए हैं। इसके अलावा मोतिहारी में भी सुबह-सुबह हल्की बारिश हुई। प्रदेश के कई जिलों में सुबह से बादल छाए हुए हैं।

मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक, कई जिलों में बुधवार को बारिश, मेघगर्जन और आकाशीय बिजली के साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी चंपारण में 15.2, पूर्वी चंपारण में 18.3, मुजफ्फरपुर में 0.9 और सीतामढ़ी में 1 मिलीमीटर बारिश हुई।

इससे पहले राजधानी पटना समेत बिहार के कई जिलों में मंगलवार को तेज बारिश हुई। तेज बारिश, वज्रपात और ठंडी हवा से लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस दौरान पटना के कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे लोगों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।वहीं, गया में तीन जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। 10 घायल बताए जा रहे हैं। मंगलवार को पटना, गोपालगंज, मोतिहारी, बेतिया, सीतामढ़ी, शिवहर, बेगूसराय, गया, भागलपुर और बगहा में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। दिन में रात सा नजारा देखने को मिला।

बागेश्वर धाम से बेटी को लाकर मोतिहारी में हत्या:बोरी में ईंट रखकर बॉडी भरी, नदी में फेंका

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में 27 अप्रैल को मिली लड़की की संदिग्ध हालत में मौत का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, ये एक ऑनर किलिंग का मामला है। परिवार कुछ दिन पहले उसे मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम से लेकर आया था। घरवालों ने प्रेम-प्रसंग में उसकी हत्या की है। इस मामले में पुलिस ने मृतका के भाई, पिता और जीजा को आरोपी बनाया है।

पहले आरोपियों की तरफ से बताया गया था कि युवती ने सुसाइड किया है। पुलिस ने सख्ती से इसकी जांच की तो आरोपियों ने पूरी कहानी बताई। तीनों आरोपियों ने कहा- हम लोग डर गए थे। फंसने के डर से उसे बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया था। लाश ऊपर ना आए इसलिए बोरी में ईंटें भी रखीं, लेकिन इसी ईंट से पुलिस ने पूरा केस सुलझाया। पढ़िए प्यार में घर वालों ने कैसे दी मौत की सजा और पुलिस किस क्लू से कातिल को ढूंढ पाई। दरअसल, बीजधरी ओपी क्षेत्र के सत्तरघाट पुल के पाया नंबर-13 के पास से 27 अप्रैल को एक बोरे से लड़की का शव बरामद किया गया था। उस समय लड़की की पहचान नहीं हुई थी। अगले दिन यानी की 28 अप्रैल को केसरिया थाना के चौकीदारों ने उसकी पहचान की। बताया कि यह वही लड़की है, जिसे हम लोग मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम से बरामद कर लाए थे। इसके बाद थाने में रखी फोटो से उसकी मिलान की गई। लड़की की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के सुबैया गांव निवासी प्रधुमण दास की बेटी काजल कुमारी(22) के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच तेज की और मोबाइल सीडीआर और टावर डंपिंग की मदद से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि काजल के पिता प्रधुमण दास ने केसरिया थाने में 17 मार्च को एक आवेदन दिया था। इसमें उसने अपनी बेटी काजल कुमारी को भगाकर ले जाने का आरोप गांव के सागर कुमार पर लगाया था। आवेदन के आधार पर केस दर्ज करते हुए लड़की की बरामदगी के लिए पुलिस छापेमारी शुरू कर दी। इस दौरान पता चला कि वह बागेश्वर धाम में है। पुलिस मध्यप्रदेश के बागेश्वरी धाम पहुंची। लड़की को वहां से बरामद किया गया। पुलिस मोतिहारी लेकर आई इसके बाद कोर्ट में 164 का बयान करा कर 24 मार्च को परिजन को सौंप दिया गया।

पप्पू सिंह को दस साल की जेल, 25 हजार का जुर्माना भी; इस मामले में कोर्ट ने सुनवाई सजा

भागलपुर, एजेंसी। सन्हौला थानाक्षेत्र में 17 अप्रैल, 2018 में शादी की नीयत से किशोरी का अपहरण कर उसका यौन शोषण करने मामले में कुख्यात पप्पू सिंह को दस साल की सजा सुनाई गई है। विशेष पाक्सो न्यायाधीश लवकुश कुमार ने सोमवार को केस की सुनवाई पूरी करते हुए पप्पू सिंह को दस साल की सजा सुनाई है।

अभियुक्त को 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी देने का आदेश दिया है। अर्थदंड नहीं देने की सूरत में छह माह की अतिरिक्त सजा उसे काटनी होगी।

विशेष न्यायाधीश ने पीड़ित सहायता कोष से पीड़िता को तीन लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का निर्देश जिला विधिक सेवा प्राधिकार को दिया है। सरकार की तरफ से विशेष लोक अभियोजक नरेश प्रसाद राम और जयकरण गुप्ता ने बहस में भाग लिया।

मालूम हो कि सन्हौला थानाक्षेत्र निवासी पिता ने सन्हौला थाने में पप्पू सिंह के विरुद्ध केस दर्ज कराते हुए पुलिस को जानकारी दी थी कि उसकी पत्नी की मृत्यु हो जाने के बाद से पुत्री ननिहाल में ही रहती थी। 17 अप्रैल, 2018 को शादी की नीयत से पप्पू सिंह ने उसकी बेटी को अगवा कर लिया। उसे रांची ले जाकर किराये के मकान में रखा और उसका यौन शोषण करता रहा। उससे मंदिर में जबरन शादी भी रचा ली थी।

दर्ज केस में पप्पू सिंह के अलावा बुत्तो देवी, रवि सिंह और नीलेश सिंह को भी आरोपित बनाया गया था।

महिला की सिर कटी लाश मिली, शरीर पर नहीं थे कपड़े, जमुई में पहचान के लिए सिर ढूंढने में जुटी पुलिस

जमुई, एजेंसी। जमुई में महिला की सिर कटी लाश मिली है। आधे शरीर पर कपड़े नहीं थे। आशंका जताई जा रही है कि रेप के बाद उसकी हत्या की गई है। लोगों का कहना है कि कहीं और रेप कर के हत्या की गई है। पहचान छिपाने के लिए शव को पुल के नीचे लाकर फेंका गया है। महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस उसका सिर ढूंढने में जुटी है। मामला जमुई-लखीसराय मुख्य मार्ग का है। जहां मंगलवार देर रात अंबा गांव में पुल के नीचे ये शव मिला है।

टाउन थाने की पुलिस ने शव को कब्जे ले लिया है। सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। पुलिस आसपास के लोगों और थाने से महिला के बारे में जानकारी

जुटा रही है। बताया जाता है कि मंगलवार की शाम अंबा गांव स्थित पुलिया के नीचे एक महिला का शव होने की जानकारी स्थानीय लोगों ने टाउन थाने की पुलिस को दी थी। बदबू आने से घटना की जानकारी लोगों को हुई थी। इसके बाद पुलिस देर शाम पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

साथ ही पुलिस उसके सिर का पता लगाने की कोशिश में जुट गई है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल से शराब और पानी का बोतल भी मिली है। महिला का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। शव देखने से लग रहा है कि महिला की हत्या 2 से 3 दिन पहले हुई होगी। बताया जाता है कि शव अर्धनग्न अवस्था में मिलने के कारण स्थानीय लोगों को शक है कि दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की गई हो। पूरे मामले को लेकर सदर एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर टाउन थानाध्यक्ष अरुण कुमार पहुंच गए थे। पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। जबकि टाउन थानाअध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि अंबा गांव स्थित पुलिया के नीचे से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है। अब तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। शव को कब्जे में लेकर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पटना के पुराने म्यूजियम में लगी आग, अंदर काम कर रहे मजदूरों को बाहर निकाला गया, गंगा गैलरी को नुकसान

पटना, एजेंसी। पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र के निर्माणाधीन म्यूजियम में भीषण आग लग गई। चारों तरफ धुआं भर गया। इस वजह से अग्निशमन विभाग के कर्मियों को भी आग पर काबू पाने में मुश्किल आई। मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंची तब जाकर डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। वहीं, आग बुझाने के लिए शीशा तोड़ने और हाथ में लग जाने से दो कर्मी जख्मी हो गए।संरक्षित सामानों को भारी नुकसान पहुंचा है। अंदर ढेर सारी लकड़ी रखी गई थी। फाइबर के सामान भी रखे थे। अंदर में 12 से 13 मजदूर मौजूद थे। धुआं भरने के बाद मजदूर एक-एक कर के बाहर निकला गया। म्यूजियम के अंदर गंगा गैलरी को नुकसान पहुंचा है। वहीं, आईजी सुनील कुमार ने बताया कि बिल्डिंग अंडर कंस्ट्रक्शन है। आग बुझाने में मूर्तियों की वजह से कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

म्यूजियम के डायरेक्टर राहुल कुमार ने कहा है कि पटना म्यूजियम में न्यू गैलरी का निर्माण हुआ है। अंदर फाइबर

का काम चल रहा था। इसी दौरान किसी डिफॉल्ट की वजह से आग लग गई। जान-माल की क्षति नहीं हुई है। वहीं, डीएसपी विधि व्यवस्था कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि 11:42 में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया।

जिला अग्निशमन पदाधिकारी मनोज कुमार नट ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। 11:42 में आग लागी थी। 25 गाड़ी आई थी। आग पर काबू पाने में लगभग 1:30 घंटे का समय लगा। बता दें कि आग कट्टर मशीन से निकलने वाली चिंगारी से लगी थी। अंदर में पराली (पुआल) भी थी और उसमें आग लग गई। आग बुझाने के दौरान कांच के शीशे तोड़ने पड़े। पिछले हिस्से तक अग्निशमन की गाड़ी रास्ता नहीं होने की वजह से नहीं पहुंच पाई। पानी टैंक को दूर खड़ा कर पानी को आग लगने वाली जगह अंडर कंस्ट्रक्शन गंगा गैलरी तक पहुंचा गया है। इस दौरान काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

इधर, चितकोहरा पुल पर टायर फटने से एक टैंकर में आग लग गई। तुरंत फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। फौरन फायर ब्रिगेड की 3 गाडियां मौके पर पहुंची। आग को समय रहते बुझा लिया गया।

छपरा में आज से पीजी सेकेंड-थर्ड सेमिस्ट का एग्जाम, 30 मिनट पहले करना होगा रिपोर्टिंग

छपरा, एजेंसी। जयप्रकाश विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर सेकेंड सेमेस्टर और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा बुधवार से शुरू होगी। विवि प्रशासन ने परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली है। दोनों सेमेस्टर के एग्जाम मल्टीपल एग्जामिनेशन हॉल जे पी यू कैंपस में आयोजित होंगे।

परीक्षा 8 मई से 14 मई तक आयोजित होगी। सेकेंड सेमेस्टर का एग्जाम प्रथम पाली में और तृतीय सेमेस्टर का एग्जाम द्वितीय पाली में आयोजित की जाएगी। प्रैक्टिकल एग्जाम 22 से 30 मई के बीच में संबंधित विभाग में आयोजित होगी।इसको लेकर विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी तरह की तैयारी पूरी कर ली गई है। पहली बार एक साथ दो पालियों का परीक्षा आयोजित किया जा रहा है।जेपी यूनिवर्सिटी के परिसर में बने मल्टीपल एग्जाम सेंटर में पहली बार परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसके सभी छात्रों को अपने नियत समय से 30 मिनट पहले रिपोर्टिंग करना है। परीक्षा नियंत्रक डॉ दिलीप कुमार ने बताया कि शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा आयोजित कराने को लेकर गाइडलाइन जारी किया गया है।केंद्राधीक्षक को विशेष निर्देश दिया गया है।

वाहनों की पार्किंग गांधी मैदान में होगी-पटना साहिब व पाटलिपुत्र लोकसभा सीट के लिए नामांकन शुरू

पटना, एजेंसी। पटना साहिब और पाटलिपुत्र लोकसभा सीट के लिए मंगलवार से नामांकन शुरू हो गया। यह 14 मई तक चलेगा। हिंदी भवन स्थित समाहरणालय में पहले दिन पाटलिपुत्र लोकसभा सीट के लिए हमारा सहारा पार्टी से कुणाल कुमार ने नामांकन दाखिल किया। पटना साहिब सीट के लिए कोई नामांकन नहीं हुआ। डीएम शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन होगा। नामांकन के लिए आने वाले उम्मीदवारों की सुविधा के लिए अलग-अलग हेल्प डेस्क बनाई गई है। इधर, सदर एसडीओ ने समाहरणालय परिसर के 200 मीटर की परिधि में धारा-144 लागू की है।

14 जून तक हिंदी भवन स्थित समाहरणालय इलाके को जाम मुक्त रखने के लिए ट्रैफिक में बदलाव किया गया है। नामांकन में आने वाले वाहनों की पार्किंग गांधी मैदान में होगी, जो गेट नंबर-12 से जाएंगी। उम्मीदवारों के तीन वाहनों को 100 मीटर की परिधि में प्रवेश मिलेगा।

हिंदी भवन में नामांकन अवधि तक आम लोगों का प्रवेश रोक दिया गया। इससे जिला प्रशासन के दफ्तर में काम कराने आनेवालों को परेशानी हुई। सुबह में आए लोगों को दोपहर होने का इंतजार करना पड़ा।

जिले में अबतक 6077 लोगों पर आईपीसी की धारा 107 के तहत कार्रवाई की गई है। गुंडा रजिस्टर में 237 लोगों का नाम दर्ज किया गया है।

फुलवारीशरीफ में स्वास्थ्य केंद्र की बाहरी दीवार गिरी, बाल-बाल बचे कई कर्मचारी, एंबुलेंस को हुआ नुकसान

पटना, एजेंसी। पटना के फुलवारी शरीफ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अस्पताल की बाहरी दीवार मंगलवार की देर शाम गिर पड़ी। अस्पताल के बाहरी दीवार गिरते ही कर्मचारियों के बीच भगदड़ मच गई। बाद में अस्पताल के कर्मचारियों ने इसकी सूचना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी को दी।

दीवार के गिरते ही अस्पताल में लगी बोर्ड, कई गमले और बाहर लगे एम्बुलेंस डैमेज हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर आरके चौधरी ने बताया कि एजेंसी को इसकी सूचना दे दी गई है। 2 वर्ष पूर्व भी भी इसकी बाहरी दीवार आंधी-पानी से गिर पड़ी थी।

फुलवारी शरीफ में चार मंजिल का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण पूर्ण होने के बाद इसे 2018 में हैंड ओवर किया गया था। इसका निर्माण बिहार सरकार के बीएमएसआईसीआईएल एजेंसी की ओर से किया गया था। इसके निर्माण में करीब 6:50 करोड़ की लागत आई थी। इस मामले को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर आरके चौधरी से बात करने पर उन्होंने बताया कि दो वर्ष पहले भी अस्पताल के बाहरी दीवार का कुछ हिस्सा गिर पड़ा था। इसकी सूचना एजेंसी को दी गई थी।

एजेंसी की ओर से इसकी मरम्मत कराई गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार की शाम आंधी, पानी के कारण अस्पताल के बाहरी दीवार का एक हिस्सा अचानक गिर पड़ा। रात होने के कारण वहां कोई भी अस्पताल कर्मचारी नहीं थे, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया है। इससे पहले भी अस्पताल के अंदर के कई छज्जा डैमेज हो चुका हैं। निर्माण के बाद से 6 वर्ष गुजरने के बावजूद भी अस्पताल में लगे लिफ्ट अभी तक चालू नहीं हो सका है।

भाजपा कार्यालय मे मीडिया प्रभारी की कार्यशाला आयोजित की गई

धनबाद । भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला कार्यालय में महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय की अध्यक्षता में मीडिया प्रभारी की कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यशाला को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी धनबाद लोकसभा के प्रभारी सुरेश साव ने कहा कि सांगठनिक कार्य हो या चुनावी कार्य मीडिया प्रभारी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। आप सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की योजनाओं और उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। आज मीडिया सिर्फ प्रिंट और इलेक्ट्रानिक से आगे निकलकर सोशल मीडिया तक पहुंच गया है। इन तमाम माध्यमों का संगठन के मजबूती के लिए कार्य करें। आप सभी मीडिया प्रभारी तमाम आधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए पार्टी की रीति नीति और

उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। लोकसभा प्रत्याशी के साथ-साथ, भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं का लोकसभा क्षेत्र में कार्यक्रम चल रहा है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यों को, धनबाद लोकसभा क्षेत्र के अपने प्रत्याशी के कार्यों को,अपने सांसद और विधायक के कार्यों को, संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। कार्यशाला में बोलते हुए लोकसभा संयोजक सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि पार्टी की मीडिया टीम में जगह बनाकर जिले का कार्यकर्ता भी प्रगति कर सकता है। इसलिए राजनीति में आगे बढ़ने का यह अच्छा प्लेटफार्म है। मीडिया प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में हो रहे पार्टी के कार्यक्रमों और प्रत्याशी के कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचने का कार्य करें। धनबाद जिला महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कार्यशाला में उपस्थित आए मीडिया प्रभारियों को टेलीविजन और प्रिंट मीडिया के अलावा तमाम दूसरे माध्यमों का प्रयोग पार्टी हित में करने को कहा। ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने कहा कि मीडिया प्रभारी संगठन की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। इस अवसर पर जिला महानगर उपाध्यक्ष मानस प्रसून तथा धनबाद लोकसभा सोशल मीडिया प्रभारी विक्रांत उपाध्याय ने भी मीडिया प्रभारी के बीच अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन धनबाद जिला महानगर मीडिया प्रभारी मिल्टन पार्थ सारथी तथा धन्यवाद ज्ञापन सह मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर मुन्ना ने किया। इस अवसर पर महानगर जिला उपाध्यक्ष संजय झा,ओबीसी मोर्चा के धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष शैलेश सिंह चंद्रवंशी,रति रंजन गिरि,बप्पी बाउरी, मौसम सिंह,अरविंद खत्री,अनिल शर्मा, बॉबी पांडे,गुड्डू वर्मा,शिवांश श्रीवास्तव, दीपक गुप्ता,अजय वर्मा,अनूप,अजय कुमार,अजय कांत सिन्हा,बबलू भगत,सुधीर पासवान, सुनील साव,कौशल वर्मा,भोला सेन मोदक,विजय रजक,संजय मुखर्जी, अजय,आला पाल सहित अन्य उपस्थिति थे।

सतगावां में भारतीय जनता पार्टी के चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा संसदीय क्षेत्र के कोडरमा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सतगावां प्रखण्ड के बासोडीह बाजार में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया । उद्घाटन कोडरमा जिला भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अनुप जोशी पुर्व मुखिया चन्दिका प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। उद्घाटन समारोह को मुख्य रूप जिला अध्यक्ष अनुप जोशी , चुनाव प्रभारी अभिमन्यु प्रसाद , सांसद प्रतिनिधि विनोद यादव विधायक प्रतिनिधि धन्नजय यादव सुबोध कुमार सिन्हा सतगावां प्रखण्ड प्रमुख प्रतिनिधि रामावतार चौधरी उप प्रमुख मनोज कुमार निराला सांसद प्रतिनिधि थाना अनिल कुमार बालमुकुंद सिंह, मनोज भगत पुरुषोत्तम सिंह बब्बू सिंह सेवा निवृत्त शिक्षक चन्द्रिका प्रसाद यादव मोहम्मद नईम उद्दीन कौशल सिंह रोहित दुबके आजसू के प्रखण्ड युवा अध्यक्ष पंकज कुमार गुप्ता युवा प्रखण्ड अध्यक्ष विनय कुमार वैध सुधीर सिंह, राकेश सिंह सिकन्दर यादव ब्यास कुमार यादव रामबालक राजवंशी विकास पाण्डेय कृष्ण कान्त वर्णवाल बाबू लाल राजवंशी अरविन्द कुमार यादव संतोष यादव मोहम्मद जुबरैल कंचन कुमारी नरेश राय वगैरह ने विचार व्यक्त किये ?। मौके पर सतगावां प्रखण्ड भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे ?।

सतगावां में बज्रपात से एक व्यक्ति की मौत

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

सतगावां थाना क्षेत्र के पंचायत मरचोई गाँव में गोनरडीह बज्रपात होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई मृतक का नाम संजय राजवंशी उम्र 40 वर्ष पिता जागो राजवंशी । बज्रपात से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सतगावां लाया गया जहां स्थिति गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा रेफ़र किया गया । इसी क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक अपने पीछे विधवा पत्नी के अलावा पांच बेटियां और एक बेटा को छोड़ गया। उल्लेखनीय रहे कि मृतक ही एक मात्र कमाऊ व्यक्ति था।इस परिवार पर विपत्ति का पहाड़ टुट पड़ा है। ग्रामीणो ने सरकार से मुवाजे की मांग की है।

दो दिवसीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम 10, 11 मई को

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया । भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर 10 मई प्रातः 10 बजे से 11 मई को प्रातः 10 बजे तक जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन माहुरी धर्मशाला,गौरी शंकर मुहल्ला में किया गया है। उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के जिलाध्यक्ष अनूप जोशी ने बताया कि इस कार्यक्रम में हवन,पूजन एवं अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन होगा।साथ ही उन्होंने सभी सनातन धर्मप्रेमियों से आग्रह किया है कि इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनावें एवं प्रसाद ग्रहण कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

वर्ल्ड रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर आर्यन हॉस्पिटल मे रक्तदान शिविर का आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया वर्ल्ड रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर आर्यन हॉस्पिटल में डॉक्टर प्रवीण कुमार के द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें जिसमें विनोद कुमार सिंह सुल्तान खान अंजनी कुमार सहाय सौरभ कुमार शुभम विश्वास ने रक्तदान किया । रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन अजीत बरनवाल ने कहा 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस डे हेनरी डोनेट की जयंती पर मानते हैं इन्हें नोबेल पुरस्कार भी दिया गया था यह एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है। डॉक्टर प्रवीण कुमार ने कहा की 8 मई को रेड क्रॉसदिवस पर एक छोटा सा अस्पताल में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया था, ब्लड देने से शरीर फिल्टर होता है अधिक से अधिक लोगों को ब्लड देना चाहिए। जिसमें मुख्य रूप से रेड क्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष मुन्ना सुल्तानिया दिनेश कुशवाहा अरविंद सेठ आनंद सामंता गणेश स्वर्णकार उपस्थित थे साथ ही आर्यन हॉस्पिटल के स्टाफ अमित कुमार सूरज कुमार सिद्धार्थ कुमार मुन्ना सिंह एंबुलेशन ड्राइवर का सराहनीय कार्य रहा।

चुनाव में हर दल हुए रेस,इंडिया गठबंधन प्रत्याशी विनोद सिंह ने किया जनसंपर्क

बरकट्ठा – इंडिया गठबंधन के कोडरमा लोकसभा प्रत्याशी विधायक विनोद सिंह ने प्रखंड के 12 पंचायतों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने बेड़ोकला, तुईयो, कपका, गंगपाचो के पंचफेड़ी, गैयपहाड़ी, तुर्कबाद, बरकनगांगो, गैंड़ा, झुरझुरी, कोनहारा खुर्द, सलैया, बरकट्ठा में जनसंपर्क अभियान के तहत संविधान बचाने देश मे तानाशाही शासनकाल को हटाने, बेरोजगारी, पलायन रोकने को लेकर भाकपा माले के तीन तारा में वोट करने की अपील की। वहीं अभियान में पूर्व विधायक और झामुमो नेता जानकी यादव ने भाजपा के कथनी करनी और भ्रष्टाचारी को साथ मिलने के खिलाफ विनोद सिंह को अपना कीमती वोट देकर विजयी बनाने की अपील मतदाताओं से की। जनसंपर्क अभियान में उपप्रमुख सुरजी देवी, कांग्रेस पार्टी के नेता डॉ प्रकाश कुमार, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, झामुमो ने यासीन खान, सीपीआई नेता आनंद पांडेय, माले के विस प्रभारी भुवनेश्वर केवट, अंचल सचिव शेर मोहम्मद, कलीम खान समेत दर्जनों लोग शामिल थे।

विहिप ने शत प्रतिशत मतदान के लिए लोगो से किया आग्रह

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया। विश्व हिंदू परिषद कोडरमा जिला के नगर इकाई द्वारा बैठक वार्ड नंबर-23 मे नगर सह मंत्री लाल बहादुर चौधरी के आवास पर संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अरविंद एकघरा तथा संचालन नगर मंत्री बिनय सिन्हा ने किया।बैठक में मुख्य रूप से विभाग गौ रक्षा प्रमुख अजय कुमार वर्मा उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए श्री वर्मा ने बताया कि प्रांत और केंद्र के निर्देशानुसार आगामी 12 मई से 19 मई 2024 तक सीता नवमी महोत्सव का कार्यक्रम मनाया जाएगा।

इसलिए झुमरी तिलैया नगर में भी मातृशक्ति और दुर्गावाहिनी बहनो के नेतृत्त्व मे अधिक से अधिक स्थानों पर मनाने का आग्रह किया। साथ ही साथ श्री वर्मा ने उपस्थित लोगो से आग्रह किया कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए राष्ट्रहित मे मतदान प्रतिशत अधिक करने के लिए मतदाताओं से संपर्क करने हेतु छोटी-छोटी टोली बनाकर बैठक करे। और लोगो से शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करें।झुमरी तिलैया नगर मातृशक्ति संजोजिका प्रभा देवी ने उपस्थित लोगो को आश्वस्त किया कि नगर में अधिक से अधिक संख्या मे सीतानवमी महोत्सव मनाई जाएगी।अपने संबोधन में नगर अध्यक्ष अरविंद

एकघरा और नगर मंत्री बिनय सिन्हा ने संयुक्त रूप से लोगो से आग्रह किया कि सभी कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षण वर्ग करनी ही चाहिए। तभी वे परिपक्व और प्रशिक्षित कार्यकर्ता बनेंगे।झारखंड प्रांत मे भी विश्व हिंदू परिषद प्रत्येक वर्ष वर्ग लगाती हैं। जिसमे पुरे प्रांत के सभी जिलों से कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस वर्ष गिरिडीह जिला के पारसनाथ मे परिषद का वर्ग 06 जून से 15 जून तक और बजरंग दल का वर्ग उसी स्थान पर 08 जून से 15 जून तक लगेगा। साथ ही साथ गुमला मे मातृशक्ति और दुर्गावाहिनी का वर्ग 10 जून से 15 जून 2024 तक आयोजित होगी। इसके लिए झुमरी तिलैया नगर के सभी पदाधिकारिओ और कार्यकर्ताओं से भी आग्रह किया गया कि अधिक से अधिक संख्या मे प्रशिक्षण वर्ग में जाकर प्रशिक्षित कार्यकर्ता बने। बैठक मे झुमरी तिलैया नगर सह मंत्री लाल बहादुर चौधरी, नगर विशेष संपर्क प्रमुख मनोज राणा, नगर मातृशक्ति संजोजिका प्रभा देवी के साथ साथ दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला अल्पसंख्यक मोर्चा की हुई बैठक संपन्न

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा 8 मई 2024 को भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यालय सुभाष चौक में की गई। बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अरशद खान ने किया व संचालन जावेद मस्तान ने की , इस बैठक में समाजसेवी गुल्लू जिलानी भी मौजूद थे, बैठक में मुस्लिम समाज के लोगों ने कोडरमा की नेता वह भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी को विजयी बनाने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए अरशद खान ने कहा मुस्लिम समाज के लोग अब जागरुक हो गए हैं उन्हें पता है उन्हें इस चुनाव में क्या करना है, हम किसी के बंधुआ मजदूर नहीं इंडिया गठबंधन मुसलमान को सिर्फ वोट की नजरिया से वह इस्तेमाल करना जानती है। देश हित में हम मुसलमान को देश के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कंधे से कंधे मिलाकर देश के हित में काम करने की आवश्यकता है, बैठक को संबोधित करते हुए समाज सेवी गुल्लू जिलानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश हित में काम कर रही है उन्होंने मुस्लिम समाज के लोगों से कोडरमा की नेता अन्नपूर्णा के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा वोट करने को कहा बैठक में मुख्य रूप से सफीक अंसारी सागर मंसूरी गुलाम सरवर अख्तर अशरफ मोहम्मद असलम मोहम्मद शकील रजाक अंसारी अनु सिद्दीकी परवेज सिद्दीकी मिस्टर आलम इकबाल मजहर खान मोहम्मद शाहिद मोहम्मद इसराइल मिनहाज अंसारी रियाज मंसूरी फुरकान खान माजिद हुसैन मोहम्मद हामिद बिट्टू सिद्दीकी आदि लोग उपस्थित हुए।

भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा तेतरियाड़ीह देवी मंदिर परिसर में ग्रामीणों के साथ किया गया बैठक

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

डोमचांच प्रखंड अंतर्गत वार्ड नंबर ग्यारह में राजेश सिंह की अध्यक्षता में बूथ नंबर 259 एवं 260 की एक आवश्यक बैठक की गई जिसमें बूथ सशक्तिकरण को लेकर चर्चा हुई जिसमे सभी ने सर्व सम्मति से केंद्र में फिर से मोदी सरकार बनाने का संकल्प लिया साथ ही लोगो ने आश्वासन दिया कि अबकी बार 400 पार का नारा साबित करके दिखाना है लोगों ने कहा कि हम लोगों ने यह निश्चय किया है की फिर से मोदी सरकार को प्रधानमंत्री बनाना है। पहले मतदान फिर जलपान 20 तारीख को हम सभी लोग एक मत होकर वोट देकर मोदी सरकार को फिर से दिल्ली में प्रधानमंत्री बनाएंगे ,बैठक में पूर्व नगर अध्यक्ष प्रभाकर लाल रावत, शिसीर सिंह, रविंद्र पंडित, नरेंद्र सिंह, उमेश सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, शशि भूषण मेहता, आनंद पंडित, बद्री यादव ,अनिल पंडित, आनंद मेहता, मुन्ना राणा ,सकलदेव सिंह, अवधेश सिंह, सिकंदर सिंह, संतोष सिंह, श्री पांडे, अजीत कुमार, ओमप्रकाश पोद्दार, निशिकांत दीक्षित ,जगदीश पंडित, तालो यादव, गणेश पंडित, जय सिंह आदि सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

डीएवी सीनियर विंग में श्री अरविंदो की 150 वीं जयंती मनाई गई

हजारीबाग – स्थानीय डीएवी कैनरी हिल हजारीबाग में श्री अरबिंदो की 150 वीं जयंती मनाने के लिए और उनकी शिक्षाओं के बारे में बच्चों में जागरूकता जागने के लिए श्री अरबिंदो और द मदर के आकांक्षी लोगों के एक समूह को 8 मई 2024 को कैनरी हिल डीएवी हजारीबाग में आमंत्रित किया गया था। इस पहल का नाम जन्मभूमि से तपोवन को इगर टू फोर्ज अहेड संगठन द्वारा आगे बढ़ाया गया है और इसे शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के कौशल एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त है। सत्र में जीवन का सच्चा उद्देश्य, एकात्म शिक्षा, राष्ट्रीयता एवं आध्यात्मिकता तथा मानवता का भविष्य जैसे विषयों को समूह के सदस्यों द्वारा रखा गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या श्रीमती कविता पाण्डेय ने आगत अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगाया जोर नेता पहुंच रहे हैं डोर टू डोर

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

जयनगर लोकसभा चुनाव में कोडरमा सीट से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी की जीत सुनिश्चित करने को लेकर भाजपा के सभी कार्यकर्ता सभी जगह में संपर्क कर रहे हैं इस कड़कती धूप में भी भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए लोग डोर टू डोर जाकर आगामी चुनाव 20 तारीख को एक का वोट देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत के लिए मसौंधा, नईटाड, रघुनियाडीह खरपुका, बेहराडीह, बीरोगायं ,सभी क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए दिखे। जिसके लिए जनसंपर्क अभियान परसाबाद मंडल अध्यक्ष विजय कुमार राणा,की अध्यक्षता में क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जनसंपर्क अभियान में साथ चल रहे परसाबाद मंडल महामंत्री महेश रजक, उपाध्यक्ष विजय पंडित, जिला परिषद सदस्य सह बरकट्ठा विधानसभा सहसंयोजक केदारनाथ यादव के नेतृत्व में चलाया गया। सभी क्षेत्रों में सभी गांव में में जनसंपर्क किया गया और केंद्र में फिर से मोदी सरकार बनाने का लोगों से अपील किया गया। लोगों के बीच में केंद्र सरकार के द्वारा गरीबों के हित के लिए योजनाओं का संचालन किया गया । जन जन तक

पहुंचाने का काम किया गया ।

लोगों ने आश्वासन दिया कि अबकी बार 400 पर का नारा साबित करके दिखाना है लोगों ने कहा कि हम लोगों ने निश्चय किया है की फिर से मोदी सरकार को प्रधानमंत्री बनाना है। पहले मतदान फिर जलपान 20 तारीख को हम सभी लोग एक मत होकर वोट देकर मोदी सरकार को फिर से दिल्ली में प्रधानमंत्री बनाना है।जनसंपर्क अभियान में भाजपा जिला उपाध्यक्ष बिंदेश्वरी प्रसाद बिहारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम, भाजपा जिला मंत्री सुधीर सिंह, रिटायर्ड डीएसपी रामशरण यादव, मनोज दास, राम लखन यादव, चंदन पासवान, पंचायत समिति सदस्य धनेश्वर राणा, रामजीलाल मोदी, कैलाश लाल बरनवाल, खीरु साव, महावीर यादव, महेश जसवाल, बबुनी साव, लक्ष्मण पंडित ,रामचंद्र महतो, प्रेम कुमार, भाजपा के सभी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

लड़की की शादी के लिए जन सहयोग फाउंडेशन ने की आर्थिक मदद

धनबाद । महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर एवं शिक्षा,स्वास्थ् की दिशा में लगातार कार्य कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमेटी के संस्थापक सह सचिव अमल दास के निर्देशानुसार धनबाद जिला के विभिन्न क्षेत्रों में चार गरीब लड़कियों के शादी में सहयोग किया गया जैसे मुनीडीह बस्ती के तीरथ बाउरी के दो पुत्री पायल कुमारी और खुशबू कुमारी, नगरीकला तेतुलमारी निवासी दिलीप कुंभकार के पुत्री गंगा कुमारी और तोपचाची प्रखंड के भुइयाँ चितरो निवासी ताजमुल अंसारी के पुत्री सबाना खातून की शादी में सहयोग हेतु तीन तीन हजार के चेक लड़की के माता पिता के हाथो ग्रामीणों के उपस्थिति में चेक सोपा गया। वहा उपस्थित सभी गाव वालो को बताते हुए अमल दास जी ने बताया कि संस्था 2019 से चंदनकियारी के एक सुदूर गांव पोलकिरी से सुरु करते हुए आज झारखण्ड के लगभग सभी जिलों के साथ साथ बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़,बंगाल में भी संस्था

कार्य कर रही है। संस्था स्वास्थ्य मिशन परियोजना के तहत हरेक पंचायत के हरेक घर को सर्वे कराकर निशुल्क दवा वितरण करने के काम करने जा रही , इसे हमारे देश में बीमारी खत्म हो सकता है,क्युकी आज के समय में गरीब लोगों की बीमारी के इलाज कराने में बहुत कठिनाई होता है, इसे देखते हुए संस्था निशुल्क दवा हर घर पहुंचना संस्था के अहम भूमिका निभा रही है । संस्था के संस्थापक अमल दास ने बताया कि संस्था की मुख्य उद्देश्य है गरीब बच्चो की पढ़ाई में सहयोग कर उनको शिक्षा की रोशनी में जोड़ने का काम कर रही है ताकि पठन पाठन सामग्री के कारण कोई भी गरीब बच्चा पढ़ने में असमर्थ ना हो, इसे देखते हुए संस्था हरेक वार्ड स्तर पर एक एक बाल शिक्षा केंद्र खोला जा रहा है ताकि गरिबो को बच्चा सही और अच्छा शिक्षा प्राप्त कर सके । आगे बताया कि संस्था की ओर से महिलाओं को पापड़, मोमबत्ती, अगरबत्ती, सिलाई कढ़ाई, ब्यूटीशियन, नेपकिन पैड, अचार, मेहदी डिजाइन, सर्फ साबुन बनाना आदि के प्रशिक्षण दिए जाते हैं जिस महिला अपने आप में आत्मनिर्भर बन सके। संस्था नारी मिशन परियोजना, फोटो परियोजना,संस्था गरीब लड़कियों की शादी में सहयोग करते आ रही है ये बहुत ही कबीले तारीफ है । मौके पर एसोसिएट नेहा देवी, खुर्शीद अंसारी, संजोती कुमारी के अलावे आस पास के ग्रामीण लोग उपस्थित थे।

डिप्टी एसपी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने के यूपी सरकार के फैसले को हाईकोर्ट ने किया खारिज

प्रयागराज, एजेंसी। डिप्टी एसपी रतन कुमार यादव को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने का प्रदेश सरकार के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने डिप्टी एसपी को तीन सप्ताह के भीतर सेवा में वापस लेने और उसके सभी बकाया वेतन और भत्तों का भुगतान करने का निर्देश दिया है। रतन कुमार यादव की ओर से दायर की गई याचिका पर न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया आदेश दिया।

याची का कहना था कि उसे सरकारी कार्य, कर्तव्यपालन में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। साथ ही दो इंक्रीमेंट 5 वर्ष के लिए रोकने और सर्विस रिकॉर्ड में दो परिनिंदा प्रविष्टि के आदेश दिए गए। स्क्रीनिंग कमेटी ने 7 नवंबर 2019 को याची की अनिवार्य सेवानिवृत्ति को मंजूरी दे दी। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याची को 11 जुलाई 2016 को पुलिस उपाधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया और

18 जुलाई 2016 को जमानिया, जिला गाजीपुर में तैनात किया गया था।

याची को वर्ष 1998 में सब इंस्पेक्टर के पद पर रहते हुए मुन्ना बजरंगी गैंग से मुठभेड़ में एक-47 से 5 गोलियां लगी थी। ठीक होने के बाद उसे इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति दी गई। बाद में वह डिप्टी एसपी के पद पर प्रोन्नत हुआ। उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति मेडल भी मिल चुका है। स्क्रीनिंग कमेटी ने इन तथ्यों पर गौर किए बिना अनिवार्य सेवानिवृत्ति का आदेश पारित किया। कोर्ट ने कहा कि अनिवार्य सेवानिवृत्ति का आदेश पारित करते समय याची का व्यक्तिगत सर्विस रिकॉर्ड नहीं देखा गया। कोर्ट ने 7 नवंबर 2019 को अनिवार्य सेवानिवृत्ति का आदेश रद्द करते हुए याची को तीन सप्ताह के भीतर सेवा में पुनः ज्वाइन करने और 6 सप्ताह के भीतर उसके सभी बकाया वेतन व भत्तों का भुगतान करने का निर्देश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

ताज में गर्मी से 10 सैलानी हुए बीमार; केरल, गुजरात, बंगाल से आए थे घूमने

आगरा , एजेंसी। प्रदेश में सबसे गर्म रहे आगरा में ताजमहल का दीदार करने आए 10 सैलानी बीमार हो गए। 44.5 डिग्री सेल्सियस तापमान में ताजमहल के मुख्य गुंबद और सेंट्रल टैंक के बीच तेज धूप में पर्यटकों की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें प्राथमिक उपचार देना पड़ा। मंगलवार को ताजमहल में चेन्नई से आए पलानिवेल, गुजरात से आए महेंद्र सिंह, अजित सिंह, देवबा लक्ष्मणजी, सुमन की तबीयत खराब हुई तो केरल से आई अन्ना मारिया, केएस मनिकल, मैसूर की रेशमा परवीन और मदीहा बेग को चक्कर आ गए।

उन्हें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के कर्मचारियों ने ओआरएस और ठंडा पानी पिलाया और डिस्पेंसरी ले जाकर प्राथमिक चिकित्सा दिलाई। ताजमहल में दहकते संगमरमर के कारण एक महीने में 350 से ज्यादा पर्यटकों की तबीयत खराब हो चुकी है, जिन्हें उपचार दिया गया है।

कक्षा दो की छात्रा से अश्लील हरकत करने पर ग्रामीणों का विद्यालय पर हंगामा

प्रयागराज, एजेंसी। सरायइनायत थाना क्षेत्र के डुडुही गांव में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक पर कक्षा दो की छात्रा से अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है। इसको लेकर ग्रामीणों ने विद्यालय पर हंगामा किया। विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने गेट का ताला खुलवाया। आरोपी शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर गांव के लोगों ने थाने का घेराव कर दिया।

ग्रामीणों का आरोप प्राथमिक विद्यालय डुडुही में कार्यरत एक शिक्षक साल भर से कक्षा दो की छात्रा पर बुरी नजर रखता था। वह अक्सर उसके साथ अश्लील हरकतें करता था। चार दिन पहले बच्ची ने घर वालों को इसकी जानकारी दी तो वह सन्न रह गए। शिक्षक की करतूत जानकर ग्रामीणों में भी आक्रोश फैल गया। बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण विद्यालय पहुंचकर हंगामा करने लगे। आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्यालय के गेट पर ताला लगा दिया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों को समझा बुझाकर गेट का ताला खुलवाया। इसके बाद ग्रामीण सरायइनायत थाने पहुंच गए और आरोपी शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। घटना की जानकारी विभाग के अधिकारियों को भी दी गई है।

कार की टक्कर से नहर में गिरी महिला, दूसरे दिन मिला शव, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

बरेली , एजेंसी। बरेली के भुता थाना क्षेत्र में इटोरिया-जलालपुर गांव के समीप कार की टक्कर से नहर में गिरी महिला का मंगलवार को दूसरे दिन शव मिल गया। बाइक से पति के साथ जा रही महिला और तीन साल की बेटी नहर में गिर गए थे। बच्ची का शव सोमवार को ही मिल गया था। वहीं महिला के पिता ने साजिश के तहत हत्या करने का आरोप लगाया है।

पीलीभीत के बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव गंगोरा निवासी मिश्लेयार खां सोमवार को पत्नी गुलसुम (30) व तीन वर्षीय बच्ची नूर फातिमा के साथ बाइक से भुता थाना क्षेत्र के गांव मिर्जापुर रिश्तेदारी में गए थे। वहां से क्योलड़िया अपनी पत्नी की दवाई दिलाने जा रहे थे। तभी कार की चपेट में आ गए। इसमें उनकी बच्ची की नहर में गिरकर मौत हो गई थी। पत्नी का शव मंगलवार को नहर में उतराता हुआ मिला। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतका के पिता केसर का कहना है कि पिछले पांच वर्ष पूर्व गांव के ही मिश्लेयार खां से उनकी बेटी की शादी हुई थी।

अफसरों और विधायक ने नहीं सुनी तो लोगों ने सड़क पर गड्ढे में लगी दी केले की पौध

पीलीभीत, एजेंसी। पीलीभीत-माधोटांडा मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। जिनकी वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं और वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने संबंधित विभाग व विधायक से भी शिकायत की लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। अब लोगों ने सुरक्षा को लेकर गड्ढों में केले की पौध लगा दी है। पीलीभीत से माधोटांडा तक 30 किलोमीटर लंबा मार्ग है। इस सड़क की हालत काफी दयनीय है। सड़क को फिर से बनाने के लिए प्रस्ताव ही भेजा जाता है, इसके बाद मामला जहां का तहां ठहर जाता है। इतना जरूर होता है कि अधिकारियों के निर्देश पर पैचवर्क का काम शुरू करा दिया जाता लेकिन इससे कई राहत नहीं मिल पाती।

गड्ढों के पास नहीं लगा संकेतक

करीब तीन माह पहले हुए पैचवर्क के बाद अब फिर यहां गड्ढे हो गए हैं। सड़क को ठीक करने के लिए लोगों ने अधिकारियों के साथ ही विधायक से भी मांग की। इसके बाद भी कुछ नहीं हो सका। यहां तक कि हादसों को रोकने के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से गड्ढों के पास कोई संकेतक भी नहीं लगाए गए। ऐसे में दो पहिया वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं।

विभाग की अनदेखी के चलते राहगीरों ने अब गसुरक्षा की दृष्टि से गड्ढों में केले की पौध को लगा दिया है। जिससे वाहन चालक दूर से पौधों को देख लें और संभल कर निकलें। गड्ढों में केले की पौध लगाने का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।

डीएम संजय कुमार सिंह ने बताया कि माधोटांडा-पीलीभीत मार्ग को लेकर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से पूछा गया है। उनको इसे ठीक कराने के लिए कहा गया है।

कांग्रेस नेता बोले- जनता भाजपा की हर चाल समझ चुकी है, महंगाई में बदल गया अच्छे दिनों का नारा

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव गुरुदीप सप्पल ने कहा है कि तीन चरणों के चुनाव में साफ हो गया है कि जनता भाजपा की हर चाल समझ गई है। भाजपा का अच्छे दिन का नारा महंगाई में बदल गया। भाजपा जम्मू में उम्मीदवार नहीं उतार पा रही है।

प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने 10 साल पहले कहा था कि बेटी बचाओ, अब कहानी मणिपुर तक पहुंच गई है। शहरों में सांस लेना मुश्किल हो गया है। सफाई प्रदूषण चरम पर है। टैक्स अब आतंक का रूप बन गया है।

मोदी ने बुलेट ट्रेन का सपना दिखाया अब उससे चलाना दूभर हो गया है। सब्सिडी खत्म कर दी गई है। हर मोर्चे पर भाजपा सरकार फेल है। देश पर कर्ज चार गुना हो गया है। 2014 से 24 में कुल कर्ज बढ़कर 205 लाख करोड़ हो गया है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में लोगों की रुचि बढ़ी है लेकिन मोदी खुद अपने भाषण में भाजपा के मेनिफेस्टो की बात नहीं कर रहे हैं। देश का उत्पादन घट रहा है इसलिए बेरोजगारी चरम पर है। ये बेरोजगार भाजपा का बोरिया बिस्तर बांध देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हर सामान चीन से मंगा रही है। यहां के कारोबार बंद कर रही है।

छात्रा से की थी हैवानियत...अब चार दोषी 25 साल रहेंगे जेल में, दोषियों पर 52-52 हजार का जुर्माना भी

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में करीब आठ साल पहले छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले चार युवकों की पूरी जवानी अब जेल में कटेगी। अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट योगेश कुमार ने चारों को 25-25 साल कैद की सजा सुनाई है। शहर में ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी पॉक्सो कोर्ट ने इतनी सजा सुनाई है। दोषियों पर 52-52 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपये क्षतिपूर्ति देने का भी आदेश दिया है। पनकी क्षेत्र निवासी कक्षा नौ की छात्रा 15 नवंबर 2016 को साइकिल से स्कूल गई थी। दोपहर एक बजे रोती हुई घर लौटी तो उसके नाना ने पूछताछ की। छात्रा ने बताया था कि स्कूल जाते समय उसे मोहल्ले के हॉस्टल में रहने वाला अंकित यादव मिला जो उसे घुमाने के बहाने रेलवे स्टेशन ले गया।

दुष्कर्म किया और धमकाकर भगा दिया

वहां उसका दोस्त जितेंद्र कुमार पहले से खड़ा था। उसकी साइकिल स्टैंड पर खड़ी कराकर दोनों प्राइवेट बस से उसे क्षेत्र के एक स्कूल के पास ले गए। वहां से पास की झाड़ियों में ले गए, जहां उसके दोस्त कल्लू, करन व विशाल मौजूद थे। सभी ने उससे दुष्कर्म किया और धमकाकर भगा दिया। इसके बाद पीड़िता के नाना ने पनकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में भेजी गई थी चार्जशीट- विशेष लोक अभियोजक भावना गुप्ता ने बताया कि विवेचना के बाद कल्याणपुर के कश्यपनगर निवासी कल्लू, बैरी अकबरपुर निवासी करन रैदास, जगतपुरी निवासी विशाल रैदास, शाहजहांपुर के सदर बाजार निवासी अंकित यादव, शिवली के नर्वल निवादा निवासी जितेंद्र कुमार के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में चार्जशीट कोर्ट भेजी गई थी।

सबूतों के अभाव में कल्लू को दोषमुक्त करार दिया- अंकित के खिलाफ एससीएसटी एक्ट का आरोप भी लगा था। अभियोजन की ओर से पीड़िता व उसके नाना-नानी समेत दस गवाह कोर्ट में पेश किए गए। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने अंकित, जितेंद्र, करन व विशाल को दोषी मानकर सजा सुनाई, जबकि सबूतों के अभाव में कल्लू को दोषमुक्त करार दिया है।

सड़क किनारे खड़े ट्रैफिक पुलिसकर्मी को ट्रक ने मारी टक्कर, पैर कटा

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर-खरखौदा मोड़ पर सड़क किनारे खड़े ट्रैफिक पुलिस के हेड कांस्टेबल बंगाली को ट्रक ने टक्कर मार दी। भागने के प्रयास के दौरान उनका पैर बुरी तरह कुचला गया। साथी पुलिसकर्मियों ने आरोपी ट्रक चालक को पकड़कर परतापुर पुलिस के हवाले कर दिया। घायल हेड कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया कि सिपाही का पैर काटना पड़ा।

मोहिउद्दीनपुर-खरखौदा मोड़ पर मंगलवार को नो एंट्री में भारी वाहनों को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिसकर्मी सड़क किनारे खड़े थे। शाम को एक ट्रक खरखौदा मोड़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान चेकिंग कर रहे ट्रैफिक हेड कांस्टेबल बंगाली ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया। ट्रक चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद चालक ट्रक को भगाने का प्रयास करने लगा और हेड कांस्टेबल के पैर को पहिए के नीचे कुचल दिया। मौके पर मौजूद टीएसआई नवरतन राठी, हेड कांस्टेबल रमेश चंद और कांस्टेबल राहुल ने तुरंत घायल बंगाली को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपी ट्रक चालक अशफाक पुत्र अब्दुल सलाम निवासी लावरमंडा थाना काजीगुंडा जिला अनंतनाग जम्मू कश्मीर को ट्रक के साथ पकड़कर परतापुर पुलिस को सौंप दिया। एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र कुमार मिश्र ने हेड कांस्टेबल रमेश की ओर से आरोपी चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। चालक को ट्रक समेत कब्जे में ले लिया गया है।

भाजपा का बस्ता लगाने पर दबंगों ने घर में घुसकर पीटा मतदान के बाद घर पर बेटे का जन्मदिन मना रहा था परिवार

फिरोजाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में भाजपा का बस्ता लगाने पर युवक के परिवारीजनों को दबंगों ने घर में घुसकर पीटा। मतदान के बाद बच्चे का जन्मदिन मनाने के दौरान दबंग घर पहुंचे। युवक की पत्नी और बेटे को पीटकर घायल कर दिया। इनको देररात जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले में जन्मदिन मनाने के दौरान मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।

घटना नसीरपुर थाना क्षेत्र के नानेमऊ गांव की है। गांव में नरेंद्र सिंह भाजपा नेता हरिओम यादव के समर्थक हैं। इसलिए उसे पोलिंग बूथ पर भाजपा का बस्ता लगाने की जिम्मेदारी दी गई थी। दिनभर चुनाव सम्पन्न होने के बाद रात नरेंद्र अपने परिवार के बच्चे का जन्मदिन मना रहा था। इसी दौरान सपा समर्थको ने उसके परिवार पर हमला कर दिया। समर्थकों ने लाठी डंडे से जमकर पीटा।

मारपीट की घटना में नरेंद्र, उसकी पत्नी गुड्डी देवी, बेटा ऋषभ घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची नसीरपुर पुलिस ने घायलों को शिकोहाबाद जिला सयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां दोनों का उपचार चल रहा है। इंस्पेक्टर शेर सिंह का कहना है कि जन्मदिन मनाने के दौरान शराब पीकर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई है। भाजपा का बस्ता लगाने पर मारपीट करने जैसा कोई मामला नहीं है।

जिंदगी अनमोल है: पिता को जीवन भर का दर्द दे गई बेटी, पशुबाड़े के पास पेड़ से लटका मिला शव

फतेहपुर , एजेंसी। फतेहपुर जिले में होनहार बेटी की मौत पिता को जीवन भर न भूल सकने वाला दर्द दे गई। होनहार बेटी हमेशा स्कूल में अव्वल रहती थी। अचानक ऐसा क्या हुआ कि बेटी ने फंदा लगाने जैसा कदम उठा लिया। ये सवाल पिता को हमेशा कचोटता रहेगा।

जाफरगंज के गांव पांडेयपुर निवासी योगेंद्र सिंह की पुत्री साक्षी देवी पढ़ाई में तेज थी। पिता ने बताया कि बेटी का दाखिला फिरोजपुर स्थित कृष्णा इंटर कॉलेज में कराया था। साक्षी ने स्कूल में नौवीं कक्षा में भी टॉप किया था। उसे स्कूल में सम्मानित भी किया गया।

साक्षी ने दसवीं के यूपी बोर्ड से परीक्षा दी। 20 अप्रैल को परिणाम घोषित हुए। उसने 95.3 प्रतिशत अंक अर्जित किए। टॉप टेन में न पहुंच पाने की चुभन बर्दाश्त नहीं कर सकी। पिता ने बताया कि बेटी ने इस संबंध में घर में भी किसी से कोई बात नहीं की, वरना उसे समझाते।

होनहार छात्रा ने पशुबाड़े के पास पेड़ से लगाया फंदा- जाफरगंज कस्बे में यूपी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में स्कूल टॉपर से तीन अंक कम आने से अवसाद में चल रही छात्रा ने सोमवार रात फंदा लगाकर जान दे दी। छात्रा ने परीक्षा में 600 में 572 अंक अर्जित किए थे, जबकि टॉपर के 575 अंक थे। परिजनों ने मंगलवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

स्कूल टॉपर से कम थे तीन नंबर- थाना क्षेत्र के ग्राम पांडेयपुर निवासी योगेंद्र सिंह की पुत्री साक्षी देवी (16) फिरोजपुर स्थित कृष्णा इंटर कॉलेज में 10वीं की छात्रा थी। बोर्ड परीक्षा में साक्षी ने 95.3 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। 95.8 प्रतिशत अंक स्कूल के टॉपर के आए थे। अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने पर विद्यालय में साक्षी को सम्मानित किया गया था।

परिणाम से संतुष्ट नहीं थी साक्षी- परिजनों ने बताया कि साक्षी अपने परिणाम से संतुष्ट नहीं थी और गुमसुम रहने लगी थी। साक्षी ने सोमवार रात नौ बजे घर के पशुबाड़े के पास पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। सुबह पशुबाड़े के पास पहुंची मां राम देवी ने फंदे से बेटी का शव लटकते देखा। छात्रा के पिता पेशे से किसान हैं।

माता-पिता के साथ शिक्षक का अहम रोल- मनोचिकित्सक डॉ. प्रशांत अग्रवाल कहते हैं कि बच्चे हताशा में ऐसे कदम उठा लेते हैं। ऐसे में परीक्षा से पहले ही माता-पिता को बच्चे को अच्छी तरह समझाना चाहिए कि परीक्षा में कम नंबर आने से जिंदगी खत्म नहीं होती है। अपने बच्चे की बेहतर परिणाम प्राप्त करने वाले बच्चों से तुलना नहीं करनी चाहिए। उनसे इस तरह की बातें करने पर नकारात्मकता बढ़ती है।

बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए

शिक्षक भी अमूमन अच्छे अंक प्राप्त करने वाले बच्चों पर ही झुकाव दिखाते हैं और अन्य पर हीन भावना जैसे भाव प्रकट करते हैं। शिक्षकों को कमजोर बच्चों को बढ़ावा देकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे बच्चों को महसूस होने लगता है कि उन्हें सपोर्ट करने के लिए कोई है। माता-पिता को पहले स्वयं बच्चों के सामने कम मोबाइल प्रयोग करना चाहिए, फिर उन्हें दूर रहने की सलाह देनी चाहिए।

असफलता के लिए भी बच्चे को मानसिक रूप से रखें तैयार

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के डॉ. धनंजय चौधरी, विभागाध्यक्ष (मनोरोग) कहते हैं कि मां-बच्चे पर अपनी अपेक्षाएं ही न थोपें, बल्कि उन्हें असफलता का मुकाबला करने के लिए भी सक्षम बनाएं। असफलता का आशय यह है कि अगर परीक्षा में अपेक्षित अंक न आएं, कम हो जाएं तो वह आत्महत्या जैसे कदम न उठाएं।

संपादकीय

चुनाव से पहले उम्मीदवारों का आना-जाना

राजनीतिक दलों में लोकतांत्रिक वातावरण होना अच्छी बात मानी जाती है, ताकि किसी भी सदस्य को अगर किसी बात पर एतराज हो तो वह उसे जाहिर कर सके। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि कोई पार्टी अपने भीतर अनुशासन बनाना ही बंद कर दे। चलते चुनाव के बीच जिस तरह कांग्रेस के नेता बगावत करते और दूसरे दलों का दामन थामते देखे जा रहे हैं, उसे कांग्रेस बेशक पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र बता कर खुद अपनी पीठ थपथपाने की कोशिश करे, पर हकीकत यही है कि इससे उसमें अनुशासन की कमी जाहिर होती है। कुछ दिनों पहले गुजरात में सूरत सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार ने जानबूझ कर अपना पर्चा भरने में गड़बड़ी की, जिसके चलते उसका पर्चा निरस्त हो गया और भाजपा का प्रत्याशी निर्विरोध चुन लिया गया। अब इंदौर सीट से उम्मीदवार ने नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। एक दिन पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से अरविंदर सिंह लवली ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि चुनाव प्रभारी उनकी बात नहीं सुनते। लवली ने पार्टी नेतृत्व पर भी कई आरोप लगाए हैं। हालांकि इन तीनों मामलों में भाजपा के दबाव और सांठगांठ की बातें भी की जा रही हैं, मगर इससे कांग्रेस की अनुशासनात्मक ढिलाई और अपने नेताओं को संभाल कर रख पाने में नाकामी छिप नहीं जाती। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में नेता कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो गए। उनमें कई वरिष्ठ नेता भी थे। यह ठीक है कि कई नेताओं को जब कांग्रेस में अपना भविष्य नजर नहीं आया, तो उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। कुछ के बारे में कहा जाता है कि वे अपने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई से बचने के लिए सत्तापक्ष की तरफ चले गए। मगर इससे कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल तो उठते ही हैं कि वह क्यों अपने नेताओं को संतुष्ट नहीं रख सकी। ऐसा क्या हुआ कि उसके जो नेता कल तक सिद्धांतों की दुहाई देते न थकते थे, वे अचानक विद्रोही और अवसरवादी नजर आने लगेअरविंदर सिंह लवली कउनका असंतोष अचानक फूट पड़ा और वे कांग्रेस के खिलाफ विष-वमन करने लगे। किसी भी पार्टी को ताकत इस बात से मिलती है कि उसके नेता और कार्यकर्ता कितने प्रतिबद्ध हैं। उन्हें कोई जिम्मेदारी मिलती है या नहीं मिलती, उन्हें चुनाव का टिकट मिलता है या नहीं मिलता, वे चुप रह कर पार्टी नेतृत्व का फैसला स्वीकार कर लेते और अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए निष्ठा और एकजुटता का परिचय देते हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो बनाने में युवा हो रहा बर्बाद

अपनी दिलचस्पी या फिर खुशी के लिए कुछ अलग करने का शौक सामान्य तौर पर सकारात्मक माना जाता है। मगर इस तरह के शौक में कोई अपना विवेक या सूझ-बूझ की क्षमता ही खो दे, तो यह न सिर्फ एक बेमानी चलन की भेड़चाल में शामिल होना है, बल्कि जानलेवा जोखिम को न्योता देना भी है। जब से स्मार्टफोन के साथ हर हाथ में कैमरा पहुंचा है, तब से काफी लोगों के भीतर एक विचित्र-सी मनोदशा का विकास होता देखा जा सकता है, जिसमें वे मौके-बेमौके बिना किसी मायने के अपनी तस्वीरें उतारते रहते हैं। इसका विस्तार सोशल मीडिया पर खुद को अभिव्यक्त करने के रूप में हुआ और हर वक्त अपनी तस्वीर या फिर वीडियो बना कर प्रसारित कर देना मानो किसी जरूरी काम की तरह देखा जाने लगा। विडंबना यह है कि इस शौक ने विवेक को जिस बुरी तरह प्रभावित किया, उसका खमियाजा केवल आपसी व्यवहारों के स्तर पर नहीं उठाना पड़ा, बल्कि इस वजह से मौत की घटनाएं भी बढ़ती गई हैं। आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि सोशल मीडिया पर रील के आकर्षण में वीडियो बनाने की कोशिश में हादसे का शिकार होकर किसी युवा की जान चली गई। ये नाहक और बिना किसी कारण के होने वाली मौतें हैं, जिनके पीछे महज विवेकशून्य होकर अपने किसी शौक को पूरा करने की भूख मुख्य वजह है। हरिद्वार में बुधवार को बीस वर्ष की एक छात्रा ने रेल की पटरी पर रील बनाने की कोशिश की और उसी समय आई ट्रेन की चपेट में आ गई। उसकी जान चली गई। जिस बच्ची को अभी पढ़ाई-लिखाई करनी थी, खेलना-कूदना था और भविष्य बेहतर बनाने के सपने देखने थे, वह सिर्फ रील बनाने के शौक में मारी गई।

आर्थिक क्षेत्र में नित नए विश्व रिकार्ड बनाता भारत

इसी प्रकार, पीएम आवास योजना के अंतर्गत, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं एवं सौभाग्य योजना के अंतर्गत देश भर में 2.8 करोड़ घरों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। विश्व भर के सबसे बड़े सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना- के अंतर्गत 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक एवं तृतीयक देखभाल एवं अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है।

(प्रह्लाद सबनानी)

आज भारत आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक मंच पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। वैश्विक स्तर पर विदेशी प्रेषण के मामले में आज भारत प्रेषण प्राप्तकर्ता के रूप में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। भारत में आज सबसे बड़ा सिंक्रोनाईजड बिजली ग्रिड है। दिनांक 1 मई 2024 को अप्रेल 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण से सम्बंधित जानकारी जारी की गई है। हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि माह अप्रेल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। आज भारत आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक मंच पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। वैश्विक स्तर पर विदेशी प्रेषण के मामले में आज भारत प्रेषण प्राप्तकर्ता के रूप में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। भारत में आज सबसे बड़ा सिंक्रोनाईजड बिजली ग्रिड है। बैंकिंग क्षेत्र में वास्तविक समय लेनदेन की सबसे बड़ी संख्या आज भारत में ही सम्पन्न हो रही है। भारत आज विश्व में दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश है एवं भारत आज पूरे विश्व में मोबाइल फोन का निर्माण करने वाला दूसरा सबसे बड़ा निर्माता बन गया है। भारत में आज विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेट्वर्क है। मात्रा की दृष्टि से भारत में आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा फार्मासीयूटिकल उद्योग है। भारत में आज पूरे विश्व में तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेट्वर्क है। भारत ने स्टार्टअप को विकसित करने के उद्देश्य से विश्व का तीसरा सबसे बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा कर लिया है। भारत का स्टॉक बाजार, पूंजीकरण के मामले में, विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत में आज विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेट्वर्क है। विश्व में पैटेंट हेतु आवेदन किए जाने वाले देशों में भारत आज छठे स्थान पर आ गया है। आर्थिक क्षेत्र में भारत को यह सभी उपलब्धियां पिछले 10 वर्षों के दौरान प्राप्त हुई हैं। पिछले केवल 10 वर्षों के दौरान शेयर बाजार में निवेशकों को अपार सफलता हासिल हुई है और सेन्सेक्स ने 200 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज की है, इसी प्रकार निफ्टी भी इसी अवधि में 206 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज करने में सफल रहा है। यह स्थानीय एवं विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर अपना विश्वास जता रहा है। भारत में शेयर बाजार में व्यवहार करने के उद्देश्य से खोले जाने वाले डीमेट खातों की संख्या वर्ष 2014 में 2.2 करोड़ थी जो वर्ष 2024 में बढ़कर 15.13 करोड़ हो गई है अर्थात इन 10 वर्षों में 7 गुणा से अधिक की वृद्धि दर अर्जित की गई है। देश का प्रत्येक उद्यमी/उपक्रमी/व्यवसायी बहुत उत्साह में है कि देश में व्यापार करने हेतु वातावरण में बहुत सुधार हुआ है एवं ईज आफ डूइंग बिजनेस में काफी सुधार हुआ है। आज भारत ही नहीं बल्कि भारतीय कम्पनियों द्वारा विदेश में भी पूंजी उगाहना बहुत आसान हो गया है। अतः एक प्रकार से उद्यमियों के लिए पूंजी की समस्या तो नहीं के बराबर रह गई है। भारतीय नागरिकों में आज स्व का भाव जगाने में भी कामयाबी मिली है, जिसके चलते स्वदेश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग बढ़ रहा है एवं अन्य देशों से विभिन्न उत्पादों के आयात कम हो रहे हैं। इसके चलते भारत के विदेशी व्यापार घाटे में सुधार दृष्टिगोचर है। आज भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में मामूली वृद्धि दर्ज हो रही है तो कई उत्पादों के आयात में कमी दिखाई देने लगी है। इसे भारतीय नागरिकों के आत्म निर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम के रूप में देखा जा सकता है। फरवरी 2024 माह में भारत का व्यापारिक निर्यात 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 4140 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया, जो पिछले 20 महीनों में उच्चतम स्तर पर है। इसके अतिरिक्त, सेवा निर्यात 3210 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। फरवरी 2024 माह में माल एवं सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 7355 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो फरवर 2023 की तुलना में 14.2 प्रतिशत अधिक है। इसी कारण से, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी आज 64,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। आज भारतीय नागरिकों ने सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हुए भारत को विकसित एवं मजबूत बनाने के लिए अपने कदम आगे बढ़ा लिए हैं। आज भारत में प्रत्येक नागरिक का औसत जीवन वर्ष 2022 के 62.7 वर्ष से बढ़कर 67.7 वर्ष हो गया है। यह भारत में लगातार हो रही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के चलते ही सम्भव हो सका है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रतिवेदन के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में पिछले 12 महीनों के दौरान 6.3 प्रतिशत की वृद्ध दर्ज हुई है। इसी प्रकार, एक सर्वे के अनुसार, आज भारत में 36 प्रतिशत कम्पनियां आगामी 3 माह में नई भर्तियां करने पर गम्भीरता से विचार कर रही हैं, इससे भारत में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते दिखाई दे रहे हैं। गरीब वर्ग को भी केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाये जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके एक बढ़ा मील का पत्थर हासिल कर लिया है। लगभग 4 वर्षों के भीतर मिशन ने 2019 में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर 14.50 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा दिया गया है।

चीन की मिलिट्री तैयारी से भारत को क्यों है खतरा, ये खबर चौंकाने वाली है

(रुचिर शुक्ला)

चीन ने करीब एक दशक में अपनी सेना का सबसे बड़ा पुनर्गठन किया है। इसमें मॉडर्न वॉर के लिए मजबूत टेक्नोलॉजी से लैस रणनीतिक फोर्स पर फोकस किया है। चीन जिस तरह से अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा वो दिल्ली में बनने वाली नई सरकार के लिए टेंशन बढ़ाने वाला है। बड़ा सवाल यही है कि लोकसभा चुनाव के बाद भारत की नई सरकार इसे लेकर क्या कदम उठाती है। क्या चीन किसी बड़ी प्लानिंग में जुटा है? ये सवाल उस समय उठे जब पड़ोसी राष्ट्र ने पिछले हफ्ते अपने देश के सशस्त्र बलों का व्यापक पुनर्गठन किया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्ट्रेटजिक सपोर्ट फोर्स को भंग करने का चौंकाने वाला फैसला लिया। इस मिलिट्री डिविजन को उन्होंने 2015 में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की अलग-अलग क्षमताओं को एक साथ लाने के लिए स्थापित किया था। इस फोर्स में स्पेस, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक और साइकोलॉजिकल वॉरफेयर शामिल थे। हालांकि, अब एसएसएफ को भंग कर इसकी जगह पर इंफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स का गठन किया गया है। ये पूरा घटनाक्रम में ऐसे समय में हो रहा जब भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। जिसमें केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी समेत सभी सियासी पार्टियां जोरआजमाइश कर रही हैं। चुनावी घमासान के बीच चीन बढ़ा रहा टेंशन! भारत में चुनावी घमासान के बीच चीन की तरफ से हो रही ये मिलिट्री तैयारी चौंकाने वाली है। चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति का सीधा असर भारत की डिफेंस प्लानिंग और सुरक्षा स्थिति पर पड़ता है। दिल्ली में मौजूद केंद्र सरकार को संभावित चीनी हमलों से रोकने के लिए अपने सैन्य आधुनिकीकरण प्रयासों में अधिक संसाधनों का निवेश करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसके लिए अन्य विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं को पीछे छोड़ने की आवश्यकता होती है। पिछले एक दशक में, भारत ने अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और उनकी कार्यकुशलता को बढ़ाने के उद्देश्य से रक्षा सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है। एक महत्वपूर्ण सुधार 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम है, जिसके जरिए स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य रक्षा उपकरणों के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और रक्षा क्षमताओं में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। जिनपिंग ने भंग की एसएसएफ , शुरू किया आईएसएफ शी जिनपिंग ने एसएसएफ को भंग कर इंफोर्मेशन सपोर्ट फोर्स शुरू किया। इसे लेकर चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि ढ्रस्त्र, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का एक नया रणनीतिक घटक है। ये नेटवर्क सूचना प्रणाली के समन्वित विकास और इस्तेमाल के लिए अहम सहयोग मुहैया कराएगा। इस नए फोर्स के आने से अब पीएलए में चार प्राइमरी ब्रांच हो गई हैं। इसमें ग्राउंड फोर्स, नौसेना बल, वायु सेना और रॉकेट फोर्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अब चार सहायक इकाइयां हैं, जिसमें एसएसएफ से मिले तीन डिवीजन और ज्वाइंट लॉजिस्टिक सपोर्ट फोर्स शामिल हैं। चीन के सैन्य बदलाव की क्या हैं वजहें चीन में किए जा रहे रणनीतिक सैन्य बदलाव के पीछे कई वजहें मानी जा रही है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और उभरती हुई तकनीक का इस्तेमाल अहम है। जानकारी के मुताबिक, पिछले साल पीएलए में व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के बाद शी जिनपिंग को फोर्स में इस पुनर्गठन का फैसला लेना पड़ा। ऐसा इसलिए क्योंकि उस कार्रवाई के दौरान कई प्रभावशाली जनरल फंसे थे। रॉकेट फोर्स के भीतर महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा किया गया। वैसे गौर करें तो पिछले एक दशक में, बीजिंग ने अपनी सैन्य क्षमताओं का व्यापक आधुनिकीकरण किया है। इसका लक्ष्य पीएलए को एक ऐसी शक्ति में बदलना है जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम हो। इसके लिए चीन उन्नत हथियार, इंस्ट्रूमेंट, एयरक्राफ्ट कैरियर, आगली पीढ़ी के फाइटर जेट, मॉडर्न बैलिस्टिक-क्रूज मिसाइल को अपने बेड़े में शामिल कर रहा। उसका उद्देश्य चीनी सेना को मजबूती प्रदान करने पर है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5364

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5363

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

आज का राशिफल

मेष

आज आर्थिक लाभ का दिन है और आज आपको विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी। आपके धन में वृद्धि होगी और आपके लिए भौतिक विकास के योग अच्छे हैं। आज आपके लिए शुभ योग बन रहे हैं। रात में आपकी कोई डील फाइनल हो चुकी है। आप मंगल उत्सव में शामिल होंगे। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

वृष

आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी स्थान की यात्रा पर जाने के बारे में सोच सकते हैं। कानूनी विवाद में सफलता प्राप्त होगी और आप स्थान परिवर्तन के बारे में सोच सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम में वृद्धि होगी और भाग्य साथ देगा। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन होने से मन प्रसन्न होगा।

मिथुन

आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो आपको बड़ा लाभ होगा। रोजमर्रा के काम से परे कुछ नए काम में हाथ डालेंगे तो आपको लाभ होगा। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है।

कर्क

आज का दिन आर्थिक मामलों में सामान्य है। साझे में व्यापार करने से आपको लाभ होगा और नए कार्य पूर्ण होंगे। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखे।

सिंह

आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने के बारे में सोच सकते हैं तो आपको लाभ होगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने से आपको लाभ होगा।

कन्या

आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आज आपको अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत है। खान पान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोचसमझकर करें।

तुला

आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आपका दिन बीतेगा। आज जो काम आपको सबसे प्रिय है वह करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी। अपने से सीनियर का सहयोग पाने का प्रयास करें।

वृश्चिक

आज भाग्य का साथ मिलेगा और आज का दिन आपके लिए काफी व्यस्त रखने वाला है। आपको आज पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके काम में रुकावट डाल सकते हैं। रात का वक्त मांगलिक कार्य में बीतेगा। आपको कहीं यात्रा पर जाने के मौके मिल सकते हैं।

मकर

आज आपस में बातचीत में सावधानी रखने की जरूरत है। वरना आस पास के लोगों से टकराव की नौबत आ सकती है। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात के वक्त स्थिति में और सुधार होगा और आप हर काम ईमानदारी से करेंगे।

कुंभ

आज का दिन लाभकारक है और आपके कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रॉजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे। आपको इन सबसे बचते हुए अपने काम पर फोकस करने की जरूरत है। काम पर ध्यान दें तो सब आसानी से हो जाएगा।

धनु

आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उसका फल आपको उसी वक्त मिल जाएगा। आज आपके अधूरे काम निपट जाएंगे और ऑफिस में जरूरी चर्चाएं होंगी। ऑफिस में आपके काम करने के लिए अनूकूल माहौल रहेगा। आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे। रात में कहीं सामाजिक कार्यक्रम में जा सकते हैं।

मीन

आज का दिन आपके लिए काफी मजबूत होगा। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे, इसलिए कार्य करते रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनन्द उठाएं तो आपको फायदा होगा। नौकरी और व्यापार में कुछ नया करने के बारे में सोच सकते हैं तो आपको लाभ होगा। आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी।

वर्ग पहेली 5364

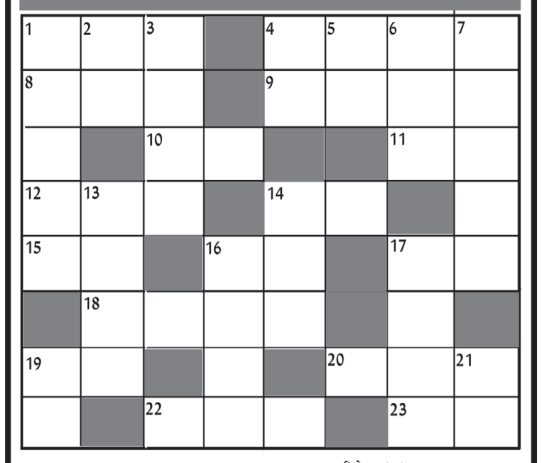

संकेत: बाएं से दाएं

1. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था है, इसका मुख्यालय यहां स्थित है (3)
4. यह संविधान निर्माण करने वाला प्रथम देश है (4)
8. वैश्वांतर दानव की चार पुत्रियों में से एक इनके पुत्रों को कालकेय और पौलोम दानव कहते है (3)
9. शक्तिशाली, ताकतवर (4)
10. पंजाब की प्रसिद्ध प्रेम-कथा का नायक (2)
11. महलोक से दो करोड़ योजन दूर यह पांचवा लोक स्थित है, जहां से मनुष्य उत्पन्न होते है, व्यक्ति (2)
12. भोजन आदि के लिए दिया गया निमंत्रण, न्योता (3)
14. मटमैले रंग की प्रसिद्ध धातु (2)
15. बल्लेबाजों का मापदंड जो क्रिकेट के लिए तय होता है (2)
16. फिल्म इंडस्ट्री में राजेश खन्ना इस नाम से भी जाने गए, पिता के भाई (2)
17. आदान करना, मद्यपान करना (4)
18. स्पर्श करना, छुने वाला, स्पर्शक (4)
19. दक्ष प्रजापति की पुत्री (2)
20. ऐ खुदा, हे प्रभु (3)
22. पाटलीपुत्र का प्राचीन नाम (3)
23. प्रेमकर्ता, झूमने का भाव (2)

ऊपर से नीचे

1. दुकान वाला, विक्रेता (5)
2. सिलवट, सकुड़न, शक्ति (2)
3. जिस शब्द के अंत ई हो (4)
4. इस समय, इस वक्त (2)
5. एकता (2)
6. रस्म, प्रथा, रीति (3)
7. किसी बात आदि को ध्यान से न सुनना (5)
13. औषधि पादप, पेड़, पौधे आदि (4)
14. इंडोनेशिया की राजधानी (3)
16. विमान में चालक की बैठने की जगह यह कहलाती है (4)
17. उधार देने वाला, ऋणद (4)
19. प्राचीनकाल की एक सवारी जिसे घोड़े खींचते थे (2)
21. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)

वर्ग पहेली 5363 का हल

सु	नी	ता	वि	लि	य	स्स	
न	म	न		या			स
व		से	व	क		रो	जा
ना	गि	न		त	म	क	ना
	र		पौ		त	ड़	
र	पत्ता	र		ल		ब	स
वा	र			ग	वा	ही	
ना			स	न	म		

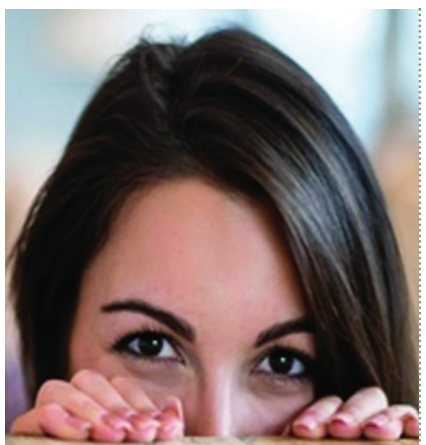

शर्मीले हैं तो इन बातों को अपनाएं

कई लोगों को लगता है कि अगर करियर में सफल होना है तो आपको एक्सट्रोवर्ट होना होगा। अगर आप इंट्रोवर्ट या यूं कहें कि शर्मीले हैं तो उनके लिए कुछ चीजें जरा कठिन हो जाती है। लेकिन इसका मतलब नहीं है कि इंट्रोवर्ट होने के कारण आप करियर में सफल नहीं हो सकते। आपको अपने इस स्वभाव को समझते हुए उस पर काम करना होगा ताकि आप सफलता की सीढ़ियां चढ़ सकें। इन 5 बातों के जरिए आप अपनी जीवन को बेहतर और कामयाब बना सकते हैं

- खुशहाल जिंदगी और एक अच्छे करियर के लिए यह जरूरी है कि आप इस बात को स्वीकार लीजिए कि आप इंट्रोवर्ट या शर्मीले किस्म के व्यक्ति हैं। इसमें कोई बुराई नहीं है और किसी से भी कम नहीं है। इंट्रोवर्ट होना आपकी कमजोरी नहीं बल्कि ताकत है।
- जो गुण आपमें हैं उसे पहचानिए, उसे निखारिए और अपने अपनाइए। आपका फोकस उस बात पर होना चाहिए कि आपमें क्या खासियत है, ना कि उस पर की आपके अंदर कौन से गुण या प्रतिभा नहीं हैं।
- करियर में सफलता के लिए आपको सबसे पहले क्षेत्र को चुनना होगा जो कि आपके स्वभाव, व्यवहार और सोच से मेल खाए। जो आपके दिल को भाता है, वह करियर चुने और यह न सोचे कि लोग क्या कहेंगे।
- इंट्रोवर्ट होना बुरी बात नहीं है लेकिन खुद को सभी से काट कर रखना गलत है। आपको अपने परिवार, दोस्तों और समाज से जुड़े रहना चाहिए। इस बात को न भूले कि आप हर काम अकेले नहीं कर सकते। आपके अंदर जो लोगों की भावनाओं को समझने का हुनर है उसे आपको अच्छे दोस्त बनाने में परेशानी नहीं होगी।
- कई बार इंट्रोवर्ट लोग एक्सट्रोवर्ट लोगों से घबराते और कतराते नजर आते हैं। एक्सट्रोवर्ट लोगों को सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनने की आदत होती है इसका मतलब ये नहीं कि आप कमतर हैं। अपने शांत स्वभाव से आप किसी को भी पीछे छोड़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग का एडवांस ब्रांच है प्रोडक्ट डिजाइनिंग

आज जहां भी नजर दौड़ाए, टेक्नोलॉजी इनोवेशंस की एक से बढ़कर एक मिसालें देखने को मिल जाती है। फिर चाहे वह कोई गैजेट हो, डिजाइनर वॉच या होम अप्लायंस। ऐसे में कई बार सोचने में आता है कि इन्हें डिजाइन कौन करता है, इनका क्रिएटर ये काम प्रोडक्ट डिजाइर्स करते हैं जो कि इमेजिनेटिव पॉवर और एस्थेटिक सेंस की बदौलत टेक्टिनकल प्रोडक्ट्स बनाते हैं। इंजीनियरिंग का एडवांस ब्रांच है प्रोडक्ट डिजाइनिंग जिसमें इन दिनों युवाओं का अच्छा रुझान देखा जा रहा है।

स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स, बच्चों के खिलौने से लेकर ड्राइंग रूम के स्टाइलिश व स्मार्ट फर्नीचर्स तक आज जहां भी नजर दौड़ाए, टेक्नोलॉजी इनोवेशंस की एक से बढ़कर एक मिसालें देखने को मिल जाती है। फरि चाहे वह कोई गैजेट हो, डिजाइनर वॉच या होम अप्लायंस। ऐसे में कई बार सोचने में आता है कि इन्हें डिजाइन कौन करता है, इनका क्रिएटर ये काम प्रोडक्ट डिजाइर्स करते हैं जो कि इमेजिनेटिव पॉवर और एस्थेटिक सेंस की बदौलत टेक्टिनकल प्रोडक्ट्स बनाते हैं। इंजीनियरिंग का एडवांस ब्रांच है प्रोडक्ट डिजाइनिंग जिसमें इन दिनों युवाओं का अच्छा रुझान देखा जा रहा है।

वर्क प्रोफाइल

प्रोडक्ट डिजाइनर्स कमर्शियल मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स के लिए आर्टिकल्स, प्रोडक्ट्स, मटीरियल्स डिजाइन करते हैं। कोई भी चीज डिजाइन करने से पहले ये उसकी विजुअल अपील और प्रैक्टिकल यूज का पूरा ध्यान रखते हैं। एक प्रोडक्ट डिजाइन को कार, होम अप्लायंस, कम्प्यूटर, मेडिकल इक्विपमेंट, ऑफिस या रिक्रिएशन इक्विपमेंट, खिलौने आदि कुछ भी डिजाइन करने पड़ सकते हैं। उन्हें मार्केट रिसर्चर्स, एडवरटाइजिंग टीम और प्रोडक्शन मैनेजस से इंटरेक्ट करने के अलावा ग्राफकि डिजाइनर्स के साथ काम करना होता है।

स्किल्स

प्रोडक्ट डिजाइनर को आर्टिस्टिक होने के साथ लॉजिकल थिंकर होना भी जरूरी है। आपके पास आउट ऑफ बॉक्स आइडियाज होंगे तो अलग पहचान बना सकेंगे। इसी तरह ऑब्जर्वेशन स्किल और विजुअल इमेजिनेशन बेहतरीन होनी चाहिए। आपको ड्रांइग के माध्यम से अपने आइडियाज को एक्सप्रेस करना, कंज्यूमर गुड्स के प्रोडक्शन और मार्केटिंग की समझ होनी चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

अगर आपके पास आर्किटेक्चर या इंजीनियरिंग में डिग्री होगी, तो आप आईआईटी से इंडस्ट्रीयल डिजाइनिंग में मास्टर्स कर सकते हैं। इससे करियर ग्रोथ अच्छी रहेगी। वैसे, साइंस स्ट्रीम से बारहवीं करने वाले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन या आईआईटी से इंडस्ट्रियल डिजाइन का कोर्स कर, प्रोडक्ट डिजाइनिंग की फील्ड में आ सकते हैं।

मार्केट में अवसर

मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स के डिजाइन डिपार्टमेंट में प्रोडक्ट डिजाइनर्स की अच्छी मांग होती है। आप इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट डिजाइनर , वॉच डिजाइनर, फुटवियर डिजाइनर, डिजिटल डिजाइनर, आदि के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा कंसलटिंग फर्म्स में जॉब की जा सकती है।

प्रमुख संस्थान

- इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर, आईआईटी बॉम्बे
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एमआईटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे

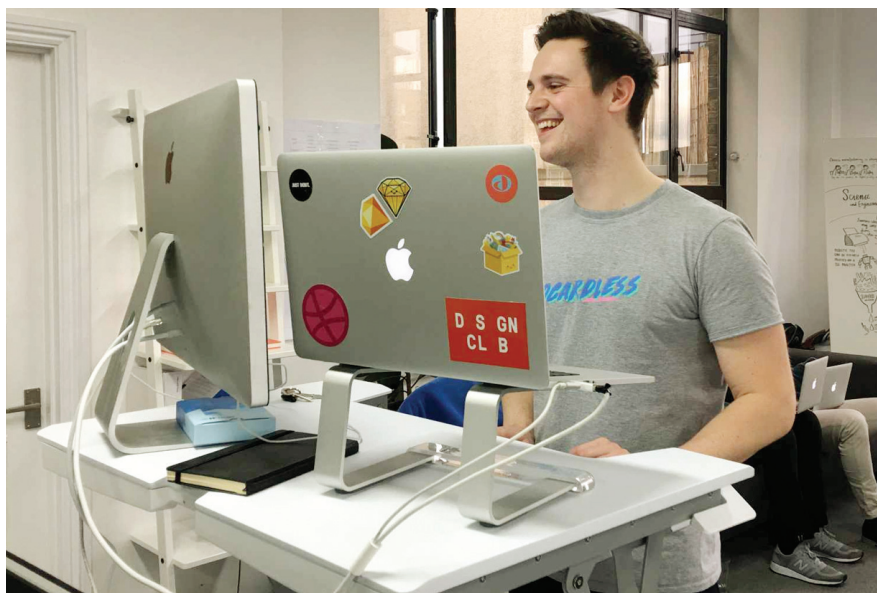

टेक्सटाइल डिजाइनर्स के लिए बढ़ी करियर की संभावनाएं

आज भी कृषि के बाद लोगों को सबसे ज्यादा रोजगार टेक्सटाइल फील्ड में मिला हुआ है। देशवासियों की बढ़ती क्रय शक्ति तथा ब्रांडेड प्रोडक्ट के प्रति बढ़ता आकर्षण इस बात का संकेत है कि टेक्सटाइल एंड गारमेंट इंडस्ट्री में आगे भी तेजी बनी रहेगी। बीते एक दशक में रिटेल सेक्टर के विकास ने भी साबित कर दिखाया है कि उपभोक्ताओं की लाइफस्टाइल और शॉपिंग ट्रैंड्स बदल गए हैं। लोग फैशन और क्वॉलिटी प्रोडक्ट को ज्यादा तरजीह देने लगे हैं। ब्रांडेड प्रोडक्ट्स और एक्सपोर्ट की डिमांड बढ़ने से इस सेक्टर को विकास करने का मौका मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 तक भारतीय टेक्सटाइल बाजार करीब दोगुना हो जाएगा। यही कारण है कि युवाओं के लिए टेक्सटाइल के सभी सबसेक्टर्स – टेक्सटाइल्स एंड अपेरल, हैंडीक्राफ्ट, सोफिस्टिकेटेड मिल, हैंडलूम, जूट और सेरिकल्चर में काम की संभावनाएं तेजी से बढ़ेंगी। इसके अलावा, सरकार द्वारा इंडिया हैंडलूम प्रमोशन जैसी योजना शुरू किए जाने और इस सेक्टर में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से भी इस क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर रोजगार में लगातार इजाफा होता रहेगा।

काम के अवसर

देश में गारमेंट, फैशन, ज्वेलरी, लगेज, एक्सेसरी, होम फर्निशिंग व इंटीरियर टेक्सटाइल का बाजार दिनो-दिन बढ़ रहा है, जहां टेक्सटाइल डिजाइनर्स के लिए ढेर सारे नए अवसर मौजूद हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स की विदेश के अलावा गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों, फैशन डिजाइनिंग एजेंसियों, एक्सपोर्ट हाउस और टेक्सटाइल रिटेल जैसी फील्ड में काफी मांग है। सरकार की मदद से चल रही खादी, जूट, सिल्क और क्राफ्ट जैसी संस्थाओं में भी डिजाइनिंग प्रोफेशनल्स के लिए अच्छे अवसर हैं। ऑटोमोटव टेक्सटाइल्स, ऑटोमोबाइल सेक्टर का एक नया उभरता क्षेत्र है, जहां मोटर निर्माण कंपनियां अपनी कारों के इंटीरियर को अपीलिंग लुक देने के लिए ऐसे डिजाइनर्स की खूब सेवाएं ले रही हैं। इसके अलावा, अगर आप टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट हैं, तो एग्रीकल्चर फील्ड में रेशम उत्पादन और कपास उत्पादन को बढ़ाने के लिए रिसर्चर की भूमिका अदा कर सकते हैं। युवा चाहें, तो डिजाइनिंग का काम पार्ट-टाइम कर सकते हैं। आप अपना खुद का बुटीक भी खोल सकते हैं। ई-कॉमर्स कंपनियों में भी क्रिएटिव लोगों को हायर किया जाता है। आप चाहें, तो ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए वेंडर भी बन सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिग्री, डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के रूप में कई कोर्स आजकल संचालित हो रहे हैं। ये कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं। ग्रेजुएशन के बाद आप पीजी डिप्लोमा भी कर सकते हैं। अगर चाहें, तो टेक्सटाइल इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक कोर्स भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली

काम आएगी अखबार पढ़ने की आदत

अखबार पढ़ने की आदत बैंकिंग परीक्षा के करंट अफेयर्स सेक्शन तथा इंग्लिश सेक्शन दोनों ही में आपकी मदद करेगी। इसमें न्यूनतम समय में उम्मीदवार की लॉजिकल रीजनिंग क्षमता तथा निर्णय क्षमता का आंकलन किया जाता है। साथ ही अपने आसपास की घटनाओं और अंगरेजी भाषा के ज्ञान की कसौटी पर भी उम्मीदवार को कसा जाता है। इसमें करंट अफेयर्स तो ऐसा विषय है, जिस पर आपकी पकड़ को रिटन टेस्ट ही नहीं, पर्सनल इंटरव्यू में भी जांचा जाता है। इसलिए बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को नियमित रूप से अखबार, मैग्जीन, वेब जर्नल, ब्लॉग आदि पढ़ने की आदत डालनी चाहिए ताकि वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली घटनाओं से अवगत रहें। अंग्रेजी अखबार, मैग्जीन आदि पढ़ने से इंग्लिश लैंग्वेज वाले सेक्शन में भी मदद मिलती है। जानते हैं फायदे नियमित अखबार पढ़ने के...।

परीक्षा के लिहाज से, पढ़ने की आदत विकसित करना बहुत जरूरी है। इससे इंग्लिश लैंग्वेज पेपर को हल करने में बहुत मदद मिलती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन व पैसेज वाले हिस्से में अच्छे अंक लाने के लिए अच्छी रीडिंग स्किल जरूरी है। इसका अभ्यास करने के लिए अखबार एक अच्छा मंच है। आप अखबार में जो भी पढ़ें, उसका अर्थ अच्छी तरह समझें और उसे एक कागज पर लिख लें। यह भी देखें कि ऐसा आपने कितने समय में किया।

सेंटेंस फॉर्मेशन की जानकार

अंग्रेजी भाषा में लिखने का कोई तयशुदा फेम नहीं है। इसमें वाक्य बिल्कुल सरल भी हो सकते हैं और बेहत जटिल भी। जो उम्मीदवार खुद को इंग्लिश में कमजोर महसूस करते हैं और इस भाषा को बस अभी-अभी समझने लगे हैं, उनके लिए इंग्लिश अखबार पढ़ना बहुत ही फायदेमंद रहेगा। अखबारों में काफी सरल वाक्य रचना होती है। इन्हें पढ़कर आप एक्टिव/पैसिव वॉइस, वर्ब्स, ग्रामर, टेन्स आदि को बेहतर समझ सकते हैं।

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय समाचार एकत्र करना

न्यूज एंड करंट अफेयर्स बैंकिंग एग्जाम्स का एक महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि जनरल नॉलेज पेपर में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय महत्व की ताजा घटनाओं से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। आपको चाहिए कि आप रोज अखबारों में महत्वपूर्ण न्यूज आइटम चिह्नित कर लें और फिर आने वाले दिनों में इनका फॉलो-अप लेते रहें।

सबसे महत्वपूर्ण समाचारों को खास तौर पर नोट करें और परीक्षा की तैयारी करते हुए इन्हें रिवाइज करते रहें।

इंटरव्यू राउंड में करंट अफेयर्स का लाभ

समसामयिक घटनाक्रम से अवगत रहना इसलिए भी जरूरी है कि पसर्नल इंटरव्यू राउंड में इंटरव्यू पैनल इसके प्रति आपकी जागरूकता की परीक्षा ले सकता है। यदि आप नियमित रूप से अखबार पढ़ते रहे हैं, तो इन घटनाओं की जानकारी आपको मुंह-जुबानी याद होगी।

बढ़ता है आत्मविश्वास

रोज अखबार पढ़ने की आदत आपके आत्मविश्वास से भी भर देती है। आपको राजनीति, अर्थतंत्र, खेल आदि विषयों की जानकारी मिलती है। इससे आप रिटन एग्जाम, पर्सनल इंटरव्यू या ग्रुप डिस्कशन का सामना भी पूरे आत्मविश्वास के साथ कर सकते हैं। जानकारी होने पर आप स्पष्टता के साथ तथ्यों का विश्लेषण भी कर सकते हैं। बैंकिंग एग्जाम क्रैक करना साल-दर-साल मुश्किल होता जा रहा है। कारण यह कि सीमित संख्या के पदों के लिए आवेदन करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसकी तैयारी के लिए बहुत परिश्रम करना पड़ता है और ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित करना पड़ता है। अखबार इस ज्ञान का बहुत ही अहम स्रोत साबित होते हैं और कई तरह से आपकी मदद करते हैं।

पहले दिन सेट पर समझ नहीं आ रहा था कि सोनाली से क्या बात करूं

पाताललोक से लेकर जाने जान और थ्री ऑफ अस जैसे हालिया वेब शोज व फिल्मों में अपनी एक्टिंग का दम दिखा चुके एक्टर जयदीप अहलावत हाल ही में आए वेब शो द ब्रोकेन न्यूज के सीजन 2 में सोनाली बेंद्रे व श्रिया पिलगावकर के साथ नजर आए। जब हमने उनसे पूछा कि आपका कैसा अनुभव रहा है? आपको क्या सीखने को मिला? इस सवाल पर जयदीप ने बताया, मेरा बतौर एक्टर ये मानना है कि अगर आप सीखने के लिए तैयार नहीं हैं तो आप कभी ग्रो नहीं कर पाओगे, आप तभी डेड हो जाते हैं। पहले दिन जब आप सोनाली बेंद्रे के साथ मिलते हैं, तो आप समझ ही नहीं पा रहे होते हैं कि आपको बात क्या करनी है। चाहे आप बाहर से बहुत कूल और कॉन्फिडेट दिखा रहे होते हैं, लेकिन अंदर से ये ही चल रहा होता है। तब ये चल रहा होता कि अगर उन्होंने कुछ बोल दिया तो क्या कहूंगा। आप उस जोन में होते हैं। लेकिन वो अपने काम को लेकर इतनी ईमानदार हैं कि वो ये इतने सालों बाद भी अपने मुंह से कह रही हैं कि मुझे कुछ सीखना है, यही चीज एक किरदार को जिंदा रखती है। वह आपके काम में झलकती है। सोनाली जी बहुत नरम स्वभाव की हैं। सोनाली बेंद्रे के साथ काम करके कैसा लगा उन्होंने आगे कहा- आपको ये समझ आ जाता है, जब वो इतने साल काम करने के बाद ऐसा कह रही होती हैं। मैंने श्रिया को काम करते हुए नहीं देखा था, बस ऑनस्क्रीन देखा है। तो मुझे पता था कि उनके साथ काम करने में मजा आएगा। क्योंकि इनके साथ पहले सीजन में सीन ही नहीं थे, लेकिन इनके साथ तो थे, वो भी अलग-अलग तरह के वेरिएशन में। तो मुझे पता था कि श्रिया में वो ईमानदारी है, जो एक ऐक्टर में दिखती है। मैं कुछ नया क्रिएट करने के लिए बहुत एक्साइटेड था।

पहले से पता थी ये बात

वहीं जब हमने जयदीप से जानना चाहा कि आपके शो का सीजन 2 आ रहा है। जब आपको पता चला तो आपका पहला रिएक्शन क्या था? इस पर उनका जवाब था, बहुत बढ़िया था, मुझे इस चीज का बहुत जल्दी पता चल गया था। पर हम इस बात पर कॉन्फिडेंट थे कि सीजन 1 जब आएगा, तो लोग लोगों को वो काफी पसंद आएगा। क्योंकि ये एक नई तरह की सीरीज थी, जो इससे पहले नहीं आई है। ये भगवान की कृपा थी कि लोगों ने उसे हाथों हाथ लिया।

जॉली एलएलबी 3 में हुई हुमा कुरैशी की कास्टिंग

फिल्म जॉली एलएलबी फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इसी बीच अब खबर है कि जॉली एलएलबी 2 में नजर आईं हुमा कुरैशी को इस फिल्म में कास्ट कर लिया गया है। साथ ही फिल्म के सेट से अक्षय की तस्वीर भी सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, हुमा कुरैशी ने फिल्म जॉली एलएलबी 3 साइन कर ली है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि हुमा जल्द ही मुंबई से अजमेर रवाना होने वाली हैं, जहां वो अपने हिस्से की शूटिंग करेंगी। बता दें कि जॉली एलएलबी 2 में हुमा कुरैशी ने पुष्पा मिश्रा का रोल प्ले किया था। अक्षय कुमार के एक फैन पेज पर फिल्म के सेट से उनका एक वीडियो शेयर किया है। सामने आए वीडियो में अक्षय शर्टलेस नजर आए हैं। माथे पर टीका लगाए और चश्मा पहने हुए अक्षय सनबाथ लेते दिख रहे हैं। बताते चलें कि फ्रैंचाइली फिल्म की तीसरी इंस्टॉलमेंट में पिछली दोनों फिल्मों के जॉली एक साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू होने के साथ ही फिल्ममेकर्स ने एक वीडियो जारी कर फिल्म का कॉन्सेप्ट दिखाया था। इस फिल्म में दोनों जॉली उर्फ जगदीश त्यागी (अरशद वारसी और अक्षय कुमार) खुद को असल जॉली साबित करने के लिए एक-दूसरे से लड़ते दिखेंगे। वीडियो में सौरभ शुक्ला भी नजर आए थे। अनाउंसमेंट वीडियो के साथ लिखा गया था, अब ऑरिजिनल कौन है और डुप्लिकेट कौन, ये तो पता नहीं। लेकिन ये बात पक्की है कि ये एक जॉली गुड राइड होगी। हमारे साथ बने रहिए, जय महाकाल। हुमा कुरैशी की कास्टिंग के बाद अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में जॉली एलएलबी-1 में नजर आईं अमृता राव भी कास्ट की जा सकती हैं।

प्रीति जिंटा ने संघर्ष की शूटिंग के दिनों को किया याद

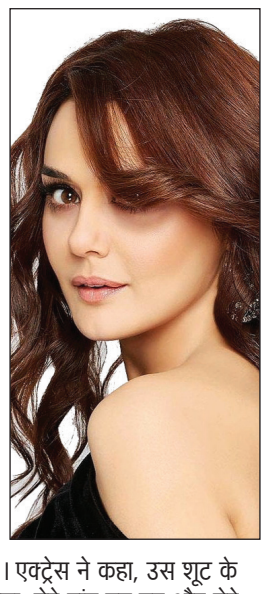

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने 1999 में रिलीज हुई फिल्म संघर्ष की शूटिंग के दिनों को याद किया। साथ ही बताया कि उन्हें विराट कोहली की कौन सी बात अच्छी लगी। एक्ट्रेस सोमवार को एक्स पर अपने फैंस के साथ क्विक चैट सेशन में शामिल हुईं। एक यूजर ने पूछा कि क्या संघर्ष मूवी में एक्टर आशुतोष राणा के दमदार एक्टिंग ने उन्हें भी डरा दिया था। एक्ट्रेस ने कहा, उस शूट के दौरान मेरा पैर टूट गया, मेरे दांत टूट गए और मेरे होंठ कट गए, इसलिए यह निश्चित रूप से मेरे लिए मुश्किल भरा शूट था। मुझे कई बार अस्पताल जाना पड़ा। फिल्म में आशुतोष बेहद अद्भुत थे। एक अन्य सवाल के जवाब में कि वह किस फिल्म का दूसरा पार्ट बनाना चाहेंगी, प्रीति ने जवाब दिया, संघर्ष निश्चित रूप से, बाकी अभी इसके बारे में नहीं सोच सकती। तनुजा चंद्रा द्वारा निर्देशित संघर्ष एक साइकोलॉजिकल हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और आशुतोष भी हैं। इसमें बाल कलाकार के रूप में आलिया भट्ट थीं।

इस दिन से शुरू होगी विजय की फिल्म दलपति 69 की शूटिंग

साउथ सुपरस्टार विजय अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म गोट- ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसके साथ ही वे अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। राजनीति में पूरी तरह से प्रवेश करने से पहले दलपति 69 अभिनेता के करियर की आखिरी फिल्म मानी जा रही है। हाल ही में फिल्म के निर्देशक से जुड़ी जानकारी सामने आई थी। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। विजय के करियर की आखिरी फिल्म माने जाने के कारण दलपति 69 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है, यही वजह है कि रिलीज से पहले ही यह फिल्म फैंस के बीच काफी उत्साह पैदा कर चुकी है। पहले आई जानकारियों के अनुसार, फिल्म की कास्टिंग, निर्देशक और अन्य महत्वपूर्ण विवरणों से संबंधित अटकलें थीं। अब फिल्म को लेकर ताजा जानकारी सामने आई है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि निर्माताओं ने दलपति 69 की पहली प्रक्रिया शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दलपति 69 के निर्माताओं ने आगामी फिल्म में सहायक अभिनेताओं की कास्टिंग के साथ-साथ स्क्रिप्ट पर काम शुरू कर दिया है। चर्चा यह भी है कि दलपति 69 भव्य परियोजना की घोषणा 22 जून, 2024 को अभिनेता विजय के 50वें जन्मदिन के लिए निर्धारित की गई है। वहीं फिल्म की शूटिंग भी जल्द शुरू होने वाले है। इस पर भी चर्चा जोरों पर है।

मैं डेली लाइफ में मेकअप फ्री रहना पसंद करती हूं

एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी ने बताया कि वह केवल काम के वक्त ही मेकअप लगाती हैं, वरना वह अपने डेली लाइफ में पूरी तरह नेचुरल रहना पसंद करती हैं। प्रियंका ने बताया, मैं हमेशा मेकअप में नहीं रहती। मैं मेकअप केवल तभी लगाती हूं जब मैं काम कर रही होती हूं। एक्ट्रेस, जिन्होंने शो उड़ारियां से तेजो सिंह विर्क के रूप में सुर्खियां बटोरीं, ने खुलासा किया कि चाहे वह एयरपोर्ट हो या मॉल या मार्केट में, वह मेकअप-फ्री रहना पसंद करती हैं। उनके पास एक ब्यूटी हैक है। उन्होंने आगे कहा, मैं बस एक काम करती हूं, मैं थोड़ी सी लिपस्टिक लगाती हूं। उस लिपस्टिक को मैं अपने गाल, माथे और पलकों पर भी लगा लेती हूं, यह ब्लश जैसा दिखता है। पूरा मेकअप ऐसे ही किया जाता है। अपनी ड्रेस चॉइस के बारे में बात करते हुए, प्रियंका ने कहा, आम तौर पर, मैं वेस्टर्न कपड़े पहनती हूं, जो मेरे लिए बहुत आरामदायक होते हैं। मुझे कुर्तियां भी बेहद पसंद हैं, वह भी बहुत आरामदायक हैं। आरामदायक कपड़े मेरा फैशन स्टेटमेंट हैं।

हाउसफुल 5 में कॉमिक टाइमिंग से गुदगुदाएंगे अभिषेक बच्चन

कुछ दिनों पहले साजिद नाडियाडवाला ने 'हाउसफुल 5' का ऐलान किया था। फिल्म में अक्षय कुमार और रितेश देशमुख का नाम पहले ही पक्का हो चुका है। अब इससे जुड़ी एक नई जानकारी सामने आ रही है। फिल्म 'हाउसफुल 3' का हिस्सा रहे अभिनेता अभिषेक बच्चन 'हाउसफुल 5' में भी अपने अभिनय से दर्शकों को गुदगुदाते हुए नजर आएंगे। अभिनेता ने 'हाउसफुल' की फ्रेंचाइजी में वापसी के बाद अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसका हिस्सा होने को घर वापसी जैसा बताया है।

शूटिंग के लिए उत्साहित हैं अभिषेक

हाउसफुल 5 में मुख्य भूमिका निभाने का अवसर मिलने पर अभिषेक बच्चन ने कहा, 'हाउसफुल मेरी पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइजी है, इसका हिस्सा बनना मेरे लिए घर वापसी जैसा है। साजिद के साथ काम करना मेरे लिए खुशी का विषय है।' अभिनेता ने कहा कि वह सेट पर अक्षय कुमार और रितेश देशमुख के साथ मस्ती करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने आगे कहा, 'मैं अपने दोस्त तरुण मनसुखानी के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। 'दोस्ताना' के बाद अब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला है। यह बहुत मजेदार होने वाला है।' वहीं, निर्देशक साजिद नाडियाडवाला ने भी अभिषेक की वापसी पर खुशी जाहिर की है। साजिद ने कहा 'मैं अभिषेक की वापसी से रोमांचित हूं। उनका समर्पण, कॉमिक टाइमिंग और काम के प्रति ईमानदारी फिल्म को शानदार बनाएंगी।'

पांचवा भाग लाने वाली पहली बॉलीवुड फ्रेंचाइजी है हाउसफुल

पिछले साल जून में अभिनेता अक्षय कुमार ने 'हाउसफुल 5' की घोषणा की थी। इस फिल्म में अक्षय के अलावा रितेश देशमुख भी शामिल हैं। फिल्म 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी बॉलीवुड की पहली फिल्म होगी, जिसका पांचवा भाग आ रहा है। इसका पहला भाग साल 2010 में आया था, जिसमें अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, लारा दत्ता, जॉन अब्राहम, दीपिका पादुकोण और बोमन ईरानी थे।

मुझे सक्सेज मिले या फेल्योर मुझे बस फिल्म बनाना है

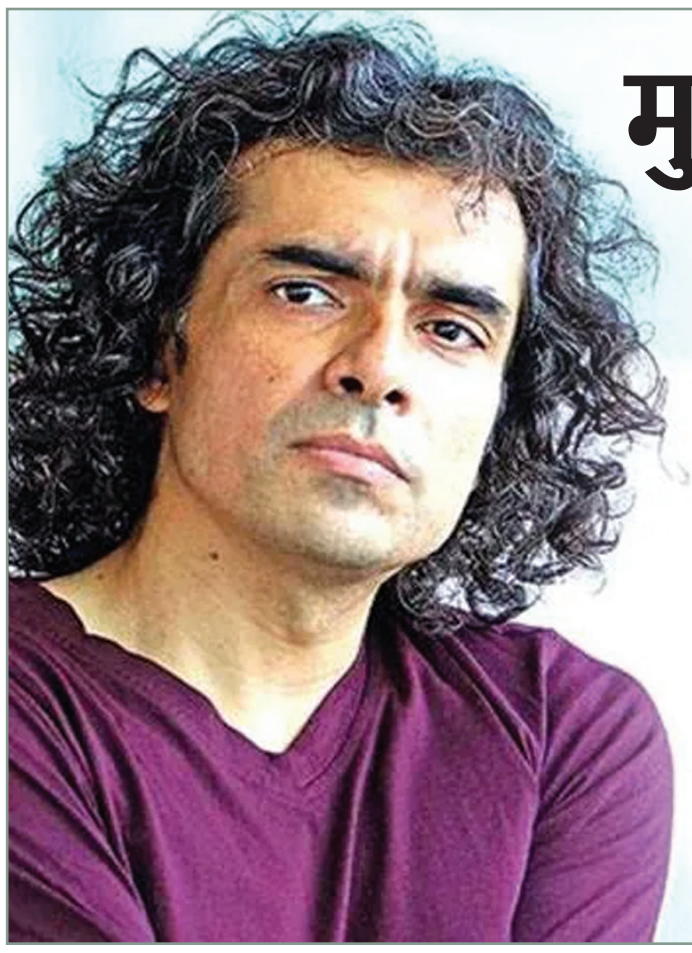

इम्तियाज अली सिनेमा के उन निर्देशकों में से हैं, जिन्होंने हमेशा लीक से हटकर फिल्में बनाई हैं फिर चाहे वो जब वी मेट हो, हाइवे हो या रॉकस्टार। इन दिनों वे चर्चा में हैं ओटीटी फिल्म चमकीला से। पंजाब के चर्चित और विवादास्पद गायक अमर सिंह चमकीला के जीवन पर आधारित इस फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है।

चमकीला को काफी पसंद किया जा रहा है? कैसा महसूस कर रहे हैं, इस कामयाबी पर?

मुझसे भी ज्यादा मेरी फिल्म के चलने की खुशी उन लोगों को हुई है, जिन्होंने हमेशा मेरे सिनेमा में अपना यकीन रखा। बीते कई सालों से लोगों को ये मौका नहीं मिल रहा था कि मेरे चाहने वालों को ये मौका नहीं मिल रहा था कि वे मेरे प्रति अपने प्यार और लगाव को दर्शा सकें, क्योंकि मेरी फिल्में चल नहीं रही थीं या उन लोगों को पसंद नहीं आ रही थी। मगर अब जब उन्हें फिल्म पसंद आई है, तो उनकी खुशी में मुझे खुशी मिल रही है।

कितना मुश्किल था वो दौर जब रॉकस्टार, जब वी मेट, हाइवे जैसी फिल्में देने के बाद आपकी तमाशा, हैरी मेट सेजल, लव आजकल जैसी फिल्में नहीं चलीं?

मजदूर का काम है मेहनत करना, हमारा काम है फिल्म बनाना। कोशिश करके अच्छी फिल्म बनाना, जो आपको मिल रहा है, उसमें फिल्म बनाना। चाहे मुझे सक्सेज मिले या फेल्योर, मुझे बनाना है। मैं मुंबई सिर्फ सफलता या शोहरत बटोरने नहीं आया था। मैं फिल्म बनाने आया था और मुझे बनानी है। मुझे जब फिल्में बनाने की मोहलत मिलने लगी, तो मैं इसी में खुश था। मैंने सोचा नहीं था कि मैं एक भी फिल्म बना पाऊंगा, मगर अब जब मैं 9 फिल्में बना चुका हूं, तो निराशा कभी नहीं हुई। बुरा जरूर लगता है, जब आपकी फिल्म नहीं चलती। मगर जब तक साधन मिलते रहेंगे, मैं फिल्म बनाता जाऊंगा।

चमकीला जैसे विवादास्पद विषय को चुनते हुए कहीं इस बात का डर था कि फिल्म कॉन्ट्रोवर्शियल हो सकती है?

फिल्म में फिल्मकार की नीयत दिख जाती है। मेरी नीयत में खोट नहीं था। मैंने सनसनी फैलाने के लिए फिल्म नहीं बनाई थी। मुझे मालूम था कि मैंने यह फिल्म किसी को दुख देने या बुरा फील कराने के लिए नहीं बनाई है। चमकीले की कहानी को जब मैं जानता गया, मुझे लगा कि यह एक बेहद ही मानवीय कहानी है। वो किसी को ब्लेम नहीं कर रहा, तो मैं कैसे कर सकता हूं? ये फिल्म किसी को गलत साबित नहीं करती। तभी लोगों ने इसे बुरे तरीके से नहीं लिया। जो लोग इससे पहले से परिचत थे, उन्होंने इसे गले से लगाया।

कहीं इस बात का मलाल है कि ये फिल्म थिएटर में नहीं आ पाई?

मैं खुद को सिनेमा हॉल का निर्देशक मानता हूं और लोगों से ज्यादा मैं चाहता हूं कि मेरी फिल्म थिएटरों में प्रदर्शित हो। मैंने ये फिल्म भी वही सोच कर बनाई थी। मेरा मानना है कि ओटीटी पर भी वही चलता है, जो सिनेमा में। मगर शूटिंग से पहले ये ओटीटी प्लैटफॉर्म हमारे पास जिस मोहब्बत से आया और उनका लक्ष्य यह साबित करना था कि ओटीटी पर सिर्फ रिजेक्टेड फिल्में नहीं आती. उन्होंने मुझे फिल्म मेकिंग में वो करने दिया, जो मैं करना चाहता था।

संक्षिप्त समाचार

बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड ने 1,300 करोड़ तक जुटाने के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई , एजेंसी। बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड (कंपनी या बीएमएल) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी सूक्ष्म उद्यम, लघु उद्यम, उपभोक्ता सामान, त्यौहार, शिक्षा और आपातकालीन ऋ्षा जैसे ऋ्षा उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है। कंपनी इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य 10 प्रत्येक) की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से कुल 13,000 मिलियन [1,300 करोड़] तक का फंड जुटाने की योजना बना रही है (टोटल ऑफर साइज़)। कुल प्रस्ताव आकार में शामिल हैं - इक्विटी शेयरों का कुल 10,000 मिलियन [1,000 करोड़] तक का नया निर्गम (नया निर्गम) और इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए कुल 3,000 मिलियन [300 करोड़] तक का प्रस्ताव (बिक्री के लिए प्रस्ताव)। कंपनी नए निर्गम की शुद्ध आय का उपयोग वित्त वर्ष 2025 में 7,600 मिलियन [760 करोड़] के अनुमानित आगे के उधार के लिए भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए शेष राशि का उपयोग करने का प्रस्ताव करती है (प्रस्ताव के उद्देश्य)। बिक्री के लिए प्रस्ताव में एमएजे इन्वेस्ट फाइनेंशियल इंक्लूजन फंड द्धद्ध च/स द्वारा कुल 1,750 मिलियन [175 करोड़] तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं; साथ ही, अरुम होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा 970 मिलियन [97 करोड़] तक और ऑगस्टा इन्वेस्टमेंट्स जीरो पीटीई लिमिटेड (निवेशक विक्रय शेयरधारक) द्वारा 280 मिलियन [28 करोड़] तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं। (विक्रय शेयरधारक संयुक्त) आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड आईपीओ इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट में कई क्षेत्रों के कंटेस्टेंट द्वारा नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट के उल्लंघन के बाद की गई कानूनी कार्रवाई

मुंबई , एजेंसी। प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट ने कई कंटेस्टेंट और पार्टिसिपेंट्स द्वारा नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (एनडीए) के गंभीर उल्लंघन के बाद कानूनी कार्रवाई शुरू की है। इस उल्लंघन में संवेदनशील जानकारी का अनधिकृत खुलासा शामिल था, जो कि गोपनीय शर्तों का उल्लंघन है जिस पर सभी प्रतिभागियों ने सहमति व्यक्त की थी। ब्यूटी पेजेंट ग्लोबल लेवल पर एक जाना-माना इवेंट है, जिसमें विभिन्न क्षेत्र के कंटेस्टेंट हिस्सा लेते हैं। एनडीए का उल्लंघन करने वाले कंटेस्टेंट दिल्ली, यूएसए, छत्तीसगढ़, संयुक्त अरब अमीरात, उत्तर प्रदेश, रांची, बैंगलोर, मध्य प्रदेश, हांगकांग और तमिलनाडु से हैं। सख्त एनडीए के बावजूद, कुछ कंटेस्टेंट ने गोपनीय जानकारी लीक कर दी, जो अब इवेंट की रेप्यूटेशन और इंटीग्रेशन के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा बन गया है।पेजेंट आयोजकों ने नियमों के उल्लंघन के जवाब में तत्काल कानूनी कार्रवाई की है, लीक के सोर्स की पहचान करने और इसमें शामिल सभी पक्षों की पहचान करने के लिए जांच शुरू की है। पेजेंट की कॉन्फिडेंशियल्टी और इंटीग्रीटी को बनाए रखने के उद्देश्य से, आयोजक भविष्य अनधिकृत खुलासों को रोकने के लिए हर्जाना और निषेधाज्ञा राहत की मांग कर रहे हैं। सूत्रों की मानें कॉम्पिटिटर्स द्वारा ब्यूटी पेजेंट के कर्मचारियों के साथ पोचिंग की घटनाएं हुई हैं। इस पोचिंग में कर्मचारियों के कॉन्टेक्ट और कनेक्शनों का अनऑथराइज्ड उपयोग शामिल है, जो कि नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (एनडीए) उल्लंघन के इन्वेस्टिगेशन में चिंता की एक और परत बढ़ता है। ऐसा लगता है जैसे ये रिप्रेजेंटेटिव ही इन सबका कारण हैं।

आंकड़े: परिवारों की बचत पांच साल में सबसे कम, तीन साल में 9 लाख करोड़ घटी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में परिवारों की शुद्ध बचत (घरेलू बचत) पिछले तीन वर्षों में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक घटकर 2022-23 में 14.16 लाख करोड़ रुपये रह गई है। यह 2017-18 के बाद परिवारों की शुद्ध बचत का पांच साल का निचला स्तर है। उस दौरान शुद्ध घरेलू बचत 13.05 लाख करोड़ रुपये रही थी।

सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 में शुद्ध घरेलू बचत अपने शीर्ष पर पहुंच गई थी। उस दौरान परिवारों ने शुद्ध रूप से 23.29 लाख करोड़ रुपये की बचत की थी। इस अवधि के बाद से परिवारों की शुद्ध बचत लगातार घट रही है।

मंत्रालय ने अपने ताजा आंकड़ों में कहा है कि वित्त वर्ष 2018-19 में परिवारों ने शुद्ध रूप से 14.92 लाख करोड़ रुपये की बचत की थी। वित्त वर्ष 2018-19 में यह आंकड़ा बढ़कर 15.49 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। 2020-21 में अपने शीर्ष

पर पहुंचने के बाद 2021-22 में परिवारों की शुद्ध बचत फिर घटकर 17.12 लाख करोड़ रुपये रह गई।

वित्तीय देनदारी : 73 फीसदी बढ़ी, बैंक कर्ज 11.88 लाख करोड़

परिवारों पर वित्तीय देनदारी 2022-23 में 73 फीसदी बढ़कर 15.6 लाख करोड़ पहुंच गई। 2021-22 में यह आंकड़ा 9 लाख करोड़ था।इस अवधि में परिवारों की वित्तीय बचत 26.1 लाख करोड़ से 14 फीसदी बढ़कर 29.7 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। परिवारों पर वित्तीय संस्थानों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का कर्ज भी तीन वर्षों में चार गुना बढ़ा है। 2022-23 में यह बढ़कर 3.33 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 2021-22 में यह 1.92 लाख करोड़ और 2020-21 में 93,723 करोड़ रुपये था। बैंक कर्ज भी तीन वर्षों में दोगुना होकर 2022-23 में 11.88 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2020-21 में यह 6.05 लाख करोड़ था।

जीडीपी की तुलना में घरेलू बचत वित्त वर्ष 2022-23 में पांच दशक के निचले स्तर 5.3 फीसदी पर आ गई है। कोरोना काल को छोड़कर 2012 से 2022 के बीच यह 7-8 फीसदी थी। विश्लेषकों की मानें तो बहुत अधिक खपत/खर्च का लाभ उठाया जाता है। इससे कुछ वर्गों में मांग में वृद्धि हुई है।

म्यूचुअल फंड : निवेश तीन गुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये

आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 में म्यूचुअल फंड में निवेश करीब तीन गुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 2020-21 में यह सिर्फ 64,080 करोड़ रुपये था। 2021-22 में म्यूचुअल फंड में 1.6 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। वित्त वर्ष 2022-23 में डिबेंचर्स और शेयरों में भी निवेश दोगुना होकर 2.06 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। 2020-21 में यह 1.07 लाख करोड़ रुपये रहा था। 2021-22 के दौरान डिबेंचर्स और शेयरों में 2.14 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया था।

जापान ने विकास को बढ़ावा देने के लिए एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट में किया 1,300 करोड़ का निवेश

मुंबई , एजेंसी। सुमितोमो मित्सुई फाइनेंशियल ग्रुप, इंक. (एसएमएफजी) ने राइट्स इश्यू के द्वारा एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड) (एसएमआईसीसी) में 1,300 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एसएमआईसीसी ने अपनी फुल्ली ओन्ड सब्सिडियरी एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड) (एसएमएफजी गृहशक्ति) में 150 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए, एसएमआईसीसी के चीफ फ़ाइनेंशियल ऑफिसर श्री पंकज मलिक ने कहा, हमारा मानना है कि एसएमएफजी द्वारा 1,300 करोड़ रुपये के फंड का निवेश एसएमआईसीसी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह रणनीतिक कदम हमारे विस्तार प्रयासों को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एसएमआईसीसी ने देश में वंचित आबादी के लिए किफायती आवास से संबंधित वित्तीय समाधान लाने के अपने प्रयास को बढ़ाने के लिए एसएमएफजी गृहशक्ति में 150 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के साथ, हम अपनी बाजार उपस्थिति को बढ़ाने, निरंतर विकास को आगे बढ़ाने और अपने ग्राहकों को पहले से बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

31 दिसंबर, 2023 तक एसएमआईसीसी की प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) 42,487 करोड़ रुपये थी, जो साल-दर-साल 24 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। अप्रैल 2023 से दिसंबर 2023 की अवधि के लिए संवितरण 28,790 करोड़ रुपये का था, जो साल-दर-साल 46 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी ने देश भर में 990 शाखाओं तक अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है।

फिक्की एफएलओ विशेष रूप से समर्थ लोगों की आजीविका के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, , एजेंसी। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की महिला इकाई फिक्की एफएलओ ने मिट्टी सोशल इनिशिएटिव फाउंडेशन (एसएसआईएफ) के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) का विस्तार कर देशभर में आजीविका को सशक्त करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इस गठबंधन का लक्ष्य विशेष रूप से सक्षम कर्मचारियों द्वारा चलाए जा रहे प्रख्यात मिट्टी कैफेस श्रृंखला को प्रोत्साहित करना है। दिल्ली के सर्वोच्च न्यायालय, मुंबई के टर्मिनल 2 और अमृतसर जैसे प्रमुख स्थानों पर सफल साझीदारी के आधार पर फिक्की एफएलओ और एमएसआईएफ देशभर में अपने प्रभाव का विस्तार करने की तैयारी में हैं।

इस नए गठबंधन का उद्देश्य विशेष जरूरतों वाले लोगों के लिए और अधिक अवसरों का सृजन करना और समाज में

समावेशिता को बढ़ावा देना है। मिट्टी कैफेस जैसी पहल में सहयोग कर फिक्की एफएलओ का लक्ष्य सशक्तिकरण को नई ऊंचाई पर ले जाना और अनूठी क्षमताओं वाले लोगों के लिए एक मंच उपलब्ध कराना है जिससे वे कार्यबल में फल फूल सकें।

फिक्की एफएलओ की राष्ट्रीय अध्यक्ष जॉयश्री दास वर्मा ने समावेशी विकास को बढ़ावा देने को लेकर इस संगठन के समर्पण पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, विशेष जरूरतों वाले व्यक्तियों का सशक्तिकरण महज़ एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सही मायने में एक समावेशी समाज के लिए यह आवश्यकहै। मिट्टी सोशल इनिशिएटिव फाउंडेशन के साथ हमारी साझीदारी के जरिए फिक्की एफएलओ को ऐसी पहल में सहयोग करने पर गर्व है जो सार्थक आजीविका का सृजन करे और कार्यबल में विविधता को बढ़ावा दे। साथ मिलकर, हम समावेशिता की कहानी गढ़ रहे हैं और संभावनाओं की सीमा का विस्तार कर रहे हैं।

मिट्टी कैफे की संस्थापक और सीईओ अलिना आलम ने सतत साझीदारी के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मिट्टी कैफे में हम समावेशिता और हर किसी में व्याप्त संभावनाओंकी ताकत में विश्वास करते हैं। फिक्की एफएलओ के साथ हमारा गठबंधन सकारात्मक परिवर्तन को आगे बढ़ाने और समाज में अक्सर हाशिए पर गए लोगों के लिए अवसरों के द्वार खोलने में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। साथ मिलकर, हम ना केवल भोजन परोस रहे हैं, बल्कि सशक्तिकरण के एक बड़े उद्देश्य को भी पूरा कर रहे हैं। मिट्टी कैफे की सफलता की कहानियां, समावेशी रोजगार की परिवर्तनकारी ताकत का एक प्रमाण हैं। कौशल विकास के लिए सहयोगात्मक वातावरण और अवसर उपलब्ध कराकर ये कैफे विशेष क्षमताओं वाले लोगों के लिए आशा के प्रकाश स्तंभ बने हैं और यह सिद्ध कर रहे हैं कि सही सहयोग और संसाधनों के साथ कोई भी व्यक्ति अपनी पूर्ण संभावना का दोहन कर सकता है। एफएलओ, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की महिला इकाई है जिसकी स्थापना 1983 में की गई थी। फिक्की भारत में उद्योग एवं वाणिज्य का शीर्ष निकाय है। एफएलओ कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों आदि के जरिए महिलाओं के बीच उद्यमशीलता और पेशेवर उत्कृष्टता को बढ़ावा देता रहा है।

रैडबस ने लोक सभा चुनावों के बीच मई के दौरान एमपी में बुकिंग्स में 35 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की

इंदौर एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाईन बस टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म रैडबस ने अप्रैल और मई के दौरान मध्य प्रदेश में टिकट बुकिंग में दो अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की है। मध्य प्रदेश चुनावी पर्व के लिए तैयार है, इस बीच रैडबस ने मई में होने वाले चुनावों के लिए पिछले साल की तुलना में अपने प्लेटफॉर्म पर 35 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है। पिछले साल अप्रैल की तुलना में अप्रैल 2024 में इंटरसिटी यात्रा के लिए बस बुकिंग में 37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ये आंकड़े रैडबस प्लेटफॉर्म पर हुई बुकिंग्स पर आधारित हैं।

मांग में यह बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि बस यात्रा नागरिकों को अपने मतदान के बुनियादी अधिकार के लिए उनके घर तक पहुंचाने और मतदान स्टेशनों को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रैडबस के आंकडों के मुताबिक टॉप रूट्स नीचे दिए गए हैं जिन पर अप्रैल में हुए पहले और दूसरे चरण के मतदान के दौरान मांग सबसे अधिक रहीः

इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, बस ऑपरेटर रोज़ाना लगभग 5200 से अधिक सर्विसेज़ का संचालन कर रहे हैं। रैडबस ने चार मुख्य हब्स को पहचाना है- इंदौर से विजय नगर और तीन इमली स्क्वेयर तथा भोपाल से हबीबगंज और लाल घाटी, जहां मांग बढ़ने की उम्मीद है।

रैडबस देश भर के यात्रियों को बस यात्रा का विश्वसनीय एवं सुविधाजनक अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। यात्रियों को सहयोग प्रदान करने के लिए रैडबस चुनावों के दौरान टिकट बुकिंग पर छूट के ऑफर भी लेकर आया है, ताकि नागरिक अपने मतदान के अधिकार का आसानी से उपयोग कर सकें। यात्री कूपन कोड ङ्कह्रञ्जश्व24 लगाकर 15 फीसदी- रु 250 तक की छूट और रु 250 तक का कैशबैक पा सकते हैं।

आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड का रु. 48.75 करोड़ का राइट्स इश्यू खुलेगा

अहमदाबाद, एजेंसी। सोने के आभूषणों के प्रमुख निर्माताओं और हॉलसेलर्स में से एक आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड का (बीएसई - एजीओएल - 542579) रु. 48.75 करोड़ का राइट्स इश्यू 8 मई को खुलेगा। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कंपनी की विस्तार योजनाओं, नए क्षेत्रों में प्रवेश और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए कार्यशील पूंजी की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू रु. 5.85 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया जाता है जो 3 मई, 2024 को बंद शेयर मूल्य पर 57.45 प्रतिशत की छूट दिखाता है। राइट्स इश्यू 27 मई, 2024 को बंद होगा।

कंपनी रु. 1 के अंकित मूल्य के 8,33,28,666 फुल्ली पेइड इक्विटी शेयर रु. 5.85 प्रति इक्विटी शेयर (रु. 4.85 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) की कीमत पर जारी करेगी, जिसका कुल मूल्य रु. 48.75 करोड़ होगा। प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 1ञ्3 पर तय किया गया है (रिकॉर्ड तिथि 18 अप्रैल, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक रु. 1 के 3 इक्विटी शेयरों के लिए रु. 1 के अंकित

मूल्य का 1 इक्विटी शेयर)। ऑन-मार्केट अधिकार अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 21 मई, 2024 है।

आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दिनेश कुमार सोनी ने बताया कि, कंपनी ने हाल के दिनों में उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने, विभिन्न बाजारों के लिए नई प्रोडक्ट लाइनें और कलेक्शन लॉन्च करने पर ध्यान देने के साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल की है। हमारा लंबे समय के लिए फोकस टीम डेवलपमेंट में निवेश करना और भारत की सबसे बड़ी बीटुबी प्रदर्शनियों में भाग लेना जारी रहेगा। इश्यू से होने वाली आय कंपनी की बैलेंस शीट को और मजबूत करेगी और इसकी विस्तार योजनाओं और रणनीतिक विकास पहलों को वित्त पोषित करने में मदद करेगी। कंपनी के बोर्ड ऑफ डिरेक्टर्स ने 10 अप्रैल, 2024 को पात्र इक्विटी शेयरधारकों को रु. 48.75 करोड़ से अधिक की राशि के लिए राइट्स इश्यू के माध्यम से इक्विटी शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी। राइट्स इश्यू के बाद, कंपनी के कुल बकाया शेयर बढ़कर 33,33,14,666 इक्विटी शेयर हो जाने चाहिए, जो राइट्स इश्यू से पहले 24,99,86,000 इक्विटी शेयर थे। सोने के आभूषणों के अग्रणी निर्माताओं और हॉलसेलर्स में से एक आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड 28 वर्षों से अधिक समय से व्यवसाय में है और सोने के आभूषण उद्योग में अग्रणी रही है। कंपनी का अहमदाबाद में 14,000 वर्ग फुट में फैला एक मेन्युफेक्चरिंग यूनिट और बैंगलोर में एक ब्रान्च ऑफिस है।

संस्थानों का नेतृत्व करें अधिक से अधिक महिलाएं: जगदीप धनखड

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) के 36वें दीक्षांत समारोह का गरिमापूर्ण आयोजन

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के एक प्रमुख बी-स्कूल, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपना 36वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ की उपस्थिति से यह ऐतिहासिक समारोह गरिमापूर्ण रहा। उत्साह और उमंग से भरे छात्रों ने पूरी तन्मयता के साथ उपराष्ट्रपति के संबोधन को सुना। इस समारोह में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की प्रतिष्ठित चेयरपर्सन श्रीमती जयश्री मोहता और बिमटेक की डायरेक्टर डॉ. प्रवीणा राजीव भी मौजूद थीं।

छात्रों को प्रेरित करते हुए, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि, बिमटेक के 36वें दीक्षांत समारोह में शामिल होना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। मुझे गर्व है कि हमने विमन रिजर्वेशन बिल पारित किया है, और मैं अधिक से अधिक महिलाओं को संस्थानों का नेतृत्व करते हुए देखना चाहता हूं। बिमटेक की चेयरपर्सन जयश्री मोहता, समाज को वापस लौटाने का एक सच्चा उदाहरण पेश कर रही हैं, इसलिए, मैं आपके फैकल्टी और आपके स्टूडेंटस को संसद के नए भवन में विजिट करने के लिए

आमंत्रित करता हूं और हमें वहां भी चर्चा करने का अवसर मिलेगा। उपराष्ट्रपति ने स्नातकों को आगे सलाह दी, ''आप सभी स्नातक, भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना याद रखें। आप सभी आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने वाले भविष्य के लीडर हैं। परिवर्तन को अपनाएं, निरंतरता बनाये रखें और असफलता से कभी न डरें। आप सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं।

इस उल्लासपूर्ण कार्यक्रम में 478 छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इस दौरान पीजीडीएम, पीजीडीएम-इंटरनेशनल बिजनेस (आईबी), पीजीडीएम-रिटेल मैनेजमेंट (आरएम) और पीजीडीएम-इंश्योरेंस बिजनेस मैनेजमेंट (आईबीएम) के छात्रों को डिग्री प्रदान की गई।

उद्घाटन भाषण के दौरान, श्रीमती मोहता ने कहा, ''यह दीक्षांत समारोह न केवल छात्रों के लिए, बल्कि पूरे बिमटेक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के समान है। हमें बैच के आकार में उपलब्धियों और वृद्धि पर बेहद गर्व है। आज हम वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण का जश्न मनाने के लिए यहां हैं। आज बिमटेक के स्नातक प्रोफेशनलिज्म के मैदान में आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं, इस खास अवसर पर मैं उन्हें एक काबिल और समर्थवान लीडर और चेंजमेकर बनने की शुभकामनाएं देती हूं।''

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट पेश करते हुए डॉ. प्रवीणा राजीव ने बिमटेक की शानदार विरासत पर प्रकाश डाला और कहा, ''बिमटेक मानकों को कायम रखते हुए हमने हमेशा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की प्रतिभा को और आगे बढ़ाने पर निरंतर फोकस किया है। इसी सिलसिले में यह दीक्षांत समारोह अकादमिक प्रतिभा और उत्सव का प्रतीक है।''

उन्होंने छात्रों को सुझाव दिया, ''अपने पेशेवर सफर को जुनून के साथ शुरू करें और अपनी विशिष्टता को अपनाएं। मैं अपने सभी स्नातकों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।'' बिमटेक ने सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी (एसएमयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 'इन्क्लूविसव एंड इमर्सिव एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम' के तहत किए गए इस समझौते के अंतर्गत एक्जीक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए

एथर एनर्जी के तरुण मेहता ने कहा कि भारत में आर्थिक वृद्धि के लिए आरएंडडी निवेश को प्राथमिकता दी जानी चाहिए

मुंबई , एजेंसी। हाल ही में अपने एक ट्वीट में एथर एनर्जी के सीईओ, तरुण मेहता ने भारत में आर्थिक वृद्धि के लिए रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आरएंडडी) में निवेश बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उद्यमियों को भारत में एक मिलियन इंजीनियर्स के आरएंडडी का लक्ष्य बनाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने चीन की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी, बीवायडी द्वारा आरएंडडी में किए गए बड़े निवेश और इसमें इंजीनियर्स की बढ़ती हुई टीम के बारे में भी बताया।

मेहता ने कहा कि टेक्नोलॉजिकल प्रगति में चीन की सफलता, खासकर इलेक्ट्रिक वाहन जैसे क्षेत्रों में, आरएंडडी में किए गए भारी निवेश के कारण संभव हुई है। उन्होंने बताया कि बीवायडी के पास अब चीन के बाहर संपूर्ण ऑटो उद्योग के मुकाबले ज्यादा बड़ी आरएंडडी टीम है, जिससे उद्योग में प्रतिस्पर्धात्मकता लाने के लिए आरएंडडी की महत्वपूर्ण भूमिका प्रदर्शित होती है। उन्होंने कहा, ''आरएंडडी टीम का आकार एक लाख लोगों तक पहुँच रहा है, जिनमें से 20 से 30 हजार इंजीनियरों की भर्ती पिछले साल ही की गई है! उनका लगभग 10 प्रतिशत राजस्व आरएंडडी पर खर्च किया जाता है, तब भी, जब यह वार्षिक राजस्व में 40 से 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर पर हो।'' एक्स पर उन्होंने लिखा, ''आज हम जिस जनसांख्यिकीय लाभ की स्थिति में हैं, उसमें तेजी से ऊपर उठने के लिए हमारी नीति को आरएंडडी पर केंद्रित किया जाना जरूरी है। याद रखें, सप्लायर्स वहीं आकर सुविधाएं स्थापित करते हैं, जहाँ ऑटो निर्माता उत्पादन करते हैं। ऑटो निर्माता वहाँ उत्पादन करते हैं, जहाँ उनके नए उत्पाद का विकास (एनपीडी) होता है। और नए उत्पाद का विकास वहाँ होता है, जहाँ पर इंजीनियर होते हैं। इसीलिए आज चीन नए उत्पाद के विकास में सबसे आगे है ताकि यह मैनुफैक्चरिंग के लाभ को बनाकर रख सके।''

उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियाँ आरएंडडी में केवल 3 से 4 प्रतिशत खर्च करके संतुष्ट हो जाती हैं, लेकिन हमें संख्याओं पर काफी ज्यादा ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, नहीं तो 10 से 100 गुना संख्या के लाभ तक कोई नहीं पहुँच सकेगा।

दिल्ली का नॉकआउट शुरू तो सीएसके-हैदराबाद की भी गारंटी नहीं...

सभी टीमों का आईपीएल 2024 प्लेऑफ समीकरण

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 के प्लेऑफ के लिए क्वॉलिफाइ करने की दौड़ में ऑफिशली अभी तक सभी 10 टीमें बनी हुई हैं। सबसे आखिरी नंबर पर चल रही गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के लिए भी मौका है। आईपीएल 2024 अब धीरे-धीरे आखिरी चरण की ओर बढ़ रहा है। टीमों के अधिकतम 3-3 मैच बचे हुए हैं तो रोचक बात यह है कि अभी हर टीम के प्लेऑफ में पहुचंने की संभावना बची हुई है। यानी किसी भी एक स्पॉट की टीम ऑफिशली कन्फर्म नहीं हुई है। एक दिन पहले रोमांचक मुकाबले में दिल्ली से राजस्थान हार गई। अगर वह जीतती तो वह क्वॉलिफाइ कर लेती, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अब देखा जाए तो आईपीएल 2024 प्लेऑफ का गेम पूरी तरह से उल्टा-पुल्टा हो चुका है। अब कौन सी टीम कैसे टॉप-4 में पहुंच सकती है।

सभी टीमों की पॉइंट्स टेबल में स्थिति

क्रम	टीम	मैच	जीत	हार	टाइ	नेट रन रेट	पॉइंट्स	नेट रन रेट
1	केकेआर	11	8	3	0	0	16	1.453
2	आरआर	11	8	3	0	0	16	0.476
3	सीएसके	11	6	5	0	0	12	0.7
4	एसआरएच	11	6	5	0	0	12	-0.065
5	डीसी	12	6	6	0	0	12	-0.316
6	एसएसजी	11	6	5	0	0	12	-0.371
7	आरसीबी	11	4	7	0	0	8	-0.049
8	पीबीकेएस	11	4	7	0	0	8	-0.187
9	एमआई	12	4	8	0	0	8	-0.212
10	जीटी	11	4	7	0	0	8	-1.32

कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के पास टॉप पर रहने का मौका

केकेआर फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स उसके बराबर 16 अंक लेकर नेट रन रेट के आधार पर दूसरे नंबर पर है। अगर वे बचे हुए 3 में से एक में भी जीत दर्ज करते हैं तो प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर लेंगे। यही वो दो टीम हैं, जिनके पास 18 अंक या उससे अधिक अंक लेने का मौका है। जबकि 3 अन्य टीमें अधिकतम 18 अंक तक पहुंच सकती हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपरजायंट्स की एक जैसी स्थिति

चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स टीम 11-11 मैचों में 6-6 जीत के साथ 12 अंक लेकर क्रमश- तीसरे, चौथे और छठे नंबर पर है। इन तीनों के पास बचे हुए 3 मैचों में अधिकतम 18 अंक तक पहुंचने का मौका है। हालांकि, यह देखना रोचक होगा कि प्लेऑफ से लगभग बाहर हो चुकी गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और शानदार फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई कैसे निपटती है, जबकि हैदराबाद को लखनऊ, गुजरात और पंजाब से भिड़ना है। दूसरी ओर, लखनऊ को हैदराबाद, दिल्ली और मुंबई से भिड़ना है।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए नॉकआउट हो चुका है शुरू

दिल्ली कैपिटल्स फिलहाल अंक तालिका में छठे स्थान पर है। यदि वे अपने शेष तीनों मैच जीत जाते हैं तो वे अधिकतम 16 अंक तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, इससे भी उन्हें प्लेऑफ में जगह की गारंटी नहीं मिलेगी। सीएसके, एसआरएच और एलएसजी भी आसानी से 16 अंक तक पहुंचते दिख रहे हैं। ऐसे में इन टीमों के बीच नेट रन रेट का खेल होगा, उसमें जो बेहतर होगा उसी की किस्मत खुलेगी। अगर दिल्ली मैच हारता है तो उसका प्लेऑफ में पहुंचना लगभग खत्म हो जाएगा या फिर आरसीबी की तरह अन्य टीमों के संभावित परिणामों पर निर्भर रहना होगा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस बुरी फंसी हुई हैं

आरसीबी, पीबीकेएस और जीटी बहुत बुरी तरह से फंसी हुई हैं। शेड्यूल को देखते हुए आरसीबी और पीबीकेएस में से केवल एक टीम 14 अंक तक पहुंच सकती है, क्योंकि वे एक मैच में एक-दूसरे का सामना करेंगे। सभी तीन टीमें अपने शेष तीन मैचों में कम से कम दो जीत के साथ 12 अंक तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में उनका खेल तो खत्म ही समझिए। हालांकि, अगर सीएसके मैच जीटी को हरा देती है तो एमआई के साथ-साथ सभी तीन टीमें बाहर हो जाएंगी, क्योंकि एसआरएच/एलएसजी और सीएसके में से कोई एक 14 अंक तक पहुंच जाएगा।

मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ का मौका, लेकिन उम्मीदें असंभव

मुंबई इंडियंस फिलहाल अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। दो मैच बचे हैं और प्लेऑफ के लिए क्वॉलिफाइ करने के लिए उन्हें बेहतर नेट रन रेट के हिसाब से दोनों मैच जीतने होंगे। हालांकि, यदि ष्टस्य मैच 59 में त्नज्ञ को हरा देती है तो मुंबई बाहर हो जाएगी, क्योंकि एसआरएच/एलएसजी और सीएसके में से कोई भी 14 अंक तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा उन्हें स्न्ञ्च के कम से कम दो गेम जीतने, एलएसजी के सभी गेम हारने, डीजी से एक से अधिक गेम नहीं जीतने और पीबीकेएस, आरसीबी और त्नज्ञ से दो से अधिक मैच नहीं जीतने की अपेक्षा होगी। यह गणितीय रूप से आसान नहीं दिख सकता है, लेकिन असंभव जैसा है।

यह वो खिलाड़ी, जिन्होंने टी-20 विश्व कप 2 अलग-अलग देशों के लिए खेला

यूएस (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए पाकिस्तान जैसी बड़ी टीमों को छोड़ दिया जाए तो लगभग हर देश ने अपने-अपने 15-15 प्लेयर्स की लिस्ट जारी कर दी है। किसी भी बदलाव के लिए आखिरी तारीख 25 कई है, जबकि जून में टूर्नामेंट होना है। एक ऐसा खिलाड़ी भी मेगा इवेंट में नई टीम के साथ दिखाई देगा, जो पहले किसी अन्य टीम से खेल चुका है।

आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2024 शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। कैरिबियन और यूएसए की मेजबानी में आयोजित होने वाले इस महासंग्राम के लिए अमेरिका ने अपने प्लेयर्स की लिस्ट दे दी है। उसने एक ऐसे खिलाड़ी को टीम में शामिल किया है, जो पहले किसी और देश से विश्व कप खेल चुका है। जी हां, हम बात कर रहे हैं विस्फोटक बल्लेबाज कोरी एंडरसन की। बता दें कि इस बार टी-20 विश्व कप में ग्रुप स्टेज में 20 टीमें हिस्सा लेने वाली हैं, जो इतिहास में किसी आईसीसी टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में सबसे अधिक है। ग्रुप स्टेज के बाद 'सुपर 8' स्टेज होगा और फिर विजेता का निर्धारण करने के लिए नॉकआउट होगा। यूएस ने पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट में भाग लेने जा रही है।

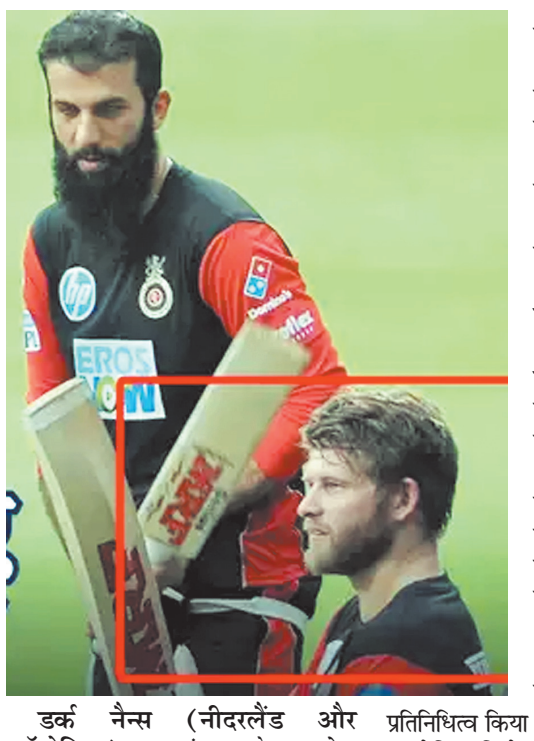

डर्क नैन्स (नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया) - बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड और वेल्स में 2009 के विश्व टी20 के लिए ऑस्ट्रेलिया ने नजरअंदाज कर दिया था। इसके बाद उन्हें नीदरलैंड्स ने अपनी टीम से खिलाया, जबकि 2010 में अगले संस्करण में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया।

रोलोफ वैन डेर मेरवे (दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड्स) - 2015 में अपनी टीम बदलने से पहले वैन डेर मेरवे ने 2009 और 2010 के विश्व टी20 टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया था। उसके बाद से उन्होंने 2016, 2021 और 2022 के संस्करणों में नीदरलैंड्स का प्रतिनिधित्व किया है।

डेविड विसे (दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया) - विसे ने पहली बार 2016 में दक्षिण अफ्रीका के साथ टी20 विश्व कप में डेब्यू किया था। 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 2021 में नामीबिया के लिए पदार्पण किया और 2021 और 2022 टी20 विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व किया।

मार्क चैपमैन (हॉन्गकॉन्ग और न्यूजीलैंड) - चैपमैन ने 2014 में हॉन्गकॉन्ग के खिलाड़ी के रूप में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया और इसके बाद उन्हें 2014 विश्व टी20 के लिए हॉन्गकॉन्ग की टीम में शामिल किया गया, जो किसी प्रमुख आईसीसी टूर्नामेंट में हॉन्गकॉन्ग की पहली उपस्थिति भी थी। हालांकि, 2018 से, वह ब्लैककैप्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो 2021 और 2022 संस्करणों में शामिल हैं। वह 2024 टी20 विश्व कप में भी खेलेंगे।

कोरी एंडरसन (न्यूजीलैंड और यूएसए) - इस सूची में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने वाले एक और खिलाड़ी एंडरसन ने 2014 और 2016 के संस्करणों में कीवी के लिए खेला। इस साल की शुरुआत में उन्होंने यूएसए क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू किया और उन्हें उस टीम में शामिल किया गया है जो 2024 में घरेलू टी20 विश्व कप में भाग लेगी।

सैमसन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना

आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन किया
दिल्ली के खिलाफ अंपायर के फैसले पर जताई थी असहमति

नईदिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। सैमसन पर यह फाइन मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है। सैमसन को आचार संहिता के आर्टिकल 2.8 के तहत लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया, जो अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से संबंधित है। उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी की सजा स्वीकार कर ली।

होप के विवादित कैच से आउट हुए सैमसन

राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन शाई होप के बाउंड्री पर बेहतरीन कैच लेने के बाद आउट हुए। 16वें ओवर की चौथी बॉल मुकेश कुमार ने गुड लेंथ पर फेंकी, सैमसन ने लॉन्ग ऑन की दिशा में शॉट खेला। यहां होप ने कैच पकड़ा लेकिन इस दौरान पैर बाउंड्री के बेहद करीब नजर आया। थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखा लेकिन कैच को क्लीन माना और सैमसन आउट करार दिए गए। कैच क्लीन करार दिए जाने के बाद सैमसन अंपायर से बहस करते नजर आए कि फील्डर का पैर बाउंड्री को छू रहा था। हालांकि अंपायर ने अपना फैसला कायम रखा और सैमसन को पवेलियन लौटना पड़ा। उन्होंने 46 बॉल पर 86 रन बनाए।

दिल्ली ने राजस्थान को 28 रन से हराया

दिल्ली ने होमग्राउंड पर टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 221 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। खलील अहमद, मुकेश कुमार और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए। आरआर से संजू सैमसन ने 46 बॉल पर 86 रन की पारी खेली। रियान पराग ने 27 और शिवम दुबे ने 25 रन बनाए। डीसी से ओपनर जैक फ्रेजर-मैगर्क (50 रन) और अभिषेक पोरेल (65 रन) ने अर्धशतक जमाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 41 रन बनाए। राजस्थान से रविचंद्रन अश्विन ने 3 विकेट चटकाए। युजवेंद्र चहल, संदीप शर्मा और ट्रेंट बोल्ट को एक-एक विकेट मिला।

पंजाबी बोलते नजर आए विराट कोहली, युवा क्रिकेटरों के साथ मजाक करते वीडियो वायरल

बेंगलूर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दुनिया भर के युवाओं के लिए एक आदर्श रहे हैं। विभिन्न आयु समूहों में फैले वैश्विक फैन बेस के साथ कोहली को क्रिकेट जगत से प्रशंसा मिली है। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा संस्करण में कोहली सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में से एक रहे हैं और वर्तमान में 11 मैचों में 542 रन के साथ सीजन में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स के खिलाफ आरसीबी के महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले धर्मशाला में कोहली ने प्रशिक्षण सत्र के दौरान पसीना बहाया जिसके बाद साथी युवा क्रिकेटरों के साथ उनकी बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कोहली को युवा खिलाड़ियों के साथ अचानक सत्र में शामिल होते हुए ऑटोग्राफ देते देखा जा सकता है। कोहली इस पूरे साल रॉयल चैलेंजर्स के लिए प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं, हालांकि टीम ने अपने अभियान की निराशाजनक शुरुआत की और आधे रास्ते तक पूरे सीजन में केवल एक जीत हासिल की। आरसीबी ने तब से मजबूत वापसी की है और वर्तमान में तीन मैचों की जीत की लय में है। टीम 11 मैचों में चार जीत के साथ आरसीबी 8 अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

इस वर्ष उनके शानदार प्रदर्शन के बाद कोहली को टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में भी नामित किया गया था। हालांकि भारत की एकादश में उनकी बल्लेबाजी की स्थिति पर सस्पेंस बना हुआ है। जबकि कई लोगों का मानना ????है कि कोहली को मार्की टूर्नामेंट में रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करनी चाहिए। दोनों ने प्रारूप में केवल एक बार ओपनिंग की है। वहीं कुछ लोग चाहते हैं कि भारत का यह महान खिलाड़ी क्रम में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखे। आरसीबी की प्लेऑफ की आकांक्षाओं अभी भी जीवित हैं।

टी-20 इंटरनेशनल मैच में मचा तूफान, 6 बल्लेबाज 0 पर आउट

टोक्यो (एजेंसी)। टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में उस समय तूफान मचता नजर आया, जब एक टीम ने छक्कों और चौकों की बरसात करते हुए रनों का अंबार खड़ा कर दिया। वहीं दूसरी टीम ने ताश के पत्तों की तरह अपने विकेट गंवा दिए। टीम के 6 बल्लेबाज बिना खाते खोले ही पवेलियन लौट गए। टीम का टॉप स्कोरर बल्लेबाजों ने मात्र चार रन ही बनाए। टी20 इंटनेशनल मैच में यह स्कोरबोर्ड देखकर आपका सिर घूम जाएगा।

205 रन से हारी मंगोलिया टीम - दरअसल, यह गजब मुकाबला मंगोलिया और जापान के बीच हुए टी20 इंटरनेशनल मैच में देखने को मिला। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए जापान की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 217 रन बना दिए। टीम के टॉप रन स्कोरर ने 69 रन की पारी खेली। जवाब में मंगोलिया की पूरी टीम मात्र 12 रन ही सिमट गई। पूरी टीम के बल्लेबाज मात्र 8.2 ओवर में ही ढेर हो गए। जापान ने 68 गेंदें रहते 205 रन से यह मैच अपने नाम कर लिया। एक गेंदबाज ने इस मैच में 5 विकेट भी चटकाए।

मात्र 12 रनों पर ही सिमट गई पूरी टीम - बता दें कि मंगोलिया की टीम जापान के दौरे पर है, जहां दोनों के बीच 7 टी20 मैचों की सीरीज खेली जा रही है। दूसरे मैच में मंगोलिया टीम के छह बल्लेबाज बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। बाकी 4 बल्लेबाज- 2, 1, 4 और 2 रन बनाकर आउट हुए जबकि 11वें नंबर का बल्लेबाज बिना खाता खोले नाबाद रहा। मंगोलिया की पूरी टीम इस मैच में मात्र 12 रनों पर ही सिमट गई, जोकि अभी तक के टी20 इंटरनेशनल इतिहास में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे छोटा स्कोर है।

दूसरा सबसे कम टी20 स्कोर - बताते चलें कि इससे पहले साल 2023 में आइल ऑफ मैन टीम स्पेन के खिलाफ मात्र 10 रन पर ही ढेर हो गई थी। स्कोर का पीछा करते हुए स्पेन ने 2 गेंदों में यह मैच जीत लिया था। अब दूसरा सबसे छोटा टी20 इंटरनेशनल स्कोर मंगोलिया के नाम दर्ज हो गया है। वहीं, तीसरे स्थान पर टर्की की टीम है, जिसने टी20 इंटरनेशनल इतिहास का तीसरा कम स्कोर बनाया है। 2019 में यह टीम क्रेच रिपब्लिक के खिलाफ मात्र 21 रन ही बना पाई थी।

टी20 विश्व कप

पापुआ न्यू गिनी ने किया 15 सदस्यीय टीम का ऐलान, इस 36 वर्षीय को मिली कप्तानी

पापुआ न्यू गिनी (एजेंसी)। पापुआ न्यू गिनी ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसकी कमान 36 साल के अनुभवी असद वाला को सौंपी गई है। उन्होंने 2021 टी20 विश्व कप में भी यह भूमिका निभाई थी। असद नौ अन्य खिलाड़ियों और जैक गार्डनर के साथ 2021 में ओमान और यूएई में हुए टूर्नामेंट की टीम का भी हिस्सा थे।

ऑल राउंडर सीजे अमिनी को उप कप्तान बनाया गया है जबकि 20 साल के स्पिनर जॉन केरिको टीम के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। पापुआ न्यू गिनी ने पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफार जीतकर दूसरी बार टी20 विश्व कप में जगह बनाई है। टीम अपने अभियान की शुरुआत दो जून को गयाना में वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रुप सी मुकाबले के साथ करेगी।

पापुआ न्यू गिनी की टीम इस प्रकार है - असद वाला (कप्तान), सीजे अमिनी, एली नाओ, चाड सोपर, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, काबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ और टोनी उरा।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार पर बोले संगकारा

सैमसन के आउट होने के बावजूद हमें मैच जीतना चाहिए था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा का कहना है कि कप्तान संजू सैमसन के आउट होने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में थी लेकिन उसे फिर भी यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मैच जीतना चाहिए था। दिल्ली के 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन 46 गेंद में 86 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनके आउट होने के बाद रॉयल्स को 27 गेंद पर 60 रन की दरकार थी लेकिन टीम मंगलवार रात 20 रन से हार गई। रॉयल्स की टीम अगर जीत दर्ज करती तो प्ले ऑफ में उसकी जगह सुनिश्चित हो जाती जबकि दिल्ली की टीम नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो जाती।

संगकारा ने कहा, 'उसके आउट होने के बावजूद हमें शायद यह मैच जीतना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'हार मिलती हैं। सत्र की शुरुआत में हमने शानदार प्रदर्शन किया था। हमने इस मैच में शानदार गेंदबाजी की, विशेषकर अश्विन ने, लेकिन एक बार जब आप बहुत सारी सहज गलतियां करते हैं तो यह बहुत कठिन हो जाता है। आखिर यह योजनाओं को लागू करने से जुड़ा है।

सैमसन के विवादित आउट पर बोले संगकारा - जब सैमसन आउट होकर पवेलियन लौटे वह खुश नहीं थे क्योंकि संदेह था कि शायद कैच पकड़ने वाले शाई होप का पैर सीमा रेखा से छुआ हो। निर्णय टीवी अंपायर के पास भेजा गया जिन्होंने सैमसन को आउट करार दिया लेकिन रॉयल्स के कप्तान ने वापस जाने से पहले मैदानी अंपायर से बहस करने का फैसला किया। संगकारा ने कहा कि कभी-कभी तीसरे अंपायर के लिए भी फैसला लेना मुश्किल होता है।

संगकारा ने कहा, 'यह रीप्ले और कोण पर निर्भर करता है और कभी-कभी आपको लगता है कि पैर छू गया है। लेकिन तीसरे अंपायर के लिए इस पर फैसला करना मुश्किल था।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन की अदालत से नीरव मोदी को लगा झटका, कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

लंदन , एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक से करोड़ों रुपये का घोटाला कर फरार हुए भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी ब्रिटेन की कोर्ट से झटका लगा। नीरव ने मंगलवार को ब्रिटेन में एक नई जमानत याचिका दायर की, जिसे न्यायाधीश ने खारिज कर दिया। नीरव पांच साल से अधिक समय से लंदन की जेल में है। भारत ने पीएनबी घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की मांग की है। इस मामले में नीरव प्रत्यर्पण का मुकदमा हार चुका है। लंदन में वेस्टमिंस्टर कोर्ट के जज जान जानी ने अपने फैसले में कहा कि जमानत के खिलाफ पर्याप्त आधार हैं। इस बात की आशंका बनी हुई है कि नीरव गवाहों को प्रभावित कर सकता है या संभव है कि वह मुकदमे की सुनवाई के लिए अदालत में पेश न हो। अदालत ने कहा कि इस मामले में धोखाधड़ी का आरोप शामिल है। जमानत नहीं दी जा सकती है और आवेदन अस्वीकार कर दिया जाता है। हालांकि, अदालत ने स्वीकार किया कि साढ़े तीन साल पहले आखिरी जमानत याचिका के बाद से परिस्थितियों में बदलाव आया है।

एस्ट्राजेनेका का बड़ा फैसला, दुनियाभर से वापस मंगाई कोविड वैक्सीन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने दुनिया भर से अपनी कोविड-19 वैक्सीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने का फैसला किया है। इसमें भारत में बनाई गई कोविशील्ड वैक्सीन भी है। कुछ दिनों पहले ही इस फार्मास्यूटिकल कंपनी ने एक कोर्ट में वैक्सीन के खतरनाक साइड इफेक्ट्स की बात स्वीकार की थी। बता दें कि एस्ट्राजेनिका वैक्सीन को भारत में कोविशील्ड के नाम से इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, कंपनी ने वैक्सीन को बाजार से हटाने के पीछे की कुछ और वजह बताई है। वैक्सीन को बाजार से वापसी के लिए आवेदन 5 मार्च को किया गया था जो 7 मई तक प्रभावी हुआ। एस्ट्राजेनेका ने साल 2020 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर कोरोना वैक्सीन बनाई थी। इसके फॉर्मूले के इस्तेमाल करते हुए सीरम इंस्टीट्यूट ने भारत में कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाती है। एस्ट्राजेनेका ने मंगलवार को यह कहा था कि बाजार में जरूरत से ज्यादा मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध है इसलिए कंपनी ने बाजार से सभी टीके वापस लेने का फैसला किया है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले कंपनी ने इस बात को भी स्वीकार किया था कि वैक्सीन के कुछ साइड इफेक्ट भी हैं। जैसे वैक्सीन की वजह से खून का जम जाना और ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाना। बता दें कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, भारत में अब तक 220 करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है।

निज्जर की हत्या के आरोपित तीन भारतीयों की अदालत में पेशी

ओटावा एजेंसी। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में गिरफ्तार तीन भारतीय पहली बार जेल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंगलवार को कनाडा की अदालत में पेश हुए। सैकड़ों स्थानीय खालिस्तान समर्थक अदालत में मौजूद थे। अदालत परिसर के बाहर लगभग 100 से अधिक लोगों ने खालिस्तान के झंडे लहराए। कनाडाई नागरिक खालिस्तानी आतंकी निज्जर की 18 जून, 2023 को सरे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। एडमांटन में रहने वाले भारतीय नागरिक करनप्रीत सिंह, कमलप्रीत सिंह और करण बराड़ को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। उन पर फ?र्स्ट-डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। वैंकूवर सन की रिपोर्ट के अनुसार तीनों आरोपित ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में सरे प्रांतीय न्यायालय के समक्ष पेश हुए। गौरतलब है कि निज्जर की हत्या के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद को संबोधित करते हुए निज्जर की हत्या के पीछे भारतीय एजेंसियों का हाथ होने का आरोप लगाया था। हालांकि भारत ने ट्रूडो के दावे को बेतुका बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया था।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने बर्फीले पर्वतीय दर्रे में की जिनपिंग से मुलाकात, लगाए जाम

पेरिस एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पिरिनी में एक दूरस्थ बर्फीले पर्वतीय दर्रे में मंगलवार को एक निजी बैठक के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मेज़बानी की। जिनपिंग सोमवार को फ्रांस की यात्रा पर पहुंचे। उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब कारोबारी विवाद और यूक्रेन युद्ध से जुड़े मुद्दे ही हावी हैं। मैक्रों ने स्पेन की सीमा के नजदीक टूहमाले दर्रे में चीन के राष्ट्रपति को आमंत्रित किया है। इस स्थान पर मैक्रों ने बचपन में अपने दादी के साथ वक्त बिताया था। इससे पहले पिछले साल जब मैक्रों चीन की यात्रा पर थे तब जिनपिंगग उन्हें गुआंगदोंग प्रांत के गवर्नर के आवास ले गए थे जहां चीन के राष्ट्रपति के पिता कभी रहते थे। चिनफिंग वैश्विक तनाव के बीच रिश्तों को नई ऊर्जा प्रदान करने के लिए यूरोप की यात्रा पर हैं। वह सर्बिया और हंगरी भी जाएंगे।

विश्व युद्ध संकंड का हीरो 100 की उम्र में करने जा रहा शादी, 96 साल की है प्रेमिका; गजब इनकी प्रेम कहानी

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिका के लिए विश्व युद्ध संकंड में जी जान से लड़े हेरोल्ड टेरेन्स एक बार फिर चर्चा में हैं। वह अगले महीने फ्रांस में अपनी प्रेमिका से शादी करने जा रहे हैं। उनकी उम्र 100 वर्ष और उनकी प्रेमिका 96 साल की है। दोनों 2021 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। वेडिंग वेन्यू भी बेहद खास है। उन्होंने बताया कि शादी उस समुद्री तट पर हो रही है जहां वर्ल्ड वॉर के दौरान अमेरिकी सैनिक लड़ने के लिए उतरे थे। जानकारी के अनुसार, अपनी शादी को लेकर हेरोल्ड काफी एक्साइटेड हैं। वह अपनी शादी को यादगार बनाना चाहते हैं। विश्व युद्ध संकंड के दौरान अमेरिकी वायु सेना का हिस्सा रह चुके हेरोल्ड को 6 जून के दिन डी-डे लैंडिंग की 80वीं वर्षगांठ पर सम्मानित किया जाएगा। यह वो ऐतिहासिक दिन था, जब अमेरिका ने मित्र देशों में शामिल होकर विश्व युद्ध का रुख बदल दिया था। इस युद्ध में हेरोल्ड उन चुनिंदा भाग्यशाली लोगों में से एक थे, जो जिंदा बचकर लौटे थे। सम्मानित होने के दो दिन बाद हेरोल्ड अपनी प्रेमिका जीन स्वेरलिन से फ्रांस के उस समुद्री तट पर आधिकारिक रूप से एक-दूसरे के हो जाएंगे, जहां विश्व युद्ध संकंड के दौरान 1944 में हजारों अमेरिकी सैनिक उतरे थे। विवाह कार्यक्रम शहर के मेयर की उपस्थिति में होगा। ऐसी प्रेम कहानी नहीं सुनी होगी टेरेंस ने एएफपी को दिए इंटरव्यू में कहा कि यह एक ऐसी प्रेम कहानी है जैसी आपने पहले कभी नहीं सुनी होगी। फ्लोरिडा में स्वेरलिन के घर पर एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि वे किशोरों की तरह एक-दूसरे को मिलते हैं, हाथ पकड़ते हैं और एक-दूसरे में खो जाते हैं। स्वेरलिन अपने मंगेतर के बारे में कहती है, वह बहुत अच्छे हैं, मुझे उनकी हर चीज़ पसंद है। वह सुंदर है और अच्छे किसर भी। बेहद जिंदादिल हैं टेरेन्स सौ साल के हो चुके हेरोल्ड टेरेन्स की जिंदादिली उनकी उम्र से इत्तेफाक नहीं रखती। वह हंसमुख और बहुत मजाकिया है। उनकी याददाश्त भी अपनी उम्र के हिसाब से मैच नहीं करती। वह तारीखों, स्थानों और घटनाओं को बिना किसी रुकावट के याद रखते हैं। पहली पत्नी की मौत के बाद मिली प्रेमिका रिपोर्ट के अनुसार, विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद हेरोल्ड अपने घर लौट आए थे, जहां उन्होंने थेल्मा से शादी की। उनके तीन बच्चे हुए। हेरोल्ड ने एक ब्रिटिश कंपनी के लिए भी काम किया। रिटायरमेंट के बाद उनका परिवार फ्लोरिडा बस गया। 2018 में थेल्मा की मौत के बाद हेरोल्ड अकेले पड़ गए। इस दौरान किसी दोस्त के जरिए हेरोल्ड की स्वेरलिन से मुलाकात हुई। स्वेरलिन विधवा थीं। दो मुलाकातों में दोनों ने तय कर लिया कि वे आगे साथ रहेंगे। 18 साल में हो गए थे भर्ती टेरेंस जब 18 साल के ही हुए थे, तब जापान ने पर्ल हार्बर में अमेरिकी नौसेना बेस पर बमबारी की थी। होरोल्ड बताते हैं कि वह भी उस वक्त कई युवा अमेरिकियों की तरह सेना में भर्ती होना चाहते थे। 20 साल की उम्र तक वह मोर्स कोड में विशेषज्ञ थे। उस वक्त युद्ध के दौरान इंग्लैड जाने के लिए उन्हें चार पी-47 थंडरबोल्ट लड़ाकू विमानों के एक स्क्वाड्रन का जिम्मा सौंपा गया था। विश्व युद्ध संकंड को याद करते हुए वह कहते हैं, उस लड़ाई में हमने बहुत सारे विमान और बहुत सारे पायलट खो दिए थे। हम सभी उस वक्त काफी छोटे थे और अपने दोस्तों को खुद के सामने मरते हुए देखना मेरे लिए बहुत तकलीफदेह था। हालांकि मैं बहुत भाग्यशाली हूं जो जिंदा बचकर लौटा। नॉर्मंडी ऑपरेशन के दौरान उनकी कंपनी ने अपने 60 विमानों में से आधे खो दिए। टेरेंस ने युद्ध के दौरान जर्मन कैदियों और मित्र देशों की सेना को इंग्लैंड ले जाने में मदद की थी।

उत्तर कोरिया में पसरा मातम, रात 2 बजे देश की न्यूज एजेंसी को देनी पड़ी जानकारी

प्योंगयांग एजेंसी। उत्तर कोरिया में इस समय शोक की लहर है। दरअसल, देश के दिग्गज नेता किम की नाम की मंगलवार को 94 साल में निधन हो गया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी को आधी रात में इसकी जानकारी देनी पड़ी। एजेंसी ने बताया कि देश के नेता किम जोंग उन ने मंगलवार देर रात 2 बजे राजधानी प्योंगयांग में किम की नाम को श्रद्धांजलि दी और परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त किया। कौन थे किम की नाम? बता दें कि किम की नाम, सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले उत्तर कोरियाई अधिकारियों में से एक, नेता थे। इन्होंने देश के नेताओं की सभी तीन पीढ़ियों को उनकी राजनीतिक वैधता को मजबूत करने और वंशवादी राज्य के लिए प्रचार तंत्र का नेतृत्व करने के लिए सेवा प्रदान की। रात के 2 बजे उत्तर कोरिया के नेता पहुंचे उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने रात 2 बजे किम की अर्थी के दर्शन किए। वह उत्तर कोरिया के एक अनुभवी नेता थे, जो अंत तक देश के प्रति असीम रूप से वफादार रहे। वह वफादार अधिकारियों के एक मुख्य समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने किम की तीन पीढ़ियों को बनाए रखने के लिए काम किया था। तीन पीढ़ियों की संभाली जिम्मेदारी किम उन बहुत कम उत्तर कोरियाई अधिकारियों में से एक थे जिन्होंने दक्षिण का दौरा किया था। उन्होंने 2009 में राष्ट्रपति किम डे-जंग की मृत्यु के बाद एक अंतिम संस्कार प्रतिनिधिमंडल का भी नेतृत्व किया था। दक्षिण कोरियाई सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वह 1985 में राज्य के संस्थापक किम इल सुंग के शासन के दौरान प्रमुख बने और 2017 में सेवानिवृत्त हुए।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फोड़ा चीनी इंजीनियरों पर हुए हमले का ठीकरा, सेना ने तालिबान सरकार को सुनाई खरी-खरी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार को कहा कि चीनी इंजीनियरों पर किए गए आत्मघाती हमले की योजना पड़ोसी देश गत मार्च में उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में बांध परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले से आत्मघाती हमलावर ने अपने वाहन से टक्कर मार दी थी। हमले में पांच चीनी इंजीनियरों समेत छह लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल अहमद शरीफ ने पत्रकार वार्ता में बताया कि हमले की पूरी योजना अफगानिस्तान में बनाई गई थी और हमले में प्रयोग की गई कार को भी अफगानिस्तान में ही तैयार किया गया था। उन्होंने बताया कि चीनी इंजीनियरों पर हमले की साजिश के चार मुख्य संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में 29 हजार चीनी नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पाकिस्तान के दावे पर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि काबुल ने पहले कहा था कि पाकिस्तान में बढ़ती हिंसा इस्लामाबाद का घरेलू मुद्दा है और उसने आतंकियों द्वारा उसके क्षेत्र का प्रयोग करने की बात से इनकार किया था।

विदेशों में भी हिट हो रहा बुलडोजर ऐक्शन, फिलिस्तीन समर्थकों के शिविर को तोड़ा; हिंसक प्रदर्शन

एम्स्टर्डम , एजेंसी। नीदरलैंड की राजधानी में मंगलवार को फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन एक बार फिर से तेज हो गया। इससे एक दिन पहले ही फिलिस्तीन समर्थकों पर बुलडोजर ऐक्शन देखने को मिला था। दंगा रोधी पुलिस ने एम्स्टर्डम यूनिवर्सिटी में एक शिविर को हिंसक तरीके से तोड़ डाला था। इससे भड़के सैकड़ों लोगों ने आज गाजा युद्ध विरोधी नारे लगाए। उन्होंने एम्सटर्डम शहर की सड़कों को जाम कर दिया। इस दौरान इजरायल के सैन्य अभियानों की जमकर निंदा की गई। यूनिवर्सिटी कैंपस के आसपास बड़ी संख्या में आज प्रदर्शनकारियों जुटे थे। उन्होंने नारे लगाए, फ्री-फ्री फिलिस्तीन! उन्होंने एकजुट लोग नहीं हारेंगे के भी नारे लगाए।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने मंगलवार की सुबह बैरिकेड्स को हटाने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया। इस दौरान हिंसक झड़पें हुईं और 140 लोगों को हिरासत में ले लिया गया। इस विरोध प्रदर्शन के वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पुलिस ने जिस तरह से बुलडोजर का इस्तेमाल किया, उससे टीचर्स और यूनिवर्सिटी के कर्मचारी काफी भड़के हुए थे। इन लोगों ने आज दोपहर को एक और विरोध प्रदर्शन निकालने की अपील की। डच स्कॉलर्स फॉर फिलिस्तीन नाम के समूह ने अपने बयान में कहा, छात्रों और कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें जबरन हटाने के लिए मिर्च स्प्रे, पुलिस के डंडों, पुलिस कुत्तों और बुलडोजर के इस्तेमाल किया गय। इस दौरान काफी हिंसा हुई और कई लोग घायल हो गए। गाजा युद्ध समाप्ति समझौते की कोशिश में जुटे मिस्र-कतर इस बीच, फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने गाजा पट्टी में युद्ध समाप्ति समझौते में मध्यस्थता के लिए मिस्र और कतर के प्रयासों का स्वागत किया है। अब्बास ने युद्धविराम और गाजा पट्टी से पूर्ण वापसी के लिए इजरायल की प्रतिबद्धता के लिए आशा व्यक्त की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह इजरायल पर युद्ध समाप्त करने और फिलीस्तीनी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को अपने कब्जे से मुक्त करने पर जोर दें। इससे पहले, हमास ने घोषणा की कि उसने मिस्र और कतर में मध्यस्थों को गाजा पट्टी के लिए युद्धविराम प्रस्ताव को मंजूरी देने के बारे में जानकारी दे दी है। हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हानियेह ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्र के खुफिया प्रमुख अब्बास कामेल को निजी फोन करके इस प्रस्ताव के बारे में जानकारी दी।

राफा में इजरायली हमले से अमेरिका भी खफा

वाशिंगटन , एजेंसी। फिलीस्तीनी शहर गाजा में भीषण नरसंहार के बाद भी इजरायली सेना के कदम नहीं रुके हैं। उसने अब दक्षिणी गाजा के एक और शहर राफा पर अपने नजरें टेढ़ी कर दी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि राफा की सीमा पर इजरायली सेना ने अपने टैंक खड़े किए हैं और कभी भी शहर पर धावा बोल सकता है। राफा में कत्लेआम को लेकर अमेरिका भी खफा है। बाइडेन और उनका प्रशासन कई बार इजरायल को आगाह कर चुका है कि राफा में उसका ऑपरेशन एक और कत्लेआम को बढ़ावा देगा। हालांकि नेतन्याहू किसी की सुनने को तैयार नहीं हैं। वह एक और कत्लेआम पर क्यों अड़े हैं? इजरायली हमले की जद में आ चुके राफा शहर में एक अनुमान के मुताबिक, 10 लाख शरणार्थी गाजा से अपनी जान बचाकर छिपे हुए हैं, जिनमें 6 लाख बच्चे और महिलाएं हैं। मंगलवार को, इजरायली सेना ने आधिकारिक घोषणा की कि उसने गाजा और मिस्र के बीच बसे राफा शहर की सीमा पर अपना नियंत्रण हासिल कर लिया है। यह भी बताया कि उसकी सेना और बड़ी संख्या में टैंक सीमा पर हमले की अवस्था में खड़े हैं। इजरायल दावा कर रहा है कि वह राफा में पर्चे फेंककर आम लोगों से सुरक्षित स्थानों पर चले जाने का आह्वान कर चुका है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, राफा में अभी भी 10 लाख से अधिक लोग छिपे हुए हैं और अगर इजरायल हमला करता है तो यह गंभीर मानवीय संकट पैदा करेगा। दुनिया को गाजा के बाद एक कत्लेआम का डर सता रहा है। इससे पहले गाजा में चलाए विशेष ऑपरेशन में इजरायल ने पूरे शहर को श्मशान घाट बना डाला। शहर में इजरायली हमलों से मरने वालों की तादाद 34 हजार से ज्यादा है, जिनमें 70 फीसदी बच्चे और महिलाएं हैं। इजरायल अपना लक्ष्य फिलिस्तीनी आतंकवादी ग्रुप हमास का पूर्ण खात्मा बताता है। इसके लिए नेतन्याहू किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। नेतन्याहू क्या हासिल करना चाहते हैं? इजरायली सेना आईडीएफ के बयानों से पता चलता है कि राफा शहर पर हमले का उद्देश्य गाजा में हमास की शेष सैन्य उपस्थिति को भी खत्म करना है। उसने गाजा के चले विशेष ऑपरेशन के दौरान 24 बटालियनों में से 18 को खत्म कर दिया है। नेतन्याहू लगातार दावा कर रहे हैं कि गाजा में हमास के खात्मे के बाद अब उसके दक्षिणी हिस्से में मौजूद शहर राफा में भी ऑपरेशन करना जरूरी है। इजरायल को लगता है कि राफा में हमास की बची-खुची सैन्य ताकत है, इजरायली चीफ लगातार तर्क देते रहे हैं कि वह खुद के अस्तित्व को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

अदालत में पेश हुईं पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल, ट्रंप के खिलाफ दी गवाही

न्यूयार्क एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जारी यौन संबंधों को लेकर चुप रहने के लिए पैसे देने के मामले में पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल ने मंगलवार को गवाही दी। गवाही के दौरान डेनियल 2006 में गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुई पहली मुलाकात की जानकारी दी। ट्रंप ने खुद को बताया निर्दोष ट्रंप पर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान यौन संबंधों को लेकर चुप रहने के लिए डेनियल को 1.30 लाख डॉलर देने का आरोप है। हालांकि, ट्रंप ने डेनियल के साथ यौन संबंध बनाने से इनकार किया है और खुद को निर्दोष बताया। बता दें कि इस मामले में आदेशों का उल्लंघन करने पर अदालत अब तक पूर्व राष्ट्रपति पर 10 हजार डॉलर का जुर्माना लगा चुकी है। इसके साथ ही कोर्ट ने आदेशों के दोबारा उल्लंघन पर जेल भेजने की भी चेतावनी दी है। स्टार्मी डेनियल ने बताया कब हुई थी ट्रंप से पहली मुलाकात 45 वर्षीय पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल का वास्तविक नाम स्टेफनी क्लिफोर्ड है। उन्होंने गवाही के दौरान अभियोजकों के सवाल पर जूरी को बताया कि ट्रंप से उनकी पहली मुलाकात 2006 में लेक ताहो गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुई थी। वहां ट्रंप प्रतिस्पर्धी थे। डेनियल ने बताया कि फिल्म निर्देशित किए जाने की जानकारी ट्रंप ने उन्हें काफी स्मार्ट बताया। गवाही के दौरान परेशान नजर आए ट्रंप

पोर्न स्टार ने बताया कि कुछ देर बाद ट्रंप के बॉडीगार्ड उनके पास आए और ट्रंप के साथ रात्रि भोज करने का निमंत्रण दिया। हालांकि, उन्होंने शुरुआत में मना कर दिया लेकिन एक प्रचारक द्वारा इससे फायदा होने की बात समझाने पर वह राजी हो गईं। उन्होंने बताया कि होटल पहुंचने पर ट्रंप ने केवल पजामे में उनका स्वागत किया था। डेनियल ने बताया कि इस मुलाकात में उन्होंने पहनावे को लेकर उनका मजाक उड़ाया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान पत्नी मेलानिया से शादीशुदा होने के दौरान उनके बीच अंतरंग संबंध बने। गवाही के दौरान ट्रंप काफी परेशान नजर आए।

फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने एमआईटी पर बोला धावा! कई शिविरों पर किया कब्जा; यूरोप तक फैला विरोध प्रदर्शन

शिकागो, एजेंसी। अमेरिका में पुलिस कई विश्वविद्यालयों में घुसकर धरने हटवा चुकी है, लेकिन फलस्तीन समर्थकों का आंदोलन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अमेरिकी शिक्षण संस्थाओं में लगभग तीन हफ्ते से आंदोलन के कारण तनाव बना हुआ है।

प्रदर्शनकारियों ने फिर किया कब्जा : पुलिस ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों को हटाया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने फिर एमआईटी में बनाए शिविर पर फिर कब्जा कर लिया। एमआईटी में प्रदर्शनकारियों से कहा गया था कि वे स्वेच्छा से कब्जा हटा लें नहीं तो उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा। इसके लिए सोमवार दोपहर तक का अल्टीमेटम दिया गया था। कई प्रदर्शनकारियों ने कब्जा हटा लिया, लेकिन बाद में विश्वविद्यालय के बाहर से प्रदर्शनकारियों के आने के बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर फिर कब्जा कर लिया। सोमवार रात नहीं हुई कोई गिरफ्तारी एमआईटी प्रवक्ता के अनुसार, सोमवार रात तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। रोड आइलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन में भी छात्रों ने सोमवार को एक इमारत पर कब्जा कर लिया। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत की है, लेकिन तनाव बरकारार है। 40 छात्रों को पुलिस ने किया गिरफ्तार इस बीच शिकागो विश्वविद्यालय में पुलिस ने मंगलवार को धरना दे रहे फलस्तीन समर्थकों को हटा दिया। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो में, पुलिस ने धरना खत्म कराकर 40 छात्रों सहित 64 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यूरोप तक फैला विरोध प्रदर्शन छात्रों का विरोध प्रदर्शन यूरोप तक फैल गया है। पुलिस ने मंगलवार तड़के एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय से लगभग 125 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। छात्रों ने फिनलैंड, डेनमार्क, जर्मनी, इटली, स्पेन, फ्रांस और ब्रिटेन में भी विरोध प्रदर्शन किया या शिविर लगाए। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अंतरिम अध्यक्ष, एलन गार्बर ने छात्रों को चेतावनी दी कि हार्वर्ड यार्ड में धरना दे रहे प्रदर्यानकारियों को परिसर में अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्हें छात्रावास की सुविधा नहीं दी जाएगी। परीक्षा देने से भी रोका जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

फिलिस्तीन पर लाइक करती थी पोस्ट, टॉप स्कूल ने महिला प्रिंसिपल को हटाया

मुंबई एजेंसी। मुंबई के एक नामी स्कूल ने अपने प्रिंसिपल को पद से हटा दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि प्रिंसिपल परवीन शेख अकसर फिलिस्तीन पर सोशल मीडिया पोस्ट्स को लाइक करती थीं। स्कूल के मैनेजमेंट का कहना है कि हमने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि एकता और समावेशी संस्कृति के अपने सिद्धांतों से हम समझौता नहीं कर सकते। परवीन शेख ने हमास और इजरायल युद्ध पर कई पोस्ट्स को लाइक किया था। इसके अलावा फिलिस्तीन के मुद्दे पर अन्य तमाम पोस्ट्स को वह लाइक करती थीं। मुंबई के विद्याविहार इलाके के सोमैया स्कूल की प्रिंसिपल परवीन शेख ने अपनी नौकरी छीने जाने को पूरी तरह अवैध और गलत बताया है। उन्होंने कहा कि राजनीति के तहत यह कदम उठाया गया है, जिससे मैं आहत हूं। वहीं स्कूल मैनेजमेंट ने कहा कि सोशल मीडिया पर उनकी ऐक्टिविटी शिक्षण संस्थान के मूल्यों के विपरीत थी। कहा जा रहा है कि परवीन शेख को मैनेजमेंट ने काफी समय पहले ही कहा था कि वह रिजाइन दे दें। उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो फिर उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। परवीन शेख की एक करीबी ने बताया कि उनके खिलाफ जांच करने की बात मैनेजमेंट ने कही थी। सोमैया स्कूल के मैनेजमेंट ने मंगलवार को एक्स पर बयान शेयर करते हुए लिखा कि परवीन शेख की सोशल मीडिया ऐक्टिविटीज हमारी वैल्यूज के विपरीत थी। बयान में कहा गया, गंभीरता से विचार करने के बाद मैनेजमेंट ने परवीन शेख की सेवाओं को समाप्त कर दिया है। वह स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर थीं, लेकिन उन्होंने मूल्यों के विपरीत काम किया। प्रबंधन का कहना था कि हम ऐसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जिसके तहत सभी समुदायों का सम्मान किया जाए। निजी पूर्वाग्रहों से ग्रसित न रहें और संकीर्ण मानसिकता किसी के प्रति न रहे। मैनेजमेंट ने कहा कि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, लेकिन इसका इस्तेमाल पूरी जिम्मेदारी से करना चाहिए। इसके अलावा दूसरों का सम्मान भी बरकरार रहना चाहिए।

हरियाणा में कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले के आसार, कांग्रेस कर रही खाता खोलने को संघर्ष

चंडीगढ़ एजेंसी। हरियाणा में पिछले लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए भाजपा ने सभी दस सीटें जीत ली थी। लेकिन प्रदेश में पिछले दिनों जिस प्रकार से राजनीतिक उथल-पुथल हुई है और अभी भी इसका दौर जारी है, इस कारण भाजपा के सामने पिछला प्रदर्शन दोहराना बड़ी चुनौती है। इधर, कांग्रेस आप से गठबंधन करके राज्य में अपना खाता खोलने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने से यह भी माना जा रहा है कि कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला हो सकता है। हरियाणा में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची। भाजपा की सहयोगी जजपा उससे अलग हो गई। स्थिति यह बनी कि भाजपा को वहां नेतृत्व परिवर्तन भी करना पड़ा। नये मुख्यमंत्री ने निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार चलाई लेकिन अब एक बार फिर स्थितियां बदल रही हैं। राज्य में लोकसभा चुनावों के कुछ ही महीनों के बाद विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में लोकसभा चुनावों का संदेश विधानसभा चुनावों में भी जा सकता है। इसलिए भाजपा सतर्क है और विपक्षी दल भी अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। हरियाणा में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने रिकार्ड 58 फीसदी मत हासिल किए थे। वहीं कांग्रेस का प्रदर्शन खराब रहा। वह महज 23 फीसदी मत ही ले पाई और सीट एक भी नहीं मिली। ठीक इसके पांच महीने के बाद जब विधानसभा चुनाव हुए तो भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। उसने 40 सीटें जीती और 7 सीटों का नुकसान हुआ। जबकि कांग्रेस का मत प्रतिशत सात फीसदी बढ़ा। उसने 28 फीसदी वोट लेकर 31 सीटें जीती और पिछले चुनाव की तुलना में 16 सीटों की बढ़त भी मिली। इसी प्रकार नई बनी पार्टी जजपा ने भी दस सीटें जीतने में सफलता प्राप्त की। जजपा की मदद से ही भाजपा ने सरकार बनाई, लेकिन राजनीतिक नफा-नुकसान के मद्देनजर जजपा अलग हो चुकी है और लोकसभा चुनाव मैदान में भी उतर चुकी है।

बंगाल में बारिश और तूफान से भारी तबाही, 12 लोगों की मौत

कोलकाता एजेंसी। पश्चिम बंगाल में आंधी-तूफान और बिजली गिरने से भारी तबाही मची है। इस आपदा की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। इस बीच, भारतीय मौसम विभाग के अनुमान ने चिंता और बढ़ा दी है। आईएमडी का कहना है कि अगले कुछ दिनों में आंधी-तूफान का सिलसिला जारी रह सकता है। साथ ही, राज्य के कई जिलों में बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। सोमवार को हुई भारी बारिश और आंधी-तूफान के चलते पूर्वी बर्दवान में 5 लोगों की मौत हो गई। पश्चिमी मिदनापुर और पुरुलिया में आंधी-तूफान और बिजली गिरने से 2-2 लोगों की मौत हुई। नादिया में दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई और दक्षिण 24 परगना में 1 व्यक्ति की मौत पेड़ के उखड़ जाने से हो गई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आंधी-तूफान, बिजली गिरने और दीवार गिरने से हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर कहा, यह जानकर बहुत दुख हुआ कि सोमवार की रात आंधी और बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आगे कहा कि जिला प्रशासन चौबीसों घंटे आपदा प्रबंधन मोड पर काम कर रहा है। साथ ही दिशानिर्देशों के अनुसार राहत और अनुग्रह राशि प्रदान करने के लिए उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गंभीर संवेदना व्यक्त की। आईएमडी अधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश से लगी सीमा पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन डेवलप हो रहा है। साथ ही, झारखंड से राजस्थान तक कम दबाव का क्षेत्र भी बना हुआ है। कोलकाता में हृस्ष्ठ के क्षेत्रीय कार्यालय के सीनियर अधिकारी ने कहा, इस तरह का बदलाव बंगाल की खाड़ी से नमी खींच रहा है और गरज के साथ बारिश व तूफान को बढ़ावा दे रहा है।

कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद राधिका खेड़ा हुई भाजपा में शामिल, प्रियंका-राहुल समेत कई कांग्रेसी पर लगाए थे

रायपुर एजेंसी। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता रही राधिका खेड़ा ने रविवार के दिन पार्टी को अपना इस्तीफा भेज दिया था। इसके बाद आज राधिका खेड़ा भारतीय जनता पार्टी के साथ चली गई है। राधिका खेड़ा ने आज भाजपा का दामन थाम लिया है। आज बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की अध्यक्षता में राधिका खेड़ा बीजेपी में शामिल हो गई है। उनके साथ ही अभिनेता शेखर सुमन भी बीजेपी में शामिल हो गए है। बीते कुछ दिनों से चल रहे लगातार विवाद के बाद पहले राधिका ने इस्तीफा दिया और अब वह बीजेपी के समर्थन में चली गई है।

क्या था पूरा विवाद : कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा को छत्तीसगढ़ के मीडिया विभाग की जिम्मेदारी देकर भेजा गया था। बीते दिनों प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में कांग्रेस नेत्री राधिका खेड़ा और संचार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के साथ विवाद हुआ था। जिसे लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा था। जिसमें राधिका रोते हुए फोन पर अपने साथ हुए दुर्व्यहार के बारे में बोलती नजर आ रही थी। वहीं इस मामले में राधिका ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए भी बहुत सी बाते लिखी थी। जिसमें राधिका ने लड़की हूं लड़ रही हूं जैसी बात करते हुए। पूर्व सीएम और संचार विभाग के अध्यक्ष पर सीधा हमला बोला था। वहीं इस मामलें में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को जांच कर रिपोर्ट दिल्ली भेजने की बात कही गई थी। जिसके बाद बीते शनिवार को कांग्रेस भवन में दोनों पक्षो को बुलाकर सभी का बयान लिया गया और रिपोर्ट हाईकमान को भेज दी गई थी।

इस पूरे विवाद के बाद कांग्रेस हाईकमान के फैसले का इंतजार ही हो रहा था कि राधिका खेड़ा ने इस बीच रविवार को इस्तीफा कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया। राधिका खेड़ा ने इस्तीफा भेजते हुए छत्तीसगढ़ की घटना के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी पर कई आरोप भी लगाए। राधिका ने लिखा कि जब से मैं राम मंदिर रामलला के दर्शन करके लौट कर आई हूं मेरे सांथ पार्टी के द्वारा गलत व्यवहार किया जा रहा है। राधिका ने कहा कि मैं एक लड़की हूं कांग्रस पार्टी महिला के साथ हुए दुर्व्यहार पर चुप्पी बनाई हुई है। इसके बाद बीते सोमवार को राधिका खेड़ा ने प्रेस वार्ता कर कांग्रेस पार्टी के नेता प्रियंका गांधी, सचिन पायलेट, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम बघेल समेत महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। राधिका खेड़ा ने इस बीच छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज पर शराब ऑफर करने की बात भी कही है। राधिका ने कहा कि मैं लड़की हूं और अपने न्याय के लिए लड़ती रहूंगी। छत्तीसगढ़ के संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने राधिका खेड़ा के आरोप के बाद मानहानी का आरोप लगाते हुए नोटिस भेज दिया है। सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाते हुए कहा है कि मेरी सामाजिक और पारिवारिक प्रतिष्ठा है मैं शिक्षित परिवार से आता हूं। मैं राधिका खेड़ा के आरोप से बहुत ज्यादा अपमानित और आहत हुआ हूं। शुक्ला ने आरोप लगाया कि राधिका खेड़ा ने मेरी राजनीतिक हत्या करने की कोशिश की है। इसके आलावा शुक्ला ने यह भी कहा कि राधिका ने यह आरोप लगाया कि मैंने उन्हें शराब की पेशकश की और उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया। इस बात का जबाव देते हुए सुशील आनंद शुक्ला ने दावा करते हुए कहा कि मैं छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय हूं मेरे बारे में हर कोई जानता है कि मैंने शराब का सेवन कभी नहीं किया है।

राधिका खेड़ा के भाजपा प्रवेश पर बोले भूपेश बघेल, आखिर कितने में हुई डील : लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के बीच कांग्रेस पार्टी की राट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने आज भाजपा का दमन थाम लिया है। राधिका खेड़ा के भाजपा में जाने के बाद अब छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जमकर निशाना साधते हुए खेड़ा से कई सवाल किया है। बघेल ने सवाल करते हुए कहा कि आखिर डील हुई है।

बिहार के तीन चरणों में अभी तक भाजपा का खाता तक नहीं खुल रहा; आरजेडी के मनोज झा की भविष्यवाणी

पटना, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के बीच आरक्षण पर घमासान जारी है। पीएम मोदी जहां एक तरह आरक्षण को खत्म करने का आरोप विपक्ष पर लगा रहे हैं। तो वहीं इंडिया अलांयस मोदी सरकार को इस मामले पर घेर रहा है। और कहा रहा है कि अगर दोबारा मोदी सरकार आई तो संविधान खत्म हो जाएगा। इस बीच लालू यादव की पार्टी आरजेडी के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने बीजेपी पर हमला बोला है। साथ ही अभी तक हुए तीन चरणों में बिहार में बीजेपी की क्या स्थिति है। इसकी भी भविष्यवाणी कर दी है। राजद सांसद सह प्रवक्ता मनोज झा ने कहा कि हम तो अहंकार की भाषा नहीं बोलते। लेकिन एक बात बता दें। प्रधानमंत्री की पार्टी (बीजेपी) ज्यादा से ज्यादा 200 सीटों पर संघर्ष करेंगी।

कन्हैया कुमार के सारथी बने सचिन पायलट, उत्तर-पूर्वी दिल्ली का ऑब्जर्वर बनाया

जयपुर , एजेंसी। अशोक गहलोत के बाद राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को कांग्रेस आलाकमान ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट का ऑब्जर्वर बनाया है। दिल्ली की हॉट सीट उत्तर-पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार चुनाव लड़ रहे है। जबकि दिल्ली की एक और चर्चित चांदनी चौक लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने डॉ. सीपी जोशी को ऑब्जर्वर बनाया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कांग्रेस आलाकमान ने छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को रायबरेली और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत को अमेठी का वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया गया था। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को चुनावी मैदान में उतारा है। उनका मुकाबला मनोज तिवारी से है, जबकि चांदनी चौक से कांग्रेस ने जेपी अग्रवाल को चुनावी मैदान में उतारा है। यहां उनका मुकाबला भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल से है। सचिन पायलट और सीपी जोशी इन दोनों सीटों पर चुनाव प्रबंधन और प्रचार अभियान का जिम्मा संभालेंगे।

नीट धांधली में एसआईटी गठित, रिमांड पर लिये जायेंगे आरोपी

पटना , एजेंसी। नीट यूजी परीक्षा धांधली मामले में पटना पुलिस ने एसआईटी गठित की गई है। सिटी एसपी सेंट्रल के नेतृत्व में गठित एसआईटी में दो डीएसपी रैंक के अफसर, छह इंस्पेक्टर और तकनीकी सेल के पुलिसकर्मी शामिल हैं। वहीं शास्त्रीनगर थाने में दर्ज केस के आईओ दारोगा टीएन सिंह बनाए गए हैं। डीआईजी सह एसएसपी राजीव मिश्रा के मुताबिक, पुलिस एक-एक कर गिरफ्तार आरोपितों को रिमांड पर लेगी और उनसे पूछताछ करेगी। पुलिस छात्र आयुष राज से भी पूछताछ करेगी, जिसने प्रश्नपत्र एक रात पहले ही मिलने का दावा किया था। संजीव सहित अन्य की तलाश पुलिस मास्टरमाइंड संजीव सिंह, उसके गुर्गे रॉकी समेत अन्य की तलाश में जुटी हुई है। संजीव के पकड़े जाने पर कई राज से पर्दा उठेगा। संजीव पर पूर्व में भी परीक्षाओं में धांधली के आरोप हैं। सूत्रों के मुताबिक संजीव की तलाश में पटना और उससे सटे जिलों में छापे मारे गए। संजीव के बेटे पर भी नजर है, जो एक दूसरे राज्य में हुई परीक्षा में गड़बड़ी में जेल जा चुका है। पटना डीआईजी सह एसएसपी राजीव मिश्रा, ने बताया कि पुलिस ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। बारीकी से जांच के बाद जो तथ्य सामने आयेंगे उनके आधार पर कार्रवाई होगी। एसआईटी गिरोह के सभी सदस्यों को गिरफ्तार करेगी।आपको बता दें कि नीट यूजी 2024 का आयोजन 5 मई को देशभर के परीक्षा केंद्रों में और कुछ विदेशों में बने परीक्षा केंद्रों में आयोजित की गई थी।

चुनाव के लिए भाजपा कुछ भी कर सकती है; एक और कांग्रेसी ने पुंछ आतंकी हमले पर उठाया सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बाद एक और कांग्रेस नेता और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने हाल ही में पुंछ आतंकी हमले को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि भगवा पार्टी चुनाव के दौरान कुछ भी कर सकती है। मंगलवार को उन्होंने कहा, पुलवामा हमला अभी भी एक रहस्य बना हुआ है, जिसको लेकर तत्कालीन उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक भी सवाल उठा चुके हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं है। भाजपा चुनाव के दौरान कुछ भी कर सकती है। आपको बता दें कि वारिंग लुधियाना सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

फरवरी 2019 में जैश-ए-मोहम्मद द्वारा किया गया पुलवामा हमला लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ था। इसके कुछ दिनों के बाद भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के अंदर बालाकोट में जवाबी हमले किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने चुनाव में लगातार दूसरी बार बहुमत हासिल किया। विपक्षी दलों ने बार-बार आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने चुनावी लाभ लिए आतंकवादी हमले की इजाजत दी, हालांकि सत्तारूढ़ दल ने इस आरोप को खारिज कर दिया।

पिछले शनिवार को पुंछ में हमला हुआ। आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के वाहनों के एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में एक सैनिक शहीद हो गए। पांच जवान घायल हो गए। आतंकियों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

इस हमले के एक दिन बाद जालंधर लोकसभा सीट से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार चरणजीत सिंह चन्नी ने भाजपा सरकार पर स्टंटबाजी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, जब चुनाव आते हैं तो बीजेपी को जिताने के लिए ऐसे स्टंट किए जाते हैं। ये पूर्व नियोजित हमले हैं, इनमें कोई सच्चाई नहीं है।

अपने बयान पर विवाद शुरू होने के बाद पूर्व सीएम पीछे हट गए। उन्होंने कहा कि उन्हें उन जवानों पर गर्व है जो देश की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बलों में शामिल होते हैं। उन्होंने कहा, आज तक सरकार ने पुलवामा के लिए जिम्मेदार अपराधियों की पहचान नहीं की है। मैं पूछना चाहता हूं कि अपराधी कौन हैं? उन्हें न्याय के कटघरे में क्यों नहीं लाया गया? खुफिया विफलताएं क्यों होती रहती हैं? एक बार फिर जवानों की जान चली गई है। मेरा कहना यह है कि इसे भाजपा द्वारा राजनीतिक स्टंट क्यों बनाया जा रहा है।

आदर्श आचार संहिता तो मोदी आचार संहिता बन गई: ममता बनर्जी

कोलकाता एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ईसी ने भाजपा नेताओं की ओर से प्रचार के दौरान नफरत फैलाने वाले भाषण देने से जुड़े आरोपों के संबंध में आंखें मूंद ली हैं, जिससे आदर्श आचार संहिता 'मोदी आचार संहिता' में तब्दील हो गई है। पुरुलिया में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य शीर्ष नेता केवल खुद को ही हिंदू मानते हैं और वे अन्य समुदायों के बारे में नहीं सोचते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी और अन्य भाजपा नेता अपने नफरत भरे भाषणों से निचली जाति के हिंदुओं, अल्पसंख्यकों और अन्य वंचित वर्गों को डरा रहे हैं लेकिन निर्वाचन आयोग चुप है। ममता बनर्जी ने कहा, 'निर्वाचन आयोग की आदर्श आचार संहिता एक मजाक बन गई है और इसे मोदी आचार संहिता का नाम दिया जाना चाहिए। लेकिन, हम इस देश के नागरिकों के अधिकारों के उल्लंघन की हर घटना को उजागर करना जारी रखेंगे।' मोदी पर अपना हमला जारी रखते हुए बनर्जी ने कहा कि उन्होंने दूसरा ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं देखा जो इतना झूठ बोलते हैं। उन्होंने पूछा, 'प्रत्येक नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपये देने के उनके 2014 के वादे का क्या हुआ? मुफ्त एलपीजी गैस देने के उनके वादे का क्या हुआ? उनके 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम का क्या हुआ?'

100 दिन की मजदूरी तीन साल से रोक रखी : तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने दावा किया, 'भाजपा नेता हर गांव में अन्नपूर्णा भंडार योजना के तहत हर गरीब महिला को 3000 रुपये देने का झूठा वादा कर रहे हैं। याद रखें कि भाजपा ने बंगाल में गरीबों को मिलने वाली 100 दिन की मजदूरी तीन साल से रोक रखी है। भाजपा चावल के लिए एक भी पैसा जारी नहीं कर रही, लेकिन हमने इस पर आने वाला पूरा खर्च वहन किया है ताकि गरीबों को समस्या महसूस न हो।' बनर्जी ने दावा किया कि मोदी केवल चुनाव के दौरान ही बंगाल का दौरा करते हैं। बांकुड़ा जिले के बिष्णुपुर में एक अन्य रैली में बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा वोट पाने के लिए आदिवासी लोगों को नकदी की पेशकश कर रही है।

राजू ठेहट हत्याकांड: गैंगस्टर रोहित गोदारा समेत 27 के खिलाफ चार्ज तय

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में सीकर के बहुचर्चित राजू ठेहट हत्याकांड मामले में अब कोर्ट ने 29 में से 27 आरोपियों पर चार्ज तय किया है। वारदात को अंजाम देने वाले शूटर्स और साजिश में शामिल अन्य आरोपियों पर सीकर जिला एवं सत्र न्यायालय ने आरोप तय किए है। अब इस केस का ट्रायल शुरू होगा। हालांकि, दो आरोपियों पर चार्जफ्रेम पेंडिंग रखा गया है। उनके खिलाफ 8 मई को चार्ज तय किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सीकर में 3 दिसंबर 2022 की सुबह हमलावरों ने गोलियां बरसाकर राजू ठेहट को मौत के घाट उतार दिया था। इस गोलीबारी में ताराचंद की भी मौत हो गई थी। अब 18 महीने बाद कोर्ट ने आरोपियों पर चार्ज तय किए हैं।

इन पर लगाए गए चार्ज : राजू ठेहट हत्याकांड में शामिल शूटर मनीष उर्फ बचिया, विक्रम गुर्जर उर्फ विक्रम बामरडा, जतिन वर्मा उर्फ जोनी पहलवान, सतीश कुमार उर्फ पहलवान पर आज चार्ज लगाया गया है। इन्होंने ही फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। इनके अलावा राकेश मीणा, शक्ति सिंह रानोली, जीतू बलोद, दिनेश बारी, धनराज गहलोत, उमेश गहलोत, कमल डेलू बीकानेर, श्रवण खिंदासर, नेमीचंद गुर्जर, मुकेश उर्फ बल्लू, राकेश ओझा, गणेश ओझा, अशोक ईशरवाल, विजयपाल उर्फ फौजी, अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल के तत्कालीन जेल प्रहरी योगेश वर्मा, कुलदीप उर्फ टीकू उर्फ केडी, सरजीत सिंह, गुलजारी उर्फ जीएल, शकील खान, सुदा व सरजीत बिश्नोई पर भी चार्ज लगाया गया है। हत्याकांड में शामिल दो आरोपी नाबालिग हैं। विशेष लोक अभियोजक राजेंद्र कुमार हुड्डा ने बताया कि राजू ठेहट और ताराचंद हत्याकांड के मामले में वारदात को अंजाम देने वाले पांच शूटर्स सहित 27 आरोपियों पर चार्ज लगाया गया है। आरोपियों पर चार्ज तय होने के बाद अब कोर्ट में इस केस का ट्रायल शुरू होगा। हत्याकांड के मास्टर माइंड रोहित गोदारा, वीरेंद्र चारण, ईश्वर कुमावत सहित अन्य अपराधी अभी भी विदेश में छिपे हुए हैं। उनके खिलाफ पुलिस ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया है। राजू ठेहट हत्याकांड में मंगलवार को 29 में से 27 आरोपियों पर चार्ज तय किए गए हैं। अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में कार्यरत तत्कालीन जेल प्रहरी वीरेंद्र रावत और सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोपी सचिन भिवानी दूसरी जेल में बंद हैं।

आशुतोष ने पर्चा भरा, अरुण कुमार भी लाइन में; जहानाबाद में जेडीयू का खेल बिगाड़ेंगे भूमिहार नेता?

जहानाबाद, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया 7 मई से शुरू हो गई है। जहानाबाद संसदीय क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई। नामांकन के पहले दिन राष्ट्रीय जन- जन पार्टी के आशुतोष कुमार सहित पांच प्रत्याशियों ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया। जिला निर्वाची पदाधिकारी के मुताबिक आशुतोष कुमार के अलावा मिंता देवी, संजय यादव, उमाशंकर वर्मा एवं मंजय कुमार ने का पर्चा दाखिल किया।

जहानाबाद की सीट की चर्चा इस लिए भी तेज हो गई है। क्योंकि इस एक सीट पर भूमिहार जाति के प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। वैसे बिहार में ज्यादातर सीटों पर एनडीए बनाम महागठबंधन की लड़ाई है। लेकिन जहानाबाद की सीट पर मुकाबला चौतरफा है। आशुतोष कुमाार के चुनावी मैदान में आने से लड़ाई और दिलचस्प हो गई है। जहानाबाद सीट भूमिहार जाति के ही बड़े नेता अरुण कुमार बीएसपी के टिकट पर लड़ रहें। तो वहीं आरजेडी के प्रत्याशी सुरेंद्र यादव और एनडीए-जेडीयू के उम्मीदवार मौजूदा सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी भी चुनावी मैदान में है।आशुतोष कुमार की एंट्री से भूमिहार वोट में सेंधमारी की संभावना बढ़ गई हैं। जिससे जेडीयू को झटका लग सकता है। और इसका फायदा

आरजेडी को हो सकता है। आपको बता दें 2019 के लोकसभा चुनाव में बहुत कांटे की टक्कर हुई थी। और जेडीयू के चंद्रश्वेर चंद्रवंशी महज 1751 वोटों से जीत पाए थे। और महज एक फीसदी वोट का अंतर था। आरजेडी के सुरेंद्र यादव ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी। और एक बार फिर से दोनों आमने-सामने हैं। वहीं आरएसपी (एस) के डॉक्टर अरुण कुमार को 34 हजार वोट और नोटा को 27 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। जिससे इस सीट पर टक्कर बहुत नजदीकी हो गई थी। वहीं बीएसपी के नित्यानंद सिंह को 19 हजार वोट मिले थे। नामांकन दाखिल करने अपने समर्थकों के साथ पहुंचे भूमिहार समाज के नेता आशुतोष कुमार ने कहा कि जहानाबाद के लोगों ने अगर मुझे सेवा करने का मौका दिया तो जिले के लोगों का मान सम्मान बढ़ाने का काम करूंगा। वहीं जेडीयू के मौजूदा सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी की वोटर्स से दूरी बढञने की बात कही। आशुतोष ने कहा कि मुझे हर जाति धर्म के लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है आपको बता दें 14 मई को नामांकन की अंतिम तिथि निर्धारित है। नामांकन बाद ही स्क्रूटनी होगी। आखिरी चरण में बिहार की 8 सीटों पर वोटिंग है। जिसमें नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट और जहानाबाद की सीट शामिल है।

सात्विक प्रो0 प्रा0 लि0 कोलकता, पं0 बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।